❖ अमरावती, गुरुवार २४ अक्तुबर से ३० नवंबर २०२५ ❖ वर्ष १६ ❖ अंक २३ मूल्य २०/- पृष्ठ १६+८ ❖पोस्टल रजि. नं. ATI/RNP/268/2025-2027 डाक : शुक्रवार – शनिवार

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस.

संयुक्त परिवार । मानव सेवा । पर्यावरण संतुलन

दीपावली विशेषांक

बाबूजी के आदेश

जीवन क्षणभंगुर है. लाखों की दौलत कमाने के लिए कभी याद नहीं किया जाता है. लेकिन जिन लोगों ने जीवन में धर्म,कर्म और नेक कामों में सदैव योगदान दिया है, उन्हें कोई भूलता भी नहीं है. आपका जीवन क्षणभंगुर है लेकिन आपके कर्म आपको अमरत्व प्रदान करते हैं. दीवाली में खुशियां बांटते रहो, कभी कम नहीं होगी.

खुशी-त्याग संकल्प का प्रतीक है दीपपर्व

बांटनेवाला रहता है खुश, हमारी क्षमता का लाभ दूसरों को भी हुआ तो बेहतरीन

हर भारतीय पर्व हमें सीख देते हैं. भारतीय संस्कृति में दीप पर्व हमें त्याग का जहां संदेश देता है, वहीं स्वयं कितनी भी तकलीफ क्यों नहीं हो लेकिन हमारी वजह से किसी को तकलीफ नहीं होना चाहिए, यह संदेश देता है. यही कारण है कि दीपावली केवल पर्व नहीं बल्कि विश्वस्तर पर त्याग का संदेश देने वाला पर्व होता है. विदर्भ स्वाभिमान हमेशा अलग विशेषांकों के लिए सुख्यात है. इस बार बिखरते परिवारों को ध्यान में रखते हुए संयुक्त परिवार, मानव सेवा और पर्यावरण संतुलन को ध्यान में

रखते हुए पाठकों को बेहतरीन संदेश देने का प्रयास किया गया है. हमें विश्वास है कि अखबारिता क्षेत्र में इस तरह का यह नया प्रयास सभी को भाएगा. जीवन में खुशियों के लिए परिवार से बड़ा दूसरा मंच नहीं हो सकता है और खुशियों के लिए पर्यावरण संतुलन जरूरी होता है. इसके अलावा आत्मिक सुकून के लिए हमें परमात्मा ने जो कुछ दिया है, उसमें से हम किसी की खुशी का माध्यम

(शेष २ पर)

संपादकीय मार्गदर्शक

खुश रहें और खुशियां बांटने से बढ़ती हैं-सुदर्शन गांग

अमरावती- जीवन में खुशी,प्रेम,ज्ञान और सम्मान यह सदा बांटने से बढ़ता है. जीवन में जो इस बात को समझ जाता है, उसे कभी निराश होने की नौबत नहीं आती है. परमात्मा ने जिस रूप में भेजा है, उसी रूप में हमे बिना कुछ साथ लिए बुलाता है, ऐसे में जो उम्र हमें प्रभु ने उपहार में दी है, उस दौरान हमारे द्वारा किए जाने वाले कर्म ही हमें सम्मान,अपमान दिलाते हैं. हम किसी को प्रसन्न नहीं रख सकते हैं तो नाराज कोई हमसे हो, ऐसा प्रयास नहीं करना चाहिए. इससे जीवन संवर जाता है. किसी को खुशी देकर मिलने वाला सुकून करोड़ों की दौलत

शेष पेज 15 पर

सुभाषचंद्र जे. दुबे

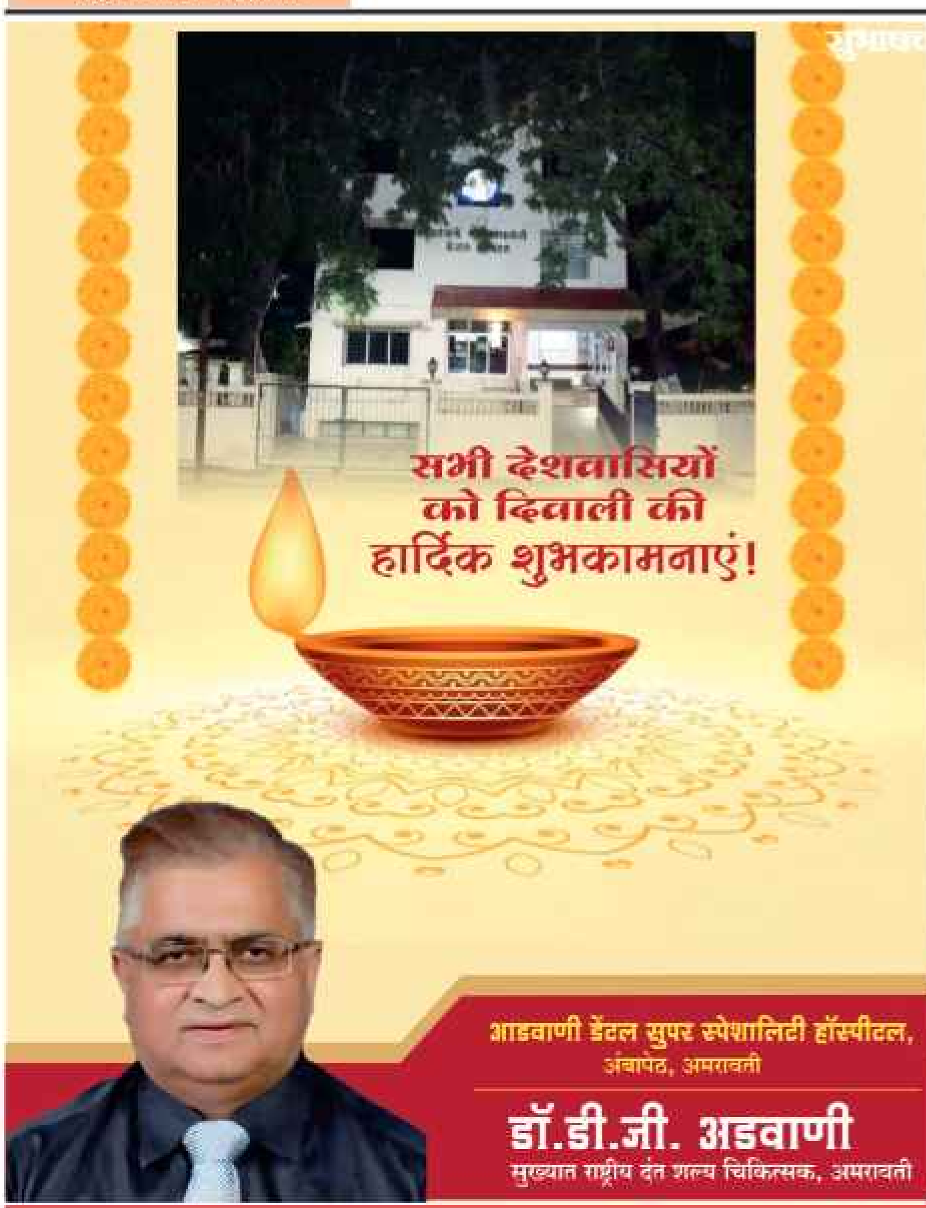

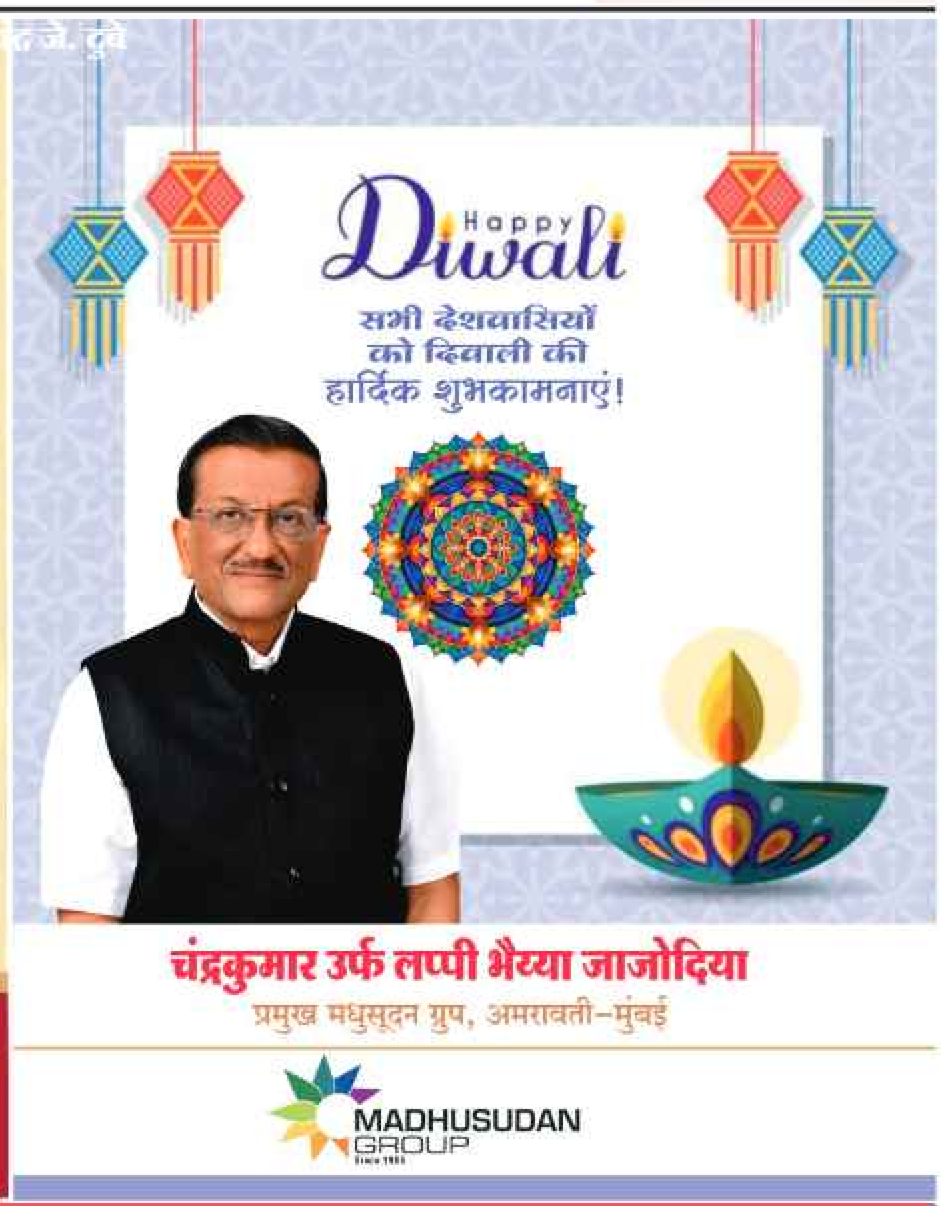

संपादकीय ......

उजाले से उजली जिंदगी की ओर बढ़ें

भारतीय संस्कृति और संस्कार विश्व में सभी के लिए कल्याण के साथ ही पूज्यनीय होते हैं. यहां के त्यौहार केवल त्यौहार नहीं बल्कि मानवता, प्रेम, त्याग, समर्पण का संदेश देते हैं. यही कारण है कि हर त्यौहार हर भारतीय के दिल में रहते हैं. दीपावली को त्यौहारों का राजा कहना गलत नहीं होगा. पांच दिनों तक होने वाला यह आयोजन हर भारतीय और विश्वस्तर पर मनाया जाता है. विदर्भ स्वाभिमान परिवार की सभी देशवासियों और विश्वभर में अपने कार्यों से भारत का नाम आलोकित करने वाले हर भारतीयों को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. यह पर्व त्याग की जहां सीख देता है, वहीं उजाले से उजले जीवन की ओर जाने की प्रेरणा देता है. दीपावली के दौरान देशभर में बाजार जहां गुलजार रहता है, वहीं इस त्यौहार के कारण हजारों लोगों को रोजगार भी मिलता है. मिट्टी के दीपक के साथ ही अन्य विभिन्न वस्तुओं से बाजार में कईयों को रोजगार का मौका मिलता है. हर चेहरे पर मुस्कराहट और खुशियां देने का काम यह पर्व करता है.

दीपावली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का उज्ज्वल प्रतीक है. यह वह क्षण है जब अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और निराशा पर आशा की विजय का संदेश हर घर-आंगन में झिलमिलाता है. दीयों की पंक्तियाँ हमें स्मरण कराती हैं कि चाहे जीवन कितना भी अंधकारमय क्यों न हो, एक छोटा दीप भी दिशा दिखा सकता है.आज के बदलते समाज में दीपावली का अर्थ केवल सजावट, पटाखों और खरीदारी तक सीमित नहीं रहना चाहिए. इस पर्व का वास्तविक संदेश है, मन का अंधकार मिटाना. जब हमारे भीतर ईर्ष्या, लोभ, क्रोध और अहंकार जैसे अंधेरे समाप्त होंगे, तभी जीवन में सच्चा प्रकाश फैलेगा.दीपावली का आर्थिक पक्ष भी महत्वपूर्ण है.

यह पर्व देश की अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा भरता है. अमरावती शहर में ही हजार करोड़ रूपए से अधिक का कारोबार हर क्षेत्र का होता होगा. व्यापारी वर्ग से लेकर मजदूर तक हर कोई इस मौसम में नई उम्मीदों के साथ कार्य करता है. लेकिन इसी के साथ हमें पर्यावरण की रक्षा का भी ध्यान रखना होगा. ध्वनि और वायु प्रदूषण से मुक्त, हरित दीपावली मनाना आज की आवश्यकता है. मिट्टी के दीये जलाएँ, स्थानीय उत्पादों को अपनाएँ और प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखें.दीपों का यह उत्सव सामाजिक समरसता का भी प्रतीक है. इस दिन हमें समाज के उन कोनों तक भी रोशनी पहुँचानी चाहिए जहाँ आज भी अंधकार है,गरीबों, वंचितों, वृद्धाश्रमों और अनाथालयों तक. सच्ची दीपावली वही होगी जब हर चेहरा मुस्कराए और हर जीवन में आशा का दीप प्रज्वलित हो.इस दीपोत्सव पर हम सब मिलकर संकल्प लें कि अपने भीतर और समाज में अच्छाई का दीप जलाएँ, नकारात्मकता को पीछे छोड़ें,और भारत को उजाले की उस राह पर ले जाएँ, जहाँ हर दिल में प्रेम, सद्भाव और प्रकाश बसे. साथ ही स्वदेशी वस्तुओं का ही इस्तेमाल करने तथा राष्ट्र को मजबूत बनाने का संकल्प लेना चाहिए.विदर्भ स्वाभिमान परिवार की अपने पाठकों,आजीवन सदस्यों, विज्ञापनदाताओं के साथ सभी को दीप पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं.

पृष्ठ १ से आगे

अगर बन सके तो निश्चित तौर पर दुनिया कभी भूलती नहीं है. तीनों ही विषयों को लेकर दीपावली विशेषांक प्रकाशित हुआ है.

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता उसका संयुक्त परिवार प्रणाली रही है. यह केवल साथ रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक पद्धति है. संयुक्त परिवार में प्रेम, सहयोग, त्याग, सेवा और परस्पर सम्मान की भावना स्वाभाविक रूप से पनपती है. जब एक ही छत के नीचे तीन पीढ़ियाँ रहती हैं, तो वहां अनुभव, शिक्षा और संस्कार का सुंदर संगम बनता है.संयुक्त परिवार का सीधा संबंध पर्यावरण संतुलन से भी जुड़ा है. जब कई सदस्य एक ही घर में साथ रहते हैं, तो संसाधनों का साझा उपयोग होता है.जैसे बिजली, पानी, ईंधन और भूमि का. इससे अनावश्यक खर्च और प्रदुषण दोनों घटते हैं. प्रकृति के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी का भाव परिवार से ही उत्पन्न होता है. परिवार में जहां सभी में सुरक्षा का भाव होता है, वहीं यह विश्वास भी होता है कि किसी तरह की दिक्कत आने के बाद उनके साथ पुरा परिवार है. एकता की ताकत यहां असंभव को भी संभव कर देती है. आज किशोर बिगड़ रहे हैं, इसमें संयुक्त परिवार का अभाव सबसे बड़ी भूमिका निभाता है. पहले पिता के इतना ही दबाव और डर चाचा-चाची,बड़े पिता का रहने के बाद कभी बच्चे गलत लाइन में नहीं जाते थे.

पर्यावरण संतुलन है जरूरी

जीवन में प्रकृति का कर्ज इंसान कभी नहीं फेड़ सकता है. लेकिन दुर्भाग्य कहें कि आज लेने की प्रवृत्ति वाला इंसान दिल खोलकर देने वाली प्रकृति के साथ मजाक करता है. कोरोना ने दो साल में लोगों को बहुत कुछ सिखाया था लेकिन इंसान इसे भी बहुत जल्दी भूल गया. बुजुर्गों की शिक्षा से बच्चे सीखते हैं कि पेड़ लगाना, जल बचाना और पशु-पक्षियों की रक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है. इस प्रकार, संयुक्त परिवार न केवल सामाजिक बंधन मजबुत करता है बल्कि पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी योगदान देता है. आनंद परिवार, जाजोदिया परिवार,हबलानी परिवार, पुरणलाल परिवार, दुबे परिवार, वैद्य परिवार सहित आज भी अमरावती में ऐसे संयुक्त परिवार हैं, जिनकी प्रगति, सामाजिक सेवा का भाव सभी के लिए यादगार बनता है. धन की चाह ने खुशियां छीन ली है और हार्टफेल होने को उपहार में दिया है. आज संयुक्त परिवार के अभाव में बच्चे संवेदनहीन हो रहे हैं और अपने परिवार तथा माता-पिता से आत्मीयता का संबंध खत्म हो रहा है. अपनी ही औलाद जब माता-पिता को वृद्धाश्रम में छोड़ती है तो इसके लिए केवल वही जिम्मेदार नहीं है बल्कि उसे दिए संस्कारों के लिए माता-पिता भी उतने ही जिम्मेदार होते हैं.

मानव सेवा से संतोष मिलता है

परिवार की एकता से तरक्की बढ़ती है, एकता से सम्पन्नता आती है. इसके बाद हर व्यक्ति को जरूरतमंदों के लिए कुछ करने का प्रयास करना चाहिए. निश्चित रूप से इससे तरक्की बढ़ती है. धर्म माफ करता है लेकिन कर्म कभी माफ नहीं करता है. इसलिए सदा अच्छा कर्म करने का प्रयास करना चाहिए. इसी परिवार में मानव सेवा का भी संस्कार जन्म लेता है. जब हम अपने बुजुर्गों, बीमारों और जरूरतमंदों की सेवा घर में करते हैं, तो समाज में भी दुसरों की सेवा करने का भाव उत्पन्न होता है. सेवा भावना का आरंभ घर से होता है, और वही आगे चलकर समाज में करूणा और एकता का रूप लेती है. बागबान फिल्म में जो सच्चाई दिखाई गयी है, वह कई परिवारों के लिए सबक हो सकती है लेकिन इसमें जिस अनाथ बच्चे आलोक को राज मल्होत्रा ने पढ़ाया लिखाया, उसके दिल में माता-पिता ही नहीं तो भगवान जैसा प्रेम इस बात का सबूत होता है कि हम जब किसी के लिए कुछ करते हैं तो एक्शन का रिएक्शन होता ही है. आलोक के प्रेम और उसकी भावनाओं को समझते हुए यह आसानी से समझा जा सकता है. अपने परिवार के लिए करने के साथ ही जीवन में किसी ऐसे को भी सहारा देने का प्रयास करें,जिसे आपकी छोटी सी मदद की जरूरत है. वह कभी जीवन में आपको नहीं भूलता है. सकारात्मकता में तमाम नकारात्मकता को खत्म करने की ताकत होती है. जरूरी है तो केवल उसे बढ़ाने में अपना योगदान देने की. निश्चित ही जीवन में आप जब अपनाने लगेंगे तो स्वयं यह बात दुसरों को बताएंगे, मैं तो कोरोना के बाद जब बचा तो जीने का अपना अंदाज बदल लिया है, आप भी बदल लें तो निश्चित ही बची जिंदगी खुशियों में ही बीतेगी, वर्ना स्वयं का पेट तो जानवर भी पाल लेते हैं. लेकिन मानव और उनमें कुछ अंतर अवश्य रहना चाहिए.

आज जब एकल परिवार बढ़ रहे हैं, तो न केवल पारिवारिक संबंध कमजोर हो रहे हैं, बल्कि स्वार्थ और उपभोक्तावाद के कारण पर्यावरणीय असंतुलन भी बढ़ा है. इसलिए आवश्यकता है कि हम संयुक्त परिवार की परंपरा को पुनर्जीवित करें, जिससे मानवता, प्रकृति और समाज तीनों का संतुलन बना रहे.

हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान यह पत्र मालिक, प्रकाशक, सम्पादक-सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे ने एस.बी. प्रिन्टर्स, गांधी चौक,जिला अमरावती (महाराष्ट्र)से मुद्रित कर प्रकाशित किया है. मुद्रक-श्री संदीप बागडे,एस.बी. प्रिन्टर्स, गांधी चौक,अमरावती.जिला अमरावती (महाराष्ट्र).प्रकाशन स्थल-साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती. (महाराष्ट्र) मुख्य सम्पादक-सुभाषचंद्र जे.दुबे (पी.आर.बी.कानून के अनुसार सर्वस्वी जवाबदार).मुख्य प्रबंधक- वीणा दुबे,(सभी विवाद अमरावती न्यायालय अंतर्गत)आर.एन.आई.रजिस्ट्रेशन नंबर MAHHIN/2010/43881
मोबाइल नं. -09423426199 8855019189/8208407139
E-Mail-vidarbh.swabhiman@gmail.com | www.vidarbhswabhiman

त्याग और उजाले का संदेश देती है दीपावली

संभागीय आयुक्त श्वेता सिंघल का प्रतिपादन, सभी को दी शुभकामनाएं

विदर्भ स्वाभिमान, २३ अक्टूबर अमरावती - दीपावली का त्योहार केवल त्यौहार ही नहीं बल्कि मानवता, प्रकाश का संदेश देने वाला पर्व है. जिस प्रकार कितना भी घना अंधेरा हो, एक दीपक उस अंधेरे को खत्म कर सकता है, इतना ही नहीं तो एक दीपक से लाखों दीपक जलाए जा सकते हैं, इसी तरह हमारा जीवन सभी के जीवन में खुशियों और प्रकाश देने वाला होना चाहिए. इस आशय का प्रतिपादन संभागीय आयुक्त और संवेदनशील अधिकारी डा.श्वेता सिंघल ने किया. उन्होंने दीपावली के पावन पर्व पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए सुख समृद्धि और बेहतरीन

स्वास्थ्य की कामना की. उनके मुताबिक मानवता की सेवा से बड़ी दूसरी सेवा नहीं हो सकती है.

दीपों का पर्व दिवाली केवल रोशनी का नहीं, बल्कि त्याग और सद्भावना का प्रतीक है.यह हमें सिखाती है कि जैसे दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है, वैसे ही हमें भी अपने स्वार्थ, अहंकार और अंधकारमय विचारों का त्याग कर समाज में उजाला फैलाना चाहिए. दिवाली का अर्थ केवल घरों को सजाना नहीं, बल्कि मन के अंधकार को मिटाना है.जब हम ईर्ष्या, क्रोध और लोभ को त्यागकर प्रेम, करुणा और सहयोग को अपनाते हैं, तभी सच्चे अर्थों में दिवाली मनाई जाती है. हर दीपक हमें यह प्रेरणा देता है कि बलिदान ही प्रकाश का आधार है.जो दूसरों के लिए जलता है, वही संसार को दिशा देता है. उनके मुताबिक इस दिवाली हम सब मिलकर संकल्प लें स्वार्थ का त्याग करें, मानवता का प्रकाश फैलाएं, ताकि हर हृदय में सच्ची दिवाली मन सके.

आदर्श समाजसेवी, धर्म योद्धा और राष्ट्र प्रेमी लप्पीभैया

अमरावती शहर का नाम सेवा के क्षेत्र में समूचे देश में चमकाने वाले जाने माने समाजसेवी, दानशूर चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया आसमानी बुलंदी छूने के बाद भी जमीन पर रहने वाले आदर्श समाज सेवी है. शहर ही नहीं तो समूचे महाराष्ट्र में जहां सैकड़ो श्रीमद् भागवत कथाओं के माध्यम से ग्राम स्तर पर युवाओं को व्यसन से मुक्त करने का बीड़ा उठाया है, वहीं गुरुजनों और संत जनों के प्रति उनके मन में अपार प्रेम रहता है. अमरावती मे अंतर्राष्ट्रीय कथाकार पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा के आयोजन में उनका योगदान है और स्वयं पंडित जी ने भी इसकी सराहना की. वैष्णव जन ते तेने कहिये जे पीर पराई जाने रे के सिध्दांत पर वह कार्य करते है. बिना किसी अपेक्षा के शहर के लिए सदैव करने का भाव रखने वाले चंद्रकुमार नाम के मुताबिक है जहां शालीन, सादगी पसंद और मानवता की सेवा के लिए सदा तत्पर रहते हैं, वहीं वे अमरावती में रहते समय उनके घर पर उमड़ने वाली भीड़ से किसी को भी लगता है कि वह विधायक अथवा सांसद होंगे. आत्महत्या करने वाले किसानों के बच्चों की शिक्षा की बात हो

अथवा परिवार पर आई विपदा के समय मदद की बात हो, सेवा भाव की यह योद्धा सदा तत्पर पर रहते हैं. माता-पिता के प्रति तथा संयुक्त परिवार में वह जहां विश्वास रखते हैं वहीं पर्यावरण संतुलन के क्षेत्र में भी जाजोदिया परिवार तथा मधुसूदन ग्रुप सदा अग्रणी रहता है. स्वर्गीय पिता मधुसूदन जाजोदिया की स्मृति में अमरावती में दंपति रक्तदान शिविर शु डियी करने और महिलाओं को भी रक्तदान के लिए प्रोत्साहित करने का श्रेय भी उन्हें ही जाता है. सर्वगुण संपन्न होने के बावजूद उनकी विनम्रता और शालीनता पहली मुलाकात में किसी को प्रभावित करती है. विदर्भ रत्न के साथ उद्योग रत्न सहित अभी तक दो दर्जन से अधिक पुरस्कार प्राप्त करने के बाद भी उनमें कभी अहम भाव नहीं रहता है. जीवन में धन दौलत सभी कमाते हैं लेकिन उनके जैसे बहुत कम लोग होते हैं जिनके मन में अपनी कमाई का हिस्सा समाज तथा राष्ट्र के लिए खर्च करने की भावना होती है. वह अमरावती के भूषण है, जिन्होंने पूरा जीवन समाज सेवा, धर्म सेवा और राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित किया है. विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत में अपने बचपन के किस्से को बताते हुए कहा था कि जीवन की अपनी पहली स्कॉलरशिप किसी जरूरतमंद को देने के बाद उन्हें अपार खुशी और सुकून मिला था, इसके बाद से प्रभु की कृपा से आर्थिक संपन्नता के बाद उन्होंने यह सिलसिला जारी रखा और जब तक प्रभु की इच्छा होगी तब तक यह सिलसिला चलता रहेगा.

दीपावली के पावन पर्व पर उन्होंने समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी का जीवन सुख, समृद्धि और उजाले के साथ ही स्वस्थ रहने की कामना की. उनके मुताबिक जाति-धर्म को भुलाते हुए प्रधानमंत्र नरेन्द्र मोदी, पतंजलि योगपीठ केप्रमुख स्वामी रामदेव सहित अन्यों द्वारा राष्ट्र निर्माण के लिए किए जाने वाले प्रयासों को साथ देकर सभी को राष्ट्र के लिए प्रयास करना चाहिए. दीपावली में सभी को खुशियां बांटने का संकल्प ले.

अर्चित जाजोदिया ने गोद लिया एकल विद्यालय

अमरावती:- सुविख्यात समाजसेवी और दानदाता लप्पीभैया जाजोदिया के छोटे पुत्र अर्चित ने भी पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए अपने जन्मदिन पर सेवा का जज्बा दिखाया। वनबंधु परिषद व्दारा चलाई जानेवाली

एकल विद्यालय को गोद लिया।गौरतलब है की वनबंधु परिषद् व्दारा मेलघाट के दुर्गम क्षेत्र में आदिवासियो के लिए एकल विद्यालय चलाता है। आदिवासियो को शिक्षा की मुख्यधारा में लाने का प्रमुख उद्देश्य है। अर्चित जाजोदिया ने अपने जन्मदिन के अवसर पर एकल विद्यालय गोद लेकर ३१ हजार का धनादेश वनबंधु परिषद को सौंपा। इस अवसर पर ओमप्रकाश नावंदर, सुमित प्रमुखता से उपस्थित थे।अर्चित जाजोदिया ने अपने जन्मदिन पर एकल विद्यालय को गोद लेने के साथ आगामी दिनो में ।। विद्यालय गोद लेने का संकल्प लिया है। इस अवसर पर शिव प्रतिष्ठान हिंदुस्थान के पदाधिकारियो ने अर्चित जाजोदिया का सत्कार कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

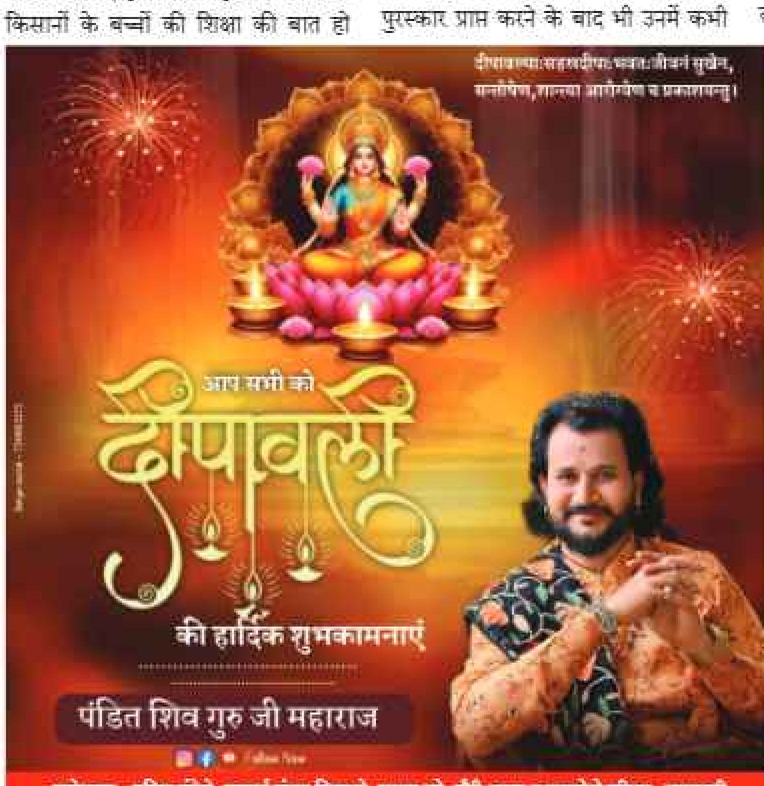

अमरावती जिले में राजनीति के नायक हैं रवि राणा

विदर्भ स्वाभिमान, २३ अक्तूबर

अमरावती- हर भारतीय के लिए दीपावली का पर्व जहां अपार खुशी का पर्व रहता है, वहीं राजनीतिक सफलता के बाद लोगों को भूलने वालों के इस दौर में आज भी विधायक रवि राणा, पूर्व सांसद नवनीत राणा जैसे नेता हैं, जिन्होंने अपना गठबंधन जनता से किया है. लाखों रूपए की मदद दीपावली पर बिना जाति-धर्म देखे करने वाले विधायक रवि राणा को अमरावती में जनता के दिलों में रहने वाले नायक कहना गलत नहीं होगा. बचपन में स्वयं संघर्षों से जूझने के कारण उन्होंने गरीबी और संघर्ष को करीबी से देखा है. यही कारण है कि उनके मन में जनता, गरीबों, दीन-दलितों, पीड़ितों के प्रति अपार प्रेम होता है. दोनों के कहना है कि जो लोग राष्ट्र को प्रथम स्थान पर रखते हैं, ऐसे लोगों के प्रति उनके मन में अपार प्रेम है. सहायता करते समय वह कभी जाति, धर्म नहीं देखते हैं. आज भी उनका यही क्रम शुरु डिग्री है. लेकिन उनके लिए महत्व नहीं रखती कास्ट, सबसे पहले रहना चाहिए सभी के लिए राष्ट्र. विधायक रवि राणा के मुताबिक जनता का अपार प्रेम जहां राणा दम्पति की

ताकत बनता है, वहीं जनता के आशिर्वाद से उन्हें बहुत कुछ मिला है, ऐसे में वे लौटाने का निरंतर प्रयास करते हैं. वे कहते हैं कि मानवता की सेवा की सीख उन्हें अपने माता-पिता तथा परिवार से मिली है. ऐसे में अपनी सम्पन्नता के सही हक्दार वे जनता के समझते हैं, जो तीन टर्म से लगातार उनमें अपार विश्वास जताती है. जनता के प्रति उनका यही प्रेम है कि बडनेरा में विधायकी का जहां रिकार्ड बना लिया है, वहीं दूसरी ओर आज भी आश्वासन समिति के अध्यक्ष के रूप में राज्यमंत्री के पद पर आसीन होकर उनकी विनम्रता हर मामले में अलग होती है. वे कहते हैं कि जनता ने अपार प्रेम और विश्वास दिया है. वर्ना बिना किसी राजनीतिक घराने के रहने के बाद भी विधायकी की हैट्रिक करना संभव नहीं है. वे कहते हैं कि जीवनभर भी जनता की सेवा करते रहें तो भी जनता के प्रेम तथा अपनेपन के कर्ज को उतार नहीं सकते हैं. उनके मुताबिक वे सदा जनता के कर्ज में रहना ही पसंद करते हैं.

माता-पिता के साथ बड़े भाई सुनील राणा को जहां अपनी ताकत मानते हैं, वहीं दूसरी ओर सुनील राणा सहित परिवार की एकता सबसे बड़ी ताकत है. वे कहते हैं कि जनता के साथ ही जिन कार्यकर्ताओं ने उन्हें बढ़ाने के लिए पूरा जीवन समर्पित किया, ऐसे पार्टी कार्यकर्ता उनकी सबसे बडी ताकत हैं. राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी में कमलकिशोर मालानी, अजय मोरय्या सहित पार्टी के हर कार्यकर्ता उनकी ताकत हैं. वे कहते हैं कि जनता ने अपार प्रेम दिया है, उसका कर्ज कभी नहीं उतार सकते हैं. ऐसे में जीवनभर जनता के प्रति विश्वास के रिश्ते को बढ़ाने के साथ ही उसे और मजबूत करने का काम करते रहेंगे. वे बचपन से ही संवेदनशील रहने के कारण किसी भी पीड़ित को देखकर भावुक हो जाते हैं. राजनीति में रहकर भी मानवता की सेवा को अत्याधिक महत्व देने वाले लोकप्रिय नेता हैं. जीवन में मेरे पर माता-पिता का आशिर्वाद, प्रभु की कृपा और जनता का अपार प्रेम रहा है. इसका मैं शब्दों में बखान नहीं कर सकता हूं. मैं किसी प्रतिष्ठित राजनीतिक घराने से भी नहीं जुड़ा हूं लेकिन मुझे मेरी जनता का प्यार सबसे अधिक मिला है. यही कारण है कि बडनेरा में जीत का हेट्रिक किया है.

मैंने सदैव सभी को साथ लेकर काम करने का काम किया है. इतना ही नहीं तो राजनीति में आने से पहले भी मेरा जीवन सामाजिक कामों के लिए सदैव समर्पित रहता है. मैं दिल में कुछ नहीं रखता है, लेकिन मेरे दिल में कभी किसी के प्रति गलत भावना भी नहीं रहती है. जनता का प्यार मेरे लिए सदैव सर्वोच्च रहा है. इन शब्दों में बडनेरा में जीत की हैट्रिक का रिकार्ड बनाने वाले विधायक रवि राणा ने किया. उनके मुताबिक स्पष्टता उनकी खूबी है. उन्हें घुमा-फिराकर बोलना नहीं आता है. यही कारण है कि कईयों को उनकी बोल अच्छी नहीं लगती है. जनता के प्यार से ही उन्हें सब कुछ मिला है, ऐसे में उनके लिए जनता ही सबसे पहले होती है. जनता का प्यार जितना उन्हें मिला, उतना आज तक बडनेरा विधानसभा क्षेत्र में किसी को नहीं मिला है.

शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी

प्राचार्य मनीषा संगर की मौलिक सलाह

अमरावती-सफलतम जीवन के लिए शिक्षा और संस्कार अत्यधिक जरूरी होता है. शिक्षा हमें ज्ञानी बन सकती है लेकिन संस्कार हमें अच्छा इंसान बनते हैं. अच्छा इंसान बनने के बाद निश्चित तौर पर जीवन में सब तरफ सफलता और सम्मान मिलता है. बच्चों को शिक्षा स्कूल में मिल सकती है लेकिन संस्कार घर से ही मिलते हैं. शिक्षा के इतना ही महत्व जीवन में संस्कारों का होता है, इस आशय का मत पोदार इंटरनेशनल स्कूल कठोरा नाका की प्राचार्य मनीषा संगर ने किया.

विदर्भ स्वाभिमान के दिवाली विशेषांक को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि इस अखबार के माध्यम से जिस तरह से सकारात्मक पत्रकारिता की जाती है आज के दौर में इस तरह की पत्रकारिता न केवल मुश्किल बल्कि दुर्लभ है. उनके मुताबिक पोदार इंटरनेशनल स्कूल शिक्षा के साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए कार्य करता है. दीपावली के पावन पर्व पर उन्होंने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी. आज के आधुनिक युग में शिक्षा का महत्व तो सभी समझते हैं, लेकिन यदि शिक्षा के साथ संस्कार न हों तो वह अधूरी मानी जाती है. केवल ज्ञान प्राप्त कर लेना ही मनुष्य को महान नहीं बनाता, बल्कि उस ज्ञान का सही उपयोग करना और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना ही सच्ची शिक्षा कहलाती है. छात्रों के जीवन को संवारने में सदा अग्रणी रहने वाली प्राचार्य मनीषा संगर ने कहा कि घर पहला विद्यालय है और माता-पिता पहले गुरु. बच्चों में संस्कार बचपन से ही रोपे जाने चाहिए। विद्यालय में शिक्षकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है-वे केवल विषय नहीं सिखाते, बल्कि बच्चों को आदर्श नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं.

सही मार्गदर्शन से टल सकती है आत्महत्या

मानसोपचार विशेषज्ञ डॉ.लक्ष्मीकांत राठी ने कहा, मानसोपचार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में अमरावती का बढ़ाया सम्मान

विदर्भ स्वाभिमान,23 अक्तूबर

वर्तमान समय में तनावपूर्ण जीवन में छोटी-मोटी बात को लेकर लोगों द्वारा विशेष रूप से युवा पीढ़ी द्वारा आत्महत्या जैसा कदम उठाया जाता है. यह मानसोपचार संबंधी समस्या होती है. ऐसे में अगर किसी का मार्गदर्शन मिल जाए तो इस तरह की स्थिति से बच सकते हैं. मानसोपचार का विषय अत्याधिक महत्वपूर्ण विषय होता जा रहा है. इसके महत्व को समझने से जीवन की कई समस्याओं का निराकरण भी हो सकता है. इस आशय का प्रतिपादन राष्ट्रीय मानसोपचार विशेषज्ञ संगठन के अध्यक्ष और सेवाभावी संगठन के लायन्स के भीष्म पितामह के रूप में स्थान रखने वाले डॉ.लक्ष्मीकांत राठी ने किया. विदर्भ स्वाभिमान के संयुक्त परिवार-पर्यावरण संतुलन तथा मानव सेवा की थीम पर आधारित दीपावली विशेषांक को उन्होंने शुभकामनाएं दी. नाचते समय हार्ट फेल हो जाना, खेलते समय मौत सहित कई चौकाने वाली घटनाएं हो रही हैं. इन सभी के लिए मानसिक तनाव जिम्मेदार होता है. लेकिन इसे हल्के में लिया जाता है. स्वास्थ्य का सबसे बड़ा दुश्मन मानसिक तनाव होता है. लेकिन इसे मेंटल समझकर लोगों द्वारा समुचित जगह पर जाने और इलाज के अभाव में यह बढ़ता है. इसलिए मानसिक तनाव को समय रहते विशेषज्ञों के पास जाकर रोकने का प्रयास करना चाहिए. बेहतरीन स्वास्थ्य के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण होता है, इस आशय का प्रतिपादन राष्ट्रीय मानसोपचार विशेषज्ञ संगठन के अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत गोवर्धनदास राठी ने किया.

विदर्भ स्वाभिमान को दिए गए साक्षात्कार में डॉ. राठी ने बढ़ती आत्महत्याओं, युवाओं में गुस्सा होने के साथ ही अन्य कई परेशानियां व्यक्ति का स्वास्थ्य बिगाड़ती हैं. स्वस्थ मन ही स्वस्थ शरीर का कारक रहता है. हेल्दी माईंड इन हेल्दी बॉडी का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने से सफलता मिलती है. सफलता या मुकाम हासिलि करने के बाद प्राथमिकता तय करते हुए काम करना चाहिए. मेहनत से हासिल सफलता उर्जा देती है.

संयुक्त परिवार होता महत्वपूर्ण

लायंस के अमरावती के भीष्म पितामह कहे जाने वाले डॉ. लक्ष्मीकांत राठी ने कहा कि कोरोना ने लोगों को स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया है. बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी शिकायत पर उन्होंने कहा कि आज संयुक्त परिवार नहीं है. हम दो,हमारे दो के कारण बच्चों को समुचित संस्कार नहीं मिल पाते हैं. माता-पिता काम पर रहने के बाद बच्चों का साथी मोबाइल,टीवी रहता है. उनके सवालों का जवाब देने की फुर्सत भी माता-पिता में नहीं रहने वाली स्थिति है. बालमन कोमल होता है, वे जैसा देखते हैं, स्वयं को उसमें ढालने का प्रयास करते हैं. आज अमीर क्या, गरीब क्या, सभी तनाव में जी रहे हैं, यही बीमारियों का सबसे बड़ा कारण है. लोगों की ड्राइंग रूम की जिंदगी अलग और बाहरी जिंदगी पूरी तरह से अलग है. नींद में कमी को बीमारी की दस्तक बताते हुए इसका समय रहते मानसोपचार विशेषज्ञ से कारण और निवारण करने की सलाह देते हैं.तनाव जिंदगी की परछाई बन गई है. उन्होंने स्पष्ट किया कि मानसिक बीमारी को लोग पागलपन मानते हैं. जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है. दोनों अलग-अलग बाते हैं. लेकिन इसका पता नहीं चलने से गलत इलाज से समस्या बढ़ती है. डिप्रेशन सभी छिपाने का प्रयास करते हैं. दिल का दौरा पड़ने पर सभी को बताते हैं लेकिन डिप्रेशन की तकलीफ से ठीक होने का जिक्र तक नहीं किया जाता है. इसके लिए जागरूकता का अभाव है. मस्तिष्क में कुछ रासायनिक तत्व कम होने से भी डिप्रेशन तथा दिमाग संबंधी परेशानी होती है. इसका उपचार समय पर जरूरी होता है. वर्ना सिजोफेनिया होता है. आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ने में डिप्रेशन ही जिम्मेदार रहने की बात कही. बायोपोलर डिस्आर्डर भी इसके लिए जरूरी है. ऐसी स्थिति के लिए लोगों से आगे आने का आग्रह उन्होंने किया. उनके मुताबिक उन्हें मेंटल हेल्थ शब्द पर एतराज है. इसे माइंड हेल्थ, सायकोलॉजिकल हेल्थ कहा जाना चाहिए. वैसे भी डिग्री उन्हें एमडी इन सायकोलॉजिकल में मिली है.

दिलदार समाजसेवी, राजा माणुस थे डी.के. सिंह

विदर्भ स्वाभिमान की आदरांजलि

आए हैं सो जाएंगे राजा रंक फकीर, एक सिंहासन चढ़ि चले, एक बंधे जंजीर. जीवन में जिसने जन्म लिया है उसका मारना अटल है. लेकिन जन्म से लेकर दुनिया से विदा होने तक हमारे कर्म हमें अच्छा या बुरा बनाते हैं और दुनिया भी अच्छे लोगों को कभी भूलते नहीं और जिन्होंने जीवन में किसी को तकलीफ दी है ऐसे लोगों को जाने के बाद भी माफ नहीं करती. दुष्यंत कुमार सिंह उर्फ डीके सिंह जहां यारों के दिलदार यार थे, वहीं सफल व्यवसायी के साथ समाजसेवी, गरीब तथा जरूरतमंद की मदद करने के लिए सदा तत्पर रहने वाले व्यक्ति थे. न्यू सांगानी नगर निवासी डी.के.सिंह स्पष्ट व्यक्ति थे वहीं आदर्श परिवार प्रमुख कैसा होना चाहिए, यह उनसे सीखने लायक है. मेरे जीवन में जहां भी बड़े भाई के रूप में उनकी जरूरत पड़ी होगी, मेरा यह दिलदार भाई सदा मेरे पीछे खड़ा रहा. उनकी अपार लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है उनकी अंतिम यात्रा में हजारों लोग शामिल थे और सभी की आंखें नम थी. धन दौलत कोई भी कमा सकता है लेकिन लोगों का यह अपार प्रेम किसी राजा व्यक्ति को ही मिलता है. डीके सिंह आज खुलेगी हमारे बीच नहीं है लेकिन आदर्श परिवार प्रमुख, आदर्श मित्र, आदर्श पति, आदर्श पिता तथा सभी को साथ लेकर चने और किसी की खुशी में खुश होने और दुख में नाराज होने का उनका स्वभाव सदा याद किया जाएगा. प्रभु उनकी दिव्य आत्मा को मोक्ष प्रदान करें हम सभी मित्रों की ओर से प्रभु चरणों में हम यही कामना करते हैं.विदर्भ स्वाभिमान परिवार विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है और डीके सिंह अपने कार्यों के चलते अमर रहेंगे, यह विश्वास प्रभु के चरणों में व्यक्त करता है.सेवाभाव वह अमूल्य गुण है जो किसी व्यक्ति को महानता की ओर ले जाता है.समाजसेवा केवल कार्य नहीं, बल्कि एक जीवन दर्शन है – जिसमें दूसरों के दुःख को अपना समझकर, उनके कल्याण के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य किया जाता है.आदर्श सेवाभावी समाजसेवी वह होता है जो अपने स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए कार्य करते थे. वह गरीब, पीड़ित, असहाय, और वंचितों की सेवा को ही अपनी सच्ची पूजा मानता है.उनके कार्य का उद्देश्य किसी प्रकार का लाभ नहीं, बल्कि केवल समाज का हित होता है.जाति, धर्म, भाषा या वर्गभेद से ऊपर उठकर सभी के साथ समान व्यवहार करते थे. आदर्श सेवाभावी समाजसेवी डी.के.सिंह समाज के लिए एक दीपक के समान थे. जो स्वयं जलकर दूसरों के जीवन में प्रकाश फैलाते रहे.उनके कार्य मानवता को जीवंत रखते हैं और समाज में एक नई ऊर्जा, नई दिशा और नई प्रेरणा भरते है.

डी.के.सिंह का स्वर्गवास

अमरावती-शहर के प्रसिद्ध व्यवसायी, डीके इंजीनियर और कान्ट्रेक्टर के संचालक, ओम महेश्वर मंदिर के अध्यक्ष/ दुष्यंत कुमार सिंह उर्फ डी.के.सिंह का मंगलवार को स्वर्गवास हो गया.वे ५९ वर्ष के थे.

मानवता की सेवा को प्रभु सेवा मानने वाले डी.के. सिंह के देहांत से क्षेत्र में शोक व्याप्त है. न्यू सांगानी नगर स्थित उनके निवास से बुधवार को सुबह १०:३० बजे अंतिम यात्रा निकली और हिंदू स्मशान भूमि में अत्यंत शोकाकुल माहौल में उन पर अंतिम संस्कार किया गया. उनके पश्चात तीन भाई, पत्नी, पुत्र आकाश, पुत्री निशा सहित भरापूरा परिवार शोकाकुल छोड़ गए हैं.

सेवाभावी, शिक्षा सेवी, छात्र हितैषी प्राचार्य

अभी तक सैकड़ों पुरस्कारों से जिन्हें नवाजा गया

जीवन में शिक्षक या प्राचार्य को देश का सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी. व्यवसायिकता के इस दौर में आज शिक्षा भी जहां व्यापार बन गई है,वहीं आज भी कई ऐसे प्राचार्य हैं जो छात्रों का जीवन संवार कर राष्ट्र निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने का कार्य कर रहे हैं. इंदौर पोदार इंटरनेशनल विद्यालय के प्राचार्य सुधीर महाजन ऐसे ही एक आदर्श व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने करोड़ों रुपए कमाने के कई ऑफर ठुकराते हुए शिक्षा सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण कार्य में अपना योगदान देने का फैसला किया और आज लाखों छात्रों का जीवन संवारने में योगदान दे रहे हैं.

शिक्षा के क्षेत्र में पूरी तरह से समर्पित रहने के कारण उन्हें अभी तक राज्य स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक के कई पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं. विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता पहले से ही है. जिस तरह सकारात्मक सोच के साथ किया गया कोई भी कार्य सदा सफलता देता है,इसी तरह जब हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी का बेहतरीन तरीके से निर्वहन करता है तो निश्चित तौर पर इसका लाभ परिवार से लेकर राष्ट्र तक होता है. हम पर जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, अगर हम उस जिम्मेदारी का सही तरीके से निर्वहन करें तो निश्चित तौर पर हमें मान सम्मान के साथ समाज तथा राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देने का मौका मिलेगा और इसका संतोष भी मिलेगा. माता-पिता और संयुक्त परिवार खुशी का आधार होते हैं. लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि आज संस्कारों के अभाव में कई बार परिवार बिखर जाते हैं. परिवार में अगर एकता है तो वह सबसे बड़ी ताकत बनती है और परिवारों की ताकत मिलकर समाज मजबूत होता है और समाज से राष्ट्र मजबूत होता है.

कम से कम अपेक्षा रखें

जीवन में सुख का सबसे बड़ा कारण किसी से अपेक्षा नहीं रखना होता है. जब हम अपेक्षा रखते हैं और उसकी पूर्ति नहीं होती तो दुख होता है लेकिन अगर हम अपेक्षा ही नहीं रखें तो दुख होने का कारण ही नहीं होता है. सम्मान, ज्ञान, सत्कर्म हमेशा बढ़कर मिलता है जबकि स्वार्थ, गलत स्वभाव अपनों की भी नजरों से उतार देता है. जीवन में अगर हम किसी को कुछ नहीं दे सकते हैं कम से कम हमारे शब्दों से उस व्यक्ति को खुशी अवश्य दे सकते हैं.

पहल है सराहनीय

विदर्भ स्वाभिमान द्वारा इस बार दीपावली की थीम संयुक्त परिवार-पर्यावरण संतुलन-मानव सेवा रखे जाने की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में दुख का कारण धन दौलत नहीं बल्कि एक दूसरे को समझने में असफलता है. संयुक्त परिवार जहां खुशी का अपार माध्यम होता है वहीं दूसरी ओर इसके कारण परिवार की प्रगति और तरक्की सुनिश्चित होती है. पर्यावरण संतुलन समय की जरूरत है आज जिस तरह से बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं और युवाओं की मानसिकता पर असर हो रहा है, उसके चलते पर्यावरण संतुलन को गंभीरता से लेना जरूरी हो गया है. हर व्यक्ति को मानवता की सेवा में अपना योगदान देने का प्रयास करना चाहिए. अपने लिए जिए तो क्या जिए, जीवन तो तभी सार्थक होता है जब हम स्वयं के साथ किसी पीड़ित के लिए भी जीने का प्रयास करें.

विद्यालय के प्राचार्य यदि सेवाभावी हों, तो वे शिक्षा को केवल पेशा नहीं, बल्कि एक सेवा के रूप में निभाते हैं. जब वे शिक्षा सेवी बनते हैं, तो उनका हर प्रयास विद्यार्थियों के ज्ञान, संस्कार और व्यक्तित्व विकास के लिए समर्पित होता है.प्राचार्य सुधीर महाजन ऐसे ही आदर्श प्राचार्य हैं, जिन्होंने अपने कार्यों से अमरावती पोदार इंटरनेशनल विद्यालय को कामयाबी की बुलंदी पर पहुंचाने के बाद इंदौर पोदार इंटरनेशनल विद्यालय को शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्रदान करने का संकल्प लिया है और इस दिशा में तेजी से प्रयास कर रहे हैं.उनका नेतृत्व विद्यालय को नई दिशा देता है, शिक्षकों में प्रेरणा और छात्रों में आत्मविश्वास भरता है. दीपावली के पावन पर्व पर उन्होंने समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है और सभी का जीवन खुशियों से भरा रहने की कामना की है.

एकता की ताकत को समझना होगा

संयुक्त परिवार होता है खुशियों का भंडार - संजय छांगानी

अमरावती-वर्तमान दौर में एकता का महत्व लोग नहीं समझ पा रहे हैं. संयुक्त परिवार जहां एकता की ताकत का प्रतीक होता है वहीं एकता के कारण संपन्नता जहां पड़ती है वही अपार खुशियों के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रहती है. परिवार की एकता, समाज की एकता से राष्ट्रीय एकता बढ़ती है. संयुक्त परिवार जहां सभी को सुरक्षा की गारंटी देता है वही बड़ी से बड़ी मुसीबत आने के बाद आसानी से निपटने में सफलता प्राप्त करता है. समाज की एकता होने पर कई समस्याएं हल हो जाती हैं. इसलिए सदा एक रहे और नेक रहें के सिद्धांत पर चलते हुए स्वयं की प्रगति के साथ समाज की प्रगति के लिए सहयोग देने का प्रयास करें. इस आशय का मत युवा समाजसेवी, पुष्करणा ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष संजय छांगाणी ने व्यक्त किया.

विदर्भ स्वाभिमान के दीपावली विशेषांक को दिए गए साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि वर्तमान में समाज की ताकत तभी बढ़ सकती है जब संयुक्त परिवार के माध्यम से परिवार में एकता हो और सभी परिवार में मिलकर समाज की एकता में योगदान दें. ब्राह्मण समाज की एकता के लिए सदा प्रयास करने वाले संजय छांगानी ने बताया कि परिवार की एकता का संकल्प हर सदस्य को लेते हुए निर्मल मन से परिवार की प्रगति के लिए प्रयास करना चाहिए और अन्य को भी प्रेरित करना चाहिए. संयुक्त परिवार भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता है.यहाँ केवल लोग साथ नहीं रहते, बल्कि भावनाएँ, संस्कार और अपनापन एक सूत्र में बंधे होते हैं. संयुक्त परिवार में दादा-दादी का अनुभव, माता-पिता का स्नेह, और बच्चों की चंचलता - सभी मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाते हैं जहाँ हर दिन उत्सव जैसा लगता है. आज पारिवारिक खुशियां गायब होने के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो रही है. एकता से यह समस्या दूर की जा सकती है.

ऐसे परिवारों में त्याग, सहयोग और प्रेम की भावना बच्चों को जीवन के सच्चे मूल्य सिखाती है.जब हर सदस्य दूसरों की खुशी में अपनी खुशी ढूंढता है, तब परिवार सच में खुशियों का संसार बन जाता है.संयुक्त परिवार में रहते हुए व्यक्ति सुरक्षा, सहारा और स्नेह-तीनों का अनुभव करता है.यही कारण है कि कहा जाता है. संयुक्त परिवार खुशियों का अपार भंडार है, जहाँ दिल मिलते हैं और रिश्ते संवरते हैं.

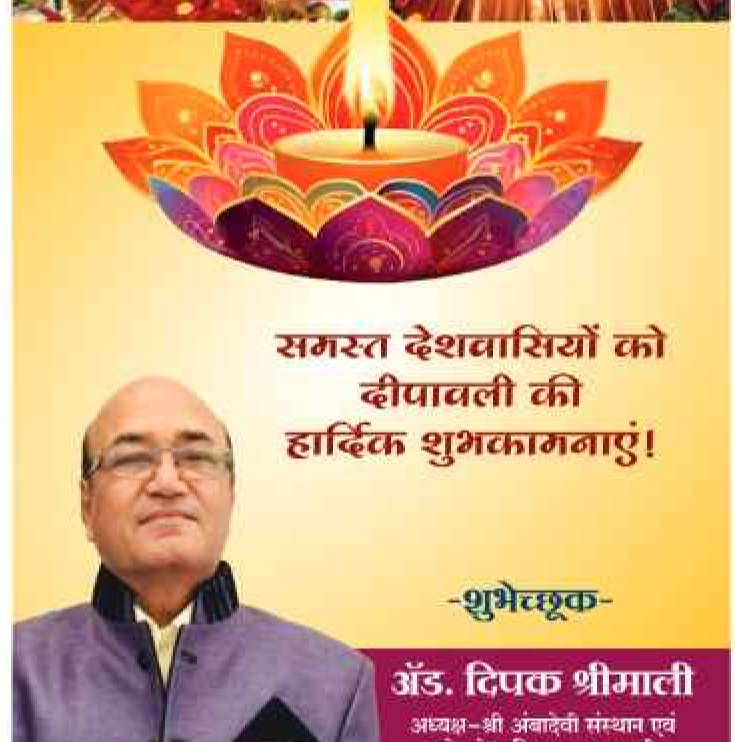

त्याग और खुशियों का पर्व है दिपावली : डा.डांगे

अपने लिए जिए तो क्या जिए, मानव जीवन सदैव दूसरों के लिए जीना चाहिए. सबसे करीबी साथी स्वास्थ्य होता है. यह अच्छा रहने के बाद ही धन-दौलत का हम उपयोग कर पाते हैं. ऐसे में हमें स्वयं स्वस्थ रहते हुए समाज तथा राष्ट्र के विकास में भी परमार्थ के माध्यम से योगदान देना चाहिए. यही हमारे जीवन को अमर बनाने का काम करता है. अपने लिए तो पेटभर कर जानवर

भी जी लेते हैं. लेकिन परमात्मा ने हमें इन्सान बनाया है. साथ ही हर शास्त्र संदेश देते हैं कि हमें भी खुश रहना चाहिए और जिन्हें खुशियां नहीं मिल पाती हैं, उन्हें भी खुश रखने का प्रयास करना चाहिए.

कोरोना महामारी के दौरान योग के माध्यम से लाखों जिंदगियां बचाने वाले तथा कई देशों में योग की ऑनलाइन कक्षाएं लेने वाले उच्च विद्याविभूषित डॉ. डांगे अमरावती के जहां गौरव हैं, वहीं कार्यक्रम संचालक के साथ ही कई सेवाभावी संगठनों से जुड़कर सामाजिक कामों में भी अग्रणी रहते हैं. उनके मुताबिक दीपावली त्याग का संदेश देने वाला पर्व है. यह हमारी खुशियों के साथ ही अन्यों की खुशियों की प्रेरणा देता है. जिस तरह दीपक स्वयं जलता है लेकिन औरों को रोशनी देता है, उसी तरह हमें भी परमार्थ को जीवन का लक्ष्य बनाते हुए जितना संभव हो, नेक काम करना चाहिए. खुशियां बांटने वालों की खुशी परमात्मा कभी कम नहीं होने देते हैं. दीपावली पर उन्होंने सभी को स्वस्थ, मस्त जीवन की शुभकामनाएं दी. साथ ही कामना की कि सभी की मनोकामनाएं पूरी हों. मेहनत, लगन और समर्पण को महत्व देने वाले डॉ. डांगे कहते हैं कि धनदौलत ही जीवन में सब कुछ नहीं हो सकती हैं. इन्सान को इसका सदैव ध्यान देना चाहिए.

विनम्रता, शालीनता, आत्मीयता संवारती है परिवार

वरदान–बडनेरा के प्रोफेसर कॉलोनी निवासी ६८ वर्षीय सुदर्शन पुखराजजी गांग का कहना है कि कठिन से कठिन स्थिति में भी परिवार के सदस्यों की आत्मीयता खुशी का माध्यम बनती है।

बडनेरा. संपत्ती का संबंध खुशियों से कदापि नहीं हो सकता है. संपत्ती श्रेष्ठ है लेकिन वह सर्वश्रेष्ठ कभी नहीं हो सकती है.

कर्तव्य परायणता,स्वभाव की विनम्रता के साथ ही अपनत्व और अनुशासन ही परिवार का भूषण होता है. जिस परिवार में यह स्थिति होती है, वहीं सही मायने में आनंद होता हैं. स्वभाव की शालीनता और विनम्रता से सब कुछ जीता जा सकता है. यह कहना है सुदर्शन गांग का. उनके मुताबिक परिवार और मित्र परिवार से बढ़कर खुशी कहीं नहीं हो सकती है.

किशोरावस्था में पिता का साया हटने के बाद मातोश्री सुगनीबाई गांग द्वारा संभालने और बडे भाई सुगनचंदजी एवम धरमचंदजी द्वारा परिवार को विकास की दिशा में अग्रसर करने की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि छोटे भाईयों के साथ ही बहनों की जिम्मेदारी का निर्वहन उन्होंने दायीत्व निभाया.

निजी कामकाज से असरकारी विद्यालय की नौकरी और अरुणकुमार कडू तथा प्रदीपकुमार जैन इनके साथ मिलकर व्यावसायिक आनंद प्रतिष्ठानो की स्थापना के साथ इन सभी क्षेत्र में कामयाबी का सफर तय किया एव जीवन के सफर कई हमसफर बनाये.

परिवार में उच्च शिक्षित बेटे तथा बेटिया और बहुये हैं। उनका कहना है कि जो भी काम करें, उसे लगन के साथ समर्पित होकर करना चाहिए साथ ही शतप्रतिशत परिश्रम भी करना चाहिए.

प्रोफेसर कॉलोनी में छोटे भाई जवाहर एव मनोज गांग के साथ बेटे,बेटियों और बहूओ को मिलकर साथ तीन पीढ़ी एक छत के नीचे यहां पर साथ साथ रहती है. उनका कहना है कि परिवार में हंसी–खुशी रहने पर सफलता स्वयं ही आती है. गांग परिवार में अपार स्नेह और परस्पर विश्वास है. रक्षाबंधन के दिन सामुहिक रक्षाबंधन सभी भाई,बहनो के साथ संपन्न होता है, इसमें सभी भाई, बहनें और बच्चे साथ होते हैं. यह आयोजन सभी को सालभर की उर्जा देने का काम करता है, परिवार का हर सदस्य इसका इंतजार करता है.

परिवार की एकता के साथ ही समाज, राष्ट्र के लिए भी हर व्यक्ति को अपना योगदान देने का निश्चित प्रयास करना चाहिए. सकारात्मक सुकर्म के साथ ही प्रभु और प्रकृति में आस्था रखते हुए जो भी जिम्मेदारी मिले उसे बेहतरीन तरीके से निभाने का प्रयास करने की सीख वे देते हैं. उनका मानना है कि जो बात किताबें नहीं सिखा सकती हैं, वह ज्ञान हमें समय और स्थितियां प्रदान कर देती हैं।सयुक्त परिवार मे रहने की अपनी सुरक्षा और आनंद होता है.

आदर्श समाजसेवी, भक्ति सेवा में अग्रणी सभी के चहेते हैं कमलकिशोर मालानी

अमरावती– अमरावती में धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र के साथ राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय रहने वाले कमल किशोर मालानी हरदिल अज़ीज़ व्यक्ति हैं. सेवा भावना जहां कूट–कूट कर भरी है वहीं बिना किसी तरह का शोर शराबा किए जरूरतमंदों की मदद के लिए भी सक्रिय रहते हैं. भक्ति सागर सेवा समिति के प्रमुख के अलावा दर्जन भारत से अधिक संगठनों के पदाधिकारी हैं. विनम्रता और उनकी सादगी किसी को भी प्रभावित करती है. दीपावली को त्याग का पर्व बताते हुए उन्होंने गरीबों और जरूरतमंदों को भी खुशियां बांटने में योगदान देने का आग्रह किया. जिस तरह दीपक स्वयं चलता है लेकिन लोगों को प्रकाश देता है, इस तरह समाज के हर व्यक्ति अपने अलावा अन्य को भी ख़ुशी देने का प्रयास करना चाहिए.

आदर्श समाजसेवी वह होता है जो निस्वार्थ भाव से समाज के उत्थान के लिए कार्य करता है.उनका जीवन दूसरों की भलाई में समर्पित है. वह जाति, धर्म, भाषा या वर्ग का भेदभाव नहीं करता, बल्कि सबको समान दृष्टि से देखता है.

आदर्श समाजसेवी कमल किशोर मालानी का मुख्य उद्देश्य समाज में प्रेम, एकता, सहयोग और सेवा की भावना जागृत करना होता है. वह गरीबों, असहायों, बीमारों और वंचितों की सहायता करता है.समाज की समस्याओं जैसे–अशिक्षा, बेरोजगारी, नशाखोरी, महिला अत्याचार और पर्यावरण प्रदूषण को मिटाने के लिए वह निरंतर प्रयासरत रहते है.वह अपने कार्यों से लोगों में जागरूकता फैलाता है, शिक्षा, स्वच्छता और स्वास्थ्य अभियानों में बढ़–चढ़कर भाग लेता है. उसके व्यक्तित्व में त्याग, करुणा, सहनशीलता, और दृढ़ निश्चय जैसी गुण होते हैं.वे कहते हैं कि आदर्श समाजसेवी वही है जो दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझे और अपने कर्मों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प ले. ऐसा व्यक्ति सच्चे अर्थों में मानवता का उपासक और राष्ट्र का गौरव होता है.

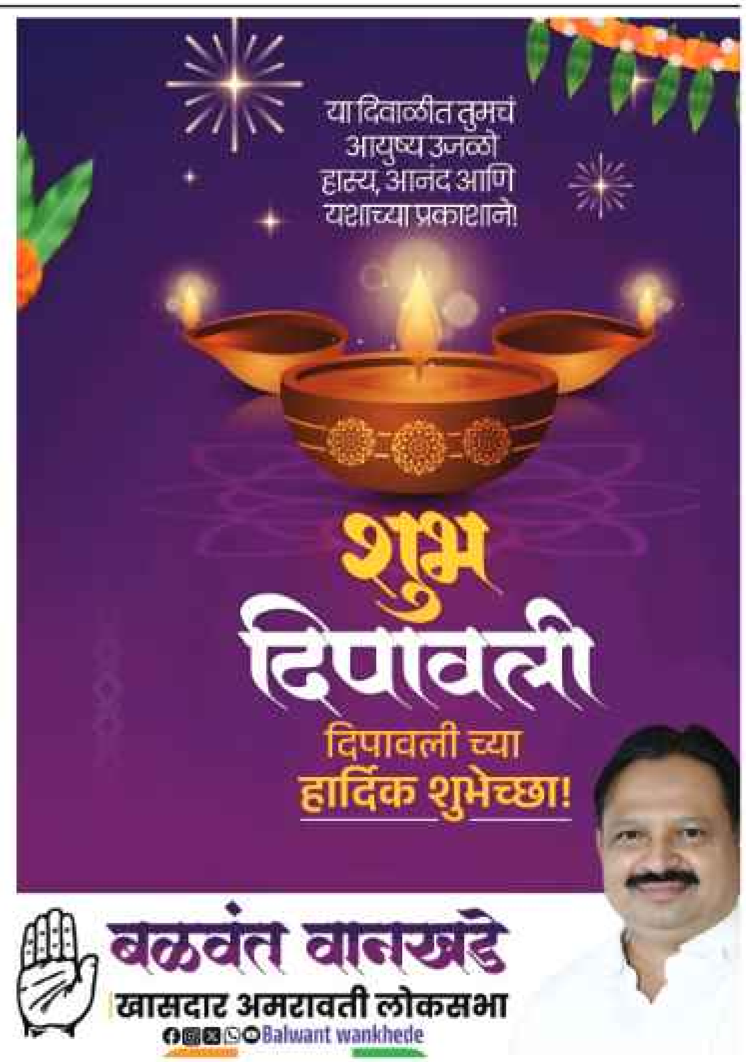

आदर्श अय्यर दम्पति, जिनसे मिलती है प्रेरणा

वर्तमान समय में दाम्पत्य जीवन को लेकर अधिकांश घरों में तनाव की स्थिति होती है, इससे घर की शांति भंग होती है. इस दौर में आज भी चुनिंदा ऐसे दंपति है जिनका पूरा जीवन त्याग और समर्पण के साथ लोगों को खुशियां बांटने में जा रहा है. वे अपने दुख भूल कर सदा दूसरों के चेहरे पर अपनेपन, प्रेम और आत्मीयता से खुशियां देते हैं. कुछ इसी तरह के दंपति के रूप में गौरी गणेश अय्यर का उल्लेख किया जा सकता है.

यह दोनों ही जहां प्रेम और ममता की मूरत हैं, वही उनके साथ कुछ पल बिताना अपार खुशी और सुकून देता है. गौरी अय्यर जहां आदर्श महिला है और शिक्षिका तथा अंध विद्यालय के प्राचार्य के रूप में लाखों नेत्रहीन बच्चों का जीवन संवारने का कार्य किया है, वहीं वहीं शिवराम उर्फ गणेश अय्यर की विद्वता, अपनापन और अपार प्रेम किसी के भी दिल में उनके प्रति जगह बना देता है. स्पष्टता के साथ ही किसी की भावनाओं को यह दोनों कितना महत्व देते हैं, आज के दौर में न केवल मुश्किल बल्कि दुर्लभ है.

प्रेरणादाई दंपति वे होते हैं, जो एक-दूसरे के पूरक बनकर जीवन के हर क्षेत्र में उदाहरण प्रस्तुत करते हैं.उनका जीवन आपसी विश्वास, सहयोग, प्रेम और सम्मान पर आधारित होता है.वे न केवल अपने परिवार को सुखमय बनाते हैं, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणा बने हैं.

ऐसे दंपति जीवन के हर उतार-चढ़ाव में साथ निभाते हैं - सफलता हो या असफलता, वे एक-दूसरे का संबल बनते हैं। जहां एक प्रेरणा देता है, वहीं दूसरा उसे पूरा करने की शक्ति बनता है। उनका जीवन संदेश देता है कि सच्चा संबंध वही है, जो हर परिस्थिति में अडिग रहता है. कठिन से कठिन और मुश्किल दौर में भी कोई किसी तरह खुशियां बटोर सकता है, इसका उदाहरण वे दोनों है.

प्रेरणादाई दंपति अपने कर्म, विचार और व्यवहार से यह सिद्ध करते हैं कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि दो आत्माओं का एक सुंदर समन्वय है, जो समाज को सच्चे संस्कार और जीवन मूल्यों की दिशा दिखाता है.प्रेम, विश्वास और समर्पण उनकी पहचान होती है.वे एक-दूसरे के साथ-साथ समाज के लिए भी योगदान देते हैं.उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन जाता है.

उच्च विद्या विभूषित आदर्श शिरभाते परिवार

स्थानीय महालक्ष्मी नगर निवासी पूर्व प्राचार्य संजय शिरभाते परिवार जहां उच्च विद्या विभूषित है, वहीं बचपन से ही आदर्श संस्कार इस परिवार को मिला है. सेवानिवृत्ति प्राध्यापक पिता, शिक्षिका मां के अलावा दोनों बहुएं भी आदर्श शिक्षिका के रूप में लाखों छात्रों का जीवन सवारने का कार्य करती हैं. दोनों भाई संजय और मिलिंद के बीच का प्रेम न केवल सराहनीय है बल्कि इस बात का परिचायक है कि तमाम आधुनिकता के बाद भी यह परिवार आपसी प्रेम, विश्वास और हम की भावना से किस तरह से प्रेरित है, इसका उदाहरण अन्य लोगों द्वारा दिया जाता है.परिवार का हर सदस्य उच्च विद्या विभूषित रहने के साथ सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रणी रहता है. पूर्व प्राचार्य संजय शिरभाते अनगिनत संस्थाओं के पदाधिकारी के रूप में दिव्यांगों, गरीबों तथा जरूरतमंद छात्रों की मदद के लिए सदा तत्पर रहते हैं.

संयुक्त परिवार भारतीय संस्कृति की सबसे सुंदर परंपराओं में से एक है.इसमें कई पीढ़ियाँ एक साथ प्रेम, सहयोग और आपसी सम्मान के साथ रहती हैं. यह केवल रहने का तरीका नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है.परिवार के सभी सदस्य ड्रहमफकी भावना से कार्य करते हैं, ड्रमैंफकी भावना को त्यागते हैं. इससे परिवार का प्रेम लगातार बढ़ता है और सभी में सुरक्षा की भावना रहती है.

बच्चे परिवार के वातावरण से ही अनुशासन, नैतिकता और संस्कार सीखते हैं. संजय और मिलिंद के बीच की समझदारी और दोनों भाइयों के प्रेम का उदाहरण अन्य को दिया जाता है.

सभी सदस्य अपनी आय और संसाधन साझा करते हैं, जिससे किसी पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ता.

किसी सदस्य पर कठिनाई आने पर पूरा परिवार एकजुट होकर उसका साथ देता है.त्यौहार, पारिवारिक कार्यक्रम और धार्मिक अनुष्ठान पूरे परिवार को जोड़ते हैं.संयुक्त परिवार समाज की मूल इकाई है. यह सामाजिक एकता, नैतिकता और मानवता का आधार है.यहाँ रहने वाले व्यक्ति आत्मनिर्भर, संस्कारी और जिम्मेदार बनते हैं.इसीलिए कहा गया है जहाँ संयुक्तता है, वहाँ समृद्धि और शांति है.परिवार का हर सदस्य जहां एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करता है वही पिता के प्रति अपार सम्मान और प्रेम दोनों ही भाइयों और बहू में भी है.

आदर्श संयुक्त परिवार वह है जहाँ प्रेम, त्याग, सहयोग और सम्मान के सूत्र में सभी बंधे हों. यही परिवार भारतीय संस्कृति की आत्मा है और समाज की स्थिरता का मूल आधार भी.

गरीब बच्चों का जीवन उजियारा करने की पहल

अमरावती- समाज में शिक्षा के क्षेत्र में समानता लाने के उद्देश्य से कार्यरत बननेस मुक्तांगण संस्था गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी है. वर्ष भर संस्था द्वारा गरीब,झोपडपट्टी क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को साक्षर बनाने, उनके माता-पिता को बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने सहित अन्य विभिन्न कार्यक्रम होते हैं. आर्थिक रूप से कमजोर परीवारों के बच्चे भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करें, इसी लक्ष्य से संस्था निरंतर समाजसेवा के कार्य कर रही है.गरीब तथा जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाने के लिए स्वाभिमान नगर झोपडपट्टी क्षेत्र में हर रविवार को कक्षाएं लेने,गरीब छात्रों को शैक्षिक साहित्य के रूप में मदद, गरीब छात्रों को स्पर्धा परीक्षा की तैयारी में मार्गदर्शन के साथ ही अन्य सामाजिक कामों में भी यह संस्था लगातार प्रयास कर रही है. संस्था के युवाओं की टीम समर्पित भाव से शिक्षा सेवा का कार्य कर रही है. रविवार को उनके द्वारा ली जाने वाली कक्षाओं में झोपडपट्टी तथा अन्य क्षेत्रों के बच्चे शामिल होते हैं.

शिक्षा के साथ संस्कारों पर जोर-बननेस मुक्तांगण के माध्यम से केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि संस्कार, पर्यावरण-जागरूकता, स्वच्छता, नारी-सम्मान और सामाजिक एकता जैसे मूल्य भी बच्चों में रोपित किए जाते हैं.संस्था की पहल से अनेक विद्यार्थी आज आत्मनिर्भर बन रहे हैं और अपने परिवार व समाज का नाम रोशन कर रहे हैं.

यह हैं स्वयंसेवी योध्दा- अमित बनारसे, पंकज हादवे, वैष्णवी मोहोकार, शुभम बलखंडे, तन्मय वैतागे, प्रकाश पांडे, राहुल बेलसरे, वैभवी मिलखे,दीपक सावरकर, अश्विनी राठोड, गौरव चारथळ, वैष्णवी मिल्की, रंजना तायडे, प्रणिता पापळकर, गौरी बोंडे, अक्षय मोने, सम्यक कडू, दिलीप भातकुळकर, आनंद बागडे, यश चिखलकर, आयुष गुल्हाने,समीक्षा बोन्डे, अश्विनी मिलखे, प्रथमेश पखाले,

स्वयंसेवकों की नि:स्वार्थ सेवा-संस्था के अध्यक्ष अमित बनारसे के नेतृत्व में स्वयंसेवक बिना किसी आर्थिक लाभ के, समय और श्रम देकर बच्चों को शिक्षण, कला, खेलकूद और व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण प्रदान करते हैं.कई स्थानीय शिक्षक, सामाजिक कार्यकर्ता और दानशूर व्यक्तियों ने इस कार्य में सहभाग लेकर संस्था की गतिविधियों को मजबूती प्रदान की है. बननेस मुक्तांगण की यह पहल आज समाज के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण बन गई है.गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही इस संस्था का सबसे बड़ा पुरस्कार है. दीपावली के इस पर्व पर संस्था ने शिक्षा ही सच्चा उजाला का संदेश देते हुए समाज से भी अपील की है कि हर बच्चे को शिक्षा का अधिकार मिले, यही हमारी सच्ची दिवाली है।

अष्टपैलू, सेवाभावी नेता है अरुण पडोले

संवेदनशील नेता वह होता है जो जनता के सुख-दु:ख को अपना समझता है। उसके निर्णय केवल नीतिगत नहीं, बल्कि मानवीयता से प्रेरित होते हैं. वह हर वर्ग, हर समुदाय और हर व्यक्ति की पीड़ा को समझकर उसके समाधान की दिशा में कार्य करता है। संवेदना ही उसके नेतृत्व की आत्मा होती है.अष्टपैलू नेता वह है जो केवल एक क्षेत्र तक सीमित न रहकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, संस्कृति, राजनीति, समाजसेवा में सक्रिय है.

वह ऐसे नेता हैं जिनमें दृढ़ संकल्प के साथ-साथ विनम्रता, दूरदर्शिता के साथ सहानुभुति की भावना रहती है. दीन दलित और पीड़ितों के लिए सदा सक्रिय रहते हैं. रास्ते के किनारे बैठने वाले गरीब दुकानदारों से ही सामान खरीदने की संवेदनशीलता उनमें है.

आज के समय में जब राजनीति और समाज दोनों में विश्वास की कमी महसूस होती है, तब संवेदनशील अष्टपैलू नेता ही जनता के बीच नई आशा जगाने की क्षमता रखता है। वह विकास को मानवता से जोडकर समाज में संतुलन और समरसता स्थापित करता है.संवेदनशील अष्टपैलू नेता वह दीपस्तंभ है जो समाज को दिशा देता है, समस्याओं में समाधान खोजता है और हर व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास करता है. ऐसे नेताओं की उपस्थिति ही किसी राष्ट्र की सच्ची शक्ति होती है.

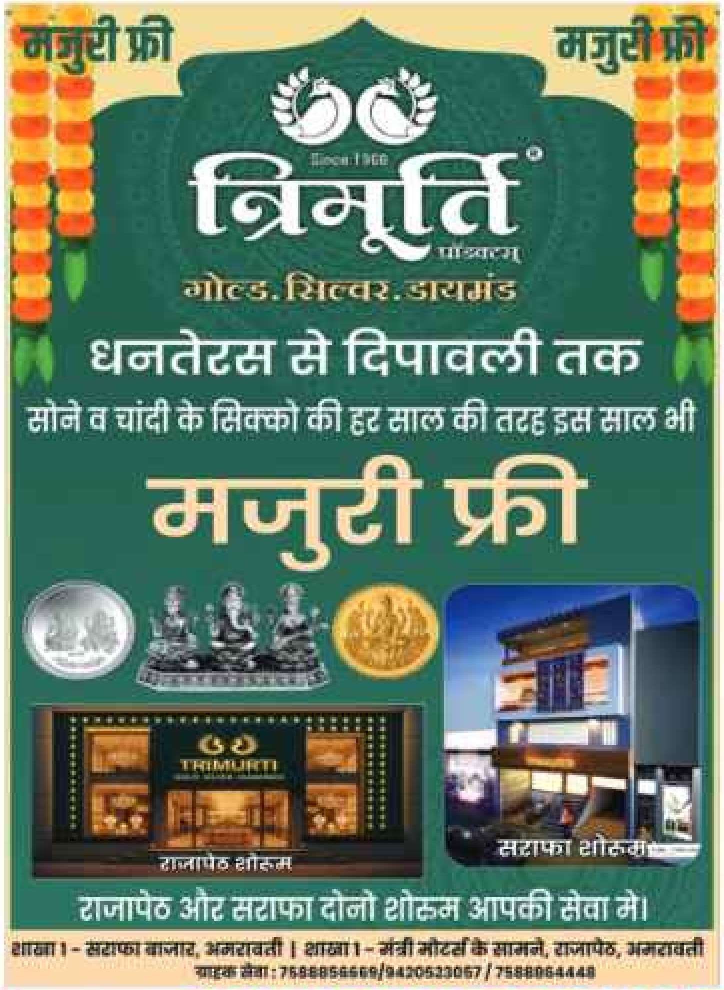
मजुरी फ्री
मजुरी फ्री
Since 1966
त्रिमूर्ति
प्रॉडक्टस्
गोल्ड. सिल्वर. डायमंड
धनतेरस से दिपावली तक
सोने व चांदी के सिक्को की हर साल की तरह इस साल भी
मजुरी फ्री
TRIMURTI
राजापेठ शोरुम
सराफा शोरुम
राजापेठ और सराफा दोनो शोरुम आपकी सेवा मे।
शाखा 1 - सराफा बाजार, अमरावती | शाखा 1 - मंत्री मोटर्स के सामने, राजापेठ, अमरावती
ग्राहक सेवा : 7588856669/9420523057 / 7588864448

समस्त नागरिकों को
दिवाली की
हार्दिक शुभकामनाएं!
शुभेच्छुक-
अजीत जैन, प्रिया जैन, भूमी जैन, अस्मित जैन व परिवार

!! शुभ दीपावली !!

शुभ
दिपावली
की आप सभी को
मंगलमय
शुभकामनाये..!
SHIV
SPORTS POINT
E-mail : shivsportspoint@gmail.com

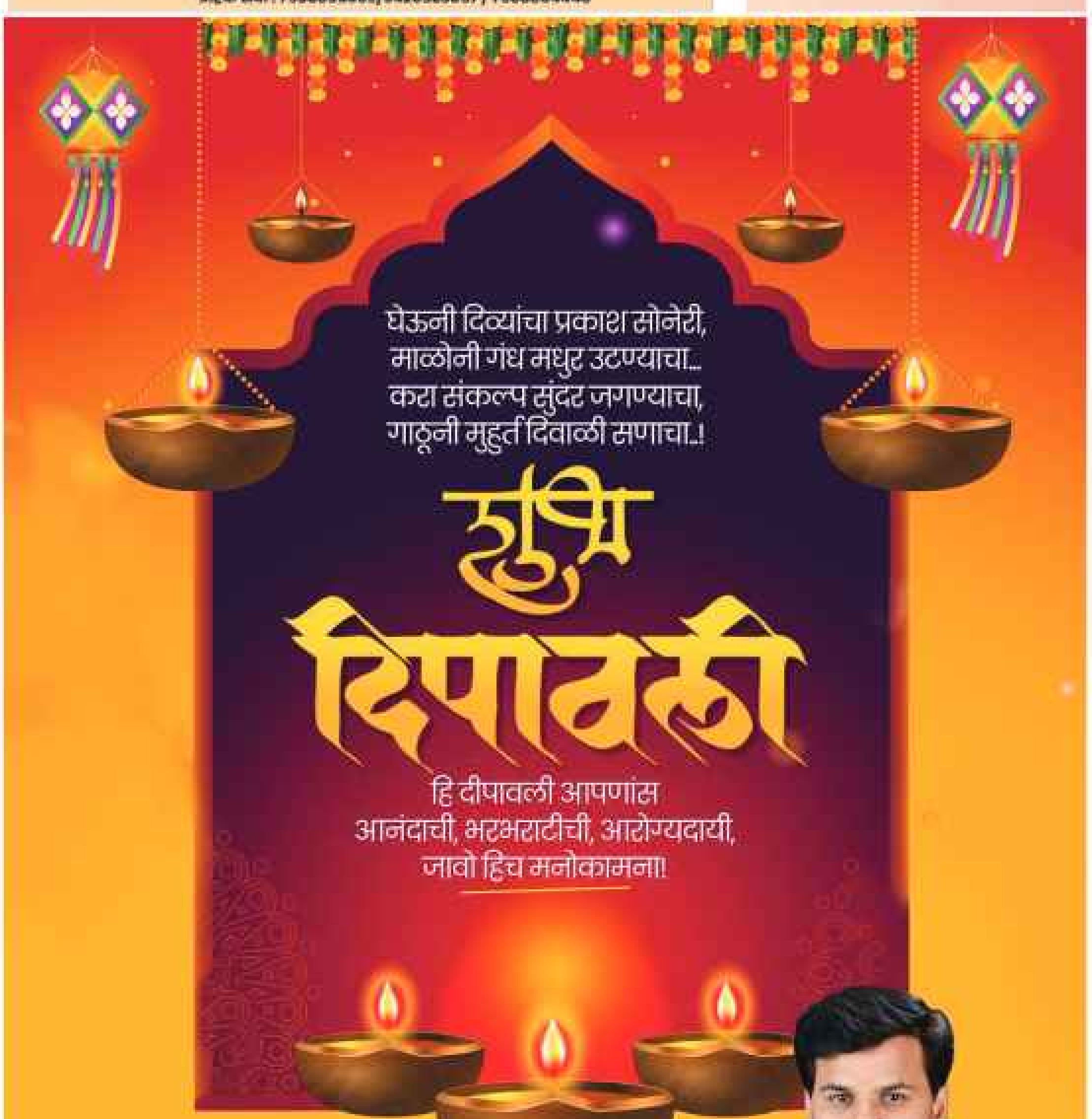
घेऊनी दिव्यांचा प्रकाश सोनेरी,
माळोनी गंध मधुर उटण्याचा..
करा संकल्प सुंदर जगण्याचा,
गाठूनी मुहूर्त दिवाळी सणाचा..!
शुभ
दिपावली
हि दीपावली आपणांस
आनंदाची, भरभराटीची, आरोग्यदायी,
जावो हिच मनोकामना!
Y.S.P
आ. रवि राणा
आमदार बडनेरा विधानसभा
अध्यक्ष आश्वासन समिती विधानसभा, महाराष्ट्र राज्य
@RaviRanaMLA mlaravirana_ysp mlaravirana

PLA
प्रफुल
पुरुषोत्तमराव अनासाने
ज्वेलर्स
खास दिवाळी सणा निमित्त धनत्रोयोदशीच्या शुभमुहूर्तावर तुम्हा सर्वांसाठी
आकर्षक सुट आता मिळवा हॉलमार्क HUID सोने चे दागिण्याच्या
घडणावळीवर (Making Charge) मिळवा 25% सवलत
दि. 18/10/2025 ते दि. 18/11/2025 पर्यंत
सुवर्ण ठेव योजना
बचत आजची, समृध्दी भविष्याची...
प्रफुल पुरुषोत्तमराव अनासाने ज्वेलर्स मधे संपर्क साधू शकता.

संकलन–सुभाष दाभीरकर, वरुड मो.७०३८७५५३१२

नगर परिषद कार्यालय दर्यापुर जि.अमरावती
नगर परिषद सार्वत्रिक निवडणूक –२०२५

महत्वाची सुचना

दर्यापुर नगर परिषद क्षेत्रातील सर्व नागरिकांना कळविण्यात येते की, दर्यापुर नगर परिषदेची निवडणूक आगामी काळात होवु घातली आहे. त्याकरीता प्रभाग निहाय मतदार यादीचे काम न.प.स्तरा वरुन सुरूअसुन लवकरच मतदार यादी अंतिम होईल. तसेच मतदान केंद्र निहाय मतदार यादी प्रसिध्द करण्यात येईल. त्याकरीता सर्व नागरिकांनी आपले नांव प्रभाग क्रमांक व मतदार यादीतील अनुक्रमांकाची खात्री करुन नगरपरिषद सार्वत्रिक निवडणूकीत आपला मतदानाचा हक्क बजवावा. जागृत मतदारच मजबुत लोकशाहीची गुरूकिल्ली आहे. असे आवाहन मा. मुख्याधिकारी यांचे वतीने करण्यात येतआहे.

खालील वेबसाईट लिंक वरुन मतदार यादीतील नांव तपासणी करता येईल. **https://mahasecvoterlist.in/ObjectionOnClick/DownloadVoterlist** अंतिम मतदार यादी प्रसिध्दी दिनांक ३१/१०/२०२५,मतदान केंद्राची यादी प्रसिद्ध करणे आणि मतदान केंद्र निहाय यादया प्रसिध्द करणे दिनांक ०७/११/२०२५.

मुख्याधिकारी
नगरपरिषद दर्यापुर

सुंदर दर्यापूर स्वच्छ दर्यापुर, आपले शहर स्वच्छ शहर ,
चला प्रदुषण मुक्त दिवाळी साजरी करुया,
दिपावलीच्या सर्व दर्यापुर क्षेत्रातील नागरिकांना हार्दिक शुभेच्छा !

हजारों भक्तों की मनोकामनाएं पूरा करता व्यंकटेशधाम

शहर ही नहीं तो विदर्भ तथा देशभर से भक्त आते हैं यहां दर्शन करने, व्यवस्था की सभी करते हैं सराहना

अमरावती- शहर ही नहीं तो अंबानगरी को धार्मिक नगरी के रूप में देशभर में जाना जाता है. ऐसे में यहां मां अंबादेवी-एकवीरा देवी मंदिर के साथ ही जयस्तंभ चौक के करीब स्थित व्यंकटेशधाम, खल्लार बालाजी मंदिर, महादेव के गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर, सबनीस प्लाट में निर्मित गोल्डन टेंपल महाकाली माता मंदिर सहित कई मंदिर शहर की अध्यात्मिक शान को ऊंचा उठा रहे हैं.जयस्तंभ चौक के करीब स्थिति

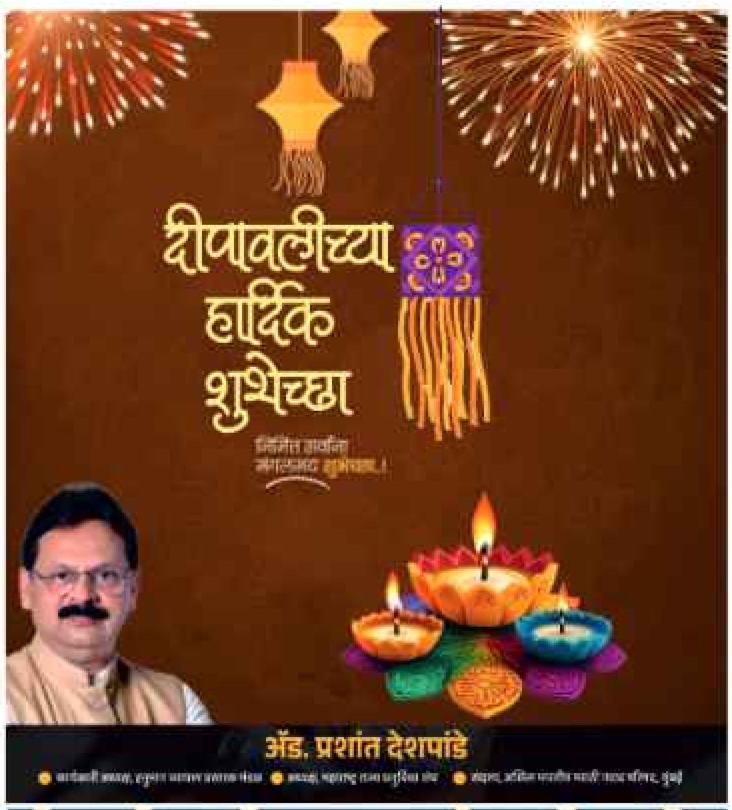

बालाजी मंदिर लाखों भक्तों का आस्थास्थल है. ट्रस्ट के साथ ही दायमा बंधुओं द्वारा इसका जहां बेहतरीन ढंग से प्रबंधन किया जाता है, वहीं दूसरी ओर शुक्रवार की आरती में पूरा मंदिर भर जाता है. शहर ही नहीं तो आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में भक्त यहां नियमित रूप से आते हैं. शहर को धार्मिक नगरीके रूप में जाना जाता है. यही कारण है कि अमरावती में बड़े से बड़े आयोजन जहां होते हैं, वहीं दूसरी ओर यहां की जनता भी धार्मिक है. संत-महात्माओं की पवित्र भूमि के साथ ही यहां पर कई मंदिरों की ख्याति राष्ट्रीय स्तर पर है. ऐसे ही मंदिरों में शामिल है जयस्तंभ चौक से चंद कदमों की दूरी पर स्थिति अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी, महालक्ष्मी माता तथा पद्मावती माता का मंदिर व्यंकटेशधाम. मंदिर का आधुनिकीकरण किया गया है. इससे मंदिर जहां चमक रहा है, वहीं दूसरी ओर जागृत मंदिर रहने के कारण हर दिन हजारों की संख्या में भाविक भी यहां पहुंचकर गोविंदा का दर्शन कर जीवन धन्य कर रहे हैं. बालाजी के अनन्य भक्त स्व. रतनलाल दायमा को हुए साक्षात्कार से निर्मित इस मंदिर में आने वाले भक्तों ने स्वयं कई बार इसका अनुभव किया है. शुक्रवार को आरती में उमड़ने वाली भीड़ जहां मंदिर की लोकप्रियता तथा विश्वास का परिचायक है, वहीं दूसरी ओर हजारों शहर के ऐसे भक्त हैं, जिनकी सुबह यहां पूजा-अर्चना और दर्शन से होती है और शयन आरती में भी शामिल होते हैं. कईयों के जीवन में यहां के दर्शन ने चमत्कार का जहां काम किया है, वहीं बड़ी संख्या में भक्तों का कहना है कि मंदिर में उन्हें दर्शन के बाद अपार सुकून की अनुभूति होती है. मंदिर के पुजारी तथा सभी कर्मचारी भी प्रभु सेवा समझकर सेवाएं देते हैं. मंदिर की साफ-सफाई से लेकर यहां सालभर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होते हैं. इसमें भक्तों की भीड़ उमड़ती है.

मंदिर के सामने संकटमोचन हनुमानजी की भव्य मूर्ति भक्तों को जहां मुसीबत में भी नहीं घबराने की सीख देती है, वहीं रिद्धी-सिद्धि के दाता गणेशजी की आकर्षक मूर्ति भक्तों को सद्गुण सम्पन्न बनाती है. कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से चमत्कारी काम करने की ताकत आती है. जिन्हें विश्वास होता है, उन्हें इस मंदिर में उसका प्रत्यक्ष अनुभव मिलता है. लेकिन नास्तिकों को विश्वास हो नहीं सकता है. जब मन चंगा तो कठोती में गंगा वाली उक्ति श्रद्धाभाव के मामले में लागू होती है. जिस तरह से हवा को महसूस किया जाता है, आक्सीजन हमें जिंदा रखता है लेकिन वह दिखाई नहीं देता है. उसी तरह दुनिया में कोई ऐसी शक्ति है जो दुनिया का संचालन करती है. हमारे कर्मों का हिसाब-किताब करती है. अमरावती शहर ही नहीं तो विदर्भ में सुख्यात जयस्तंभ चौक के करीब स्थित व्यंकटेशधाम लाखों भक्तों का आस्थास्थल बना हुआ है. व्यंकटेशधाम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष एड.आर.बी. अटल के नेतृत्व में सभी सेवा समर्पित पदाधिकारियों तथा सेवाधारियों का प्रभु के प्रति समर्पण देखकर निश्चित तौर पर अपार हर्ष होता है. धार्मिकता के साथ ही मानवता के धर्म को बढ़ावा देने की पहल यहां होती है. अन्नदान जैसे कायक्रम निरंतर चलते हैं. मंदिर के हेडाजी, रामेश्वर भाऊ के साथ ही सभी कर्मचारियों की समर्पित भावना से सेवा निश्चित ही काबिले-तारीफ है. सभी पुजारियों द्वारा नित्य नियम से यहां पर पूजा-अर्चना, अभिषेक का काम किया जाता है. आरती में बड़ी संख्या में भाविक उमड़ते हैं. को मानवता की सेवा का आकार देते हुए अन्नदान जैसे कार्यक्रम चलते रहते हैं. मंदिर के संस्थापक स्व.रतनलाल दायमा भगवान बालाजी के अनन्य भक्तों में से एक थे. फिलहाल मंदिर की बेहतरीन जिम्मेदारी के निर्वहन में उनके बेटे रतनभैया, रमणभाई दायमा तथा गोविंदजी दायमा ने स्वयं को झोंक दिया है.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

खत्री मूर्ति भंडार को मिलता है ग्राहकों का प्यार

शहर की गांधी चौक स्थित खत्री मूर्ति भंडार ग्राहकों की पसंद पर सदा खरा उतरी है और यही कारण है कि यहां गणेश उत्सव के दौरान तथा दीपावली के दौरान मूर्ति लेने के लिए ग्राहकों के भीड़ बढ़ती है. प्रतिष्ठा के संचालक अमित खत्री पिता के मार्गदर्शन में इस दुकान का संचालन करते हैं. यहां की मूर्तियां जहां हर ग्राहक को प्रभावित करती हैं वहीं कई बार पूरा शहर घूम कर आने के बाद भी जिन्हें मूर्ति पसंद नहीं आती है लेकिन इस दुकान में पहुंचते ही पहले ही नजर में मूर्ति पसंद आ जाती है. मूर्ति की आकर्षकता के साथ मां लक्ष्मी की मूर्ति के लिए यहां पर ग्राहक जमा हुए थे. पिछले कई वर्षों से ग्राहकों का अपार प्यार जहां खत्री मूर्ति भंडार को मिला है वहीं पहली ही नजर में ग्राहकों को मूर्ति पसंद आती है. अन्य स्थानों की तुलना में मूर्ति की कीमत भी समुचित रहने से ग्राहकों का अपार विश्वास खत्री मूर्ति भंडार ने प्राप्त किया है.

जगमगाये अयोध्या के श्री राम, सर्वत्र रोशनाई ने समां बांधा

अयोध्या का दीपोत्सव हमारी सांस्कृतिक स्वातंत्र्य का उद्धोष है। देश के इतिहास में कई ऐसे क्षण होते हैं जब उसकी दशा और दिशा बदल जाती है। दियों का जगमगाना ऐसे ही क्षण का साक्षी होना है। अयोध्या का दीपोत्सव विजय उद्धोष है हजार साल के सतत चलने वाले युद्ध का, शायद करोड़ों आत्माएं इस दिन को देखने के लिए मोक्ष प्राप्त करना अस्वीकार कर दिया होगा। इन दियों की लौ देखकर, अयोध्या की सज धज देखकर ही उन्हें शांति मिलेगी और वे अपने धाम जाएंगी। अयोध्या का दीपोत्सव भारत की पहचान का उद्धोष है, कब्र में लेटे मुर्दों से मुक्ति का उद्धोष है, भारत के लोगों की आकांक्षा क्या है उसके मूर्त स्वरूप का उद्धोष है। अयोध्या का दीपोत्सव भारत की एकता का उद्धोष है, देश के कण कण में राम हैं इस भाव के नाम का दिया अवध में बाला गया है। अयोध्या का दीपोत्सव परिवार, समाज, धर्म और राष्ट्र के प्रति उच्चतम आदर्शों को स्थापित करने का उद्धोष है। समरसता, न्याय, अशोक स्थापित होने का उद्धोष है। अयोध्या का दीपोत्सव भारत के खंडात्मक विभाजन के अखंड होने का उद्धोष है। एक नए सूर्य के उगने का उद्धोष है। एक नई शक्ति, एक नए विश्वास, एक नई ऊर्जा और उल्लास के भाव के स्थापित होने का उद्धोष है। अयोध्या का दीपोत्सव हमारे

सामूहिक सामर्थ्य का उद्धोष है साथ ही असंख्य हुतात्माओं के प्रति हमारी कृतज्ञता का द्योतक है। इस क्षण एक नए भारत को मूर्तिमान देखते हुए अपने पूर्वजों को याद कीजिएगा, पुरखों के पुण्य प्रताप और बलिदान से यह दिन देखने का सौभाग्य मिलेगा। अयोध्या का दीपोत्सव पूंजीवाद और साम्यवाद से जूझती दुनिया को रामराज्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

पेज १ से आगे

खुशियां बांटने वाले कभी नहीं होते हैं निराश

से अधिक होता है. जीवन में शब्द और स्वभाव हमेंशा आगे बढ़ते हैं. सकारात्मक विचारों से जीवन बढ़ता है. हर व्यक्ति के शांतिपूर्ण जीवन में सदा योगदान देना चाहिए. परमात्मा अपने हर जीव के लिए प्रेम की अपेक्षा करता है. जिंदगी इक किराए का घर है... जीवन भगवान का उपहार और उनके ही किराए का घर है. यह बात दीगर है कि किराए के मकान को हम अपना मकान समझ लेते हैं,जबकि हमारा स्वामित्व कहीं नहीं है, मिल्कियत में भी मालकियत का भाव कभी नहीं होना चाहिए. जीवन को प्रभु ने दिया है नेक काम करने, उनका स्मरण करने और अच्छे कार्मो से नाम बनाने के लिए. लेकिन यही काम छोड़कर हम सभी काम करते हैं. दीपावली का पर्व हमें सभी को खुशियां बांटने का संदेश देता है. इस आशय की बात भारतीय जैन संगठन के ट्रस्टी, समाजसेवी सुदर्शन गांग ने कही है. बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ है, सरकार के साथ ही हमारा भी दायित्व बनता है कि हम खुशियों में उन्हें भी सहयोगी बनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए संयुक्त परिवार-पर्यावरण संतुलन तथा मानव सेवा की थीम पर प्रकाशित दीपावली विशेषांक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज इस तरह की सकारात्मक पत्रकारिता की अत्याधिक जरूरत है. विदर्भ में सहकारी क्षेत्र की शान अभिनंदन बैंक के मैनेजमेंट बोर्ड के अध्यक्ष सुदर्शन गांग के मुताबिक जीवन तो भगवान का दिया हुआ उपहार है. इसका नेक कामों में उपयोग करने पर निश्चित ही वह और निखरता है. जल,जंगल,जमीन को संवारे,भाग्य संवर जाता है. पर्यावरण संतुलन, जल के महत्व, जंगल की महत्ता पर सदैव बात कहने वाले सुदर्शन गांग के मुताबिक प्रकृति हमें भरपूर देती है. निःस्वार्थ भाव सिखाना है तो पेड़ से सीखें, जो हर व्यक्ति को फल के साथ ही भीषण गर्मी में छांव देता है. नदी परोपकार का उदाहरण है, इसका पानी लाखों लोगों को जीवन देता है. इसी तरह हमारे जीवन में हमें जो मिला है, वह केवल हमारे कर्मो से ही नहीं बल्कि माता-पिता के आशिर्वाद से मिला है. यह ध्यान में रखते हुए समाज के प्रति हमारा भी कर्तव्य बनता है, हम भी किसी जरूरतमंद की मदद कर यह दायित्व निभा सकते हैं. प्रकाश सभी को प्रिय है, सभी जीवन में प्रकाश का प्रयास करना चाहिए. युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर उन्होंने कहा कि आज हम काम करने से कतराते हैं. संकोच करते हैं. जबकि काम काम होता है. वह छोटा-बड़ा नहीं होता है. हर व्यक्ति को जीवन मिला है, आत्महत्या का किसी को अधिकार नहीं है. जीवन मिला है, जियो, जीने दो. दीपावली पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कामना की कि सभी के जीवन से संकट रूपी अंधेरा खत्म हो और सभी का जीवन खुशियों से भरे. सभी से माता-पिता की सेवा, समाजसेवा और राष्ट्र सेवा में स्वयं को झोंकने और देश को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का आग्रह करते हुए दीपावली की देशवासियों को शुभकामनाएं दी. दीपावली पर खुशियां मनाएं लेकिन हमारी खुशी किसी भी जीव के लिए अगर दर्द का कारण बनता है तो निश्चित तौर पर यह तकलीफदेह लगना चाहिए.

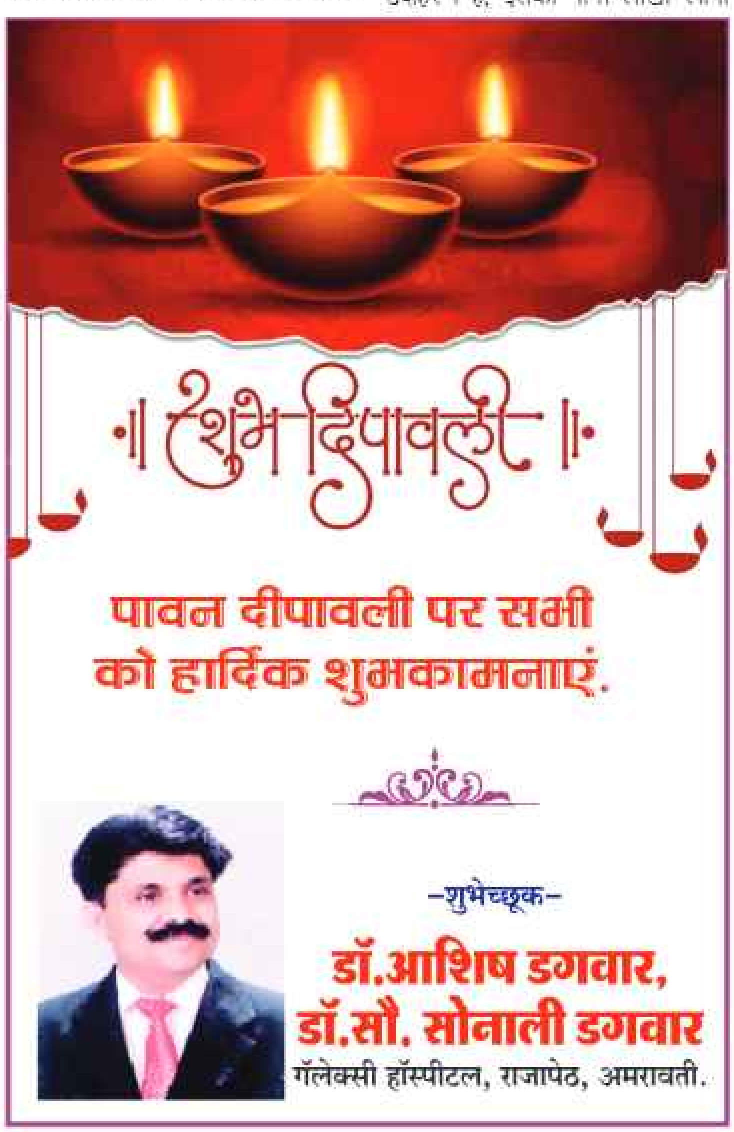

दिवाळीच्या हार्दिक शुभेच्छा!

डॉ.हेमंत पटेरिया सौ.अनुराधा पटेरिया

दिवाळीच्या हार्दिक शुभेच्छा!

रवि धुमाळे
सौ. भावना धुमाळे
बडनेरा

दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं!
विदर्भ स्वाभिमान परिवार

दि. अमरावती जिल्हा परिषद शिक्षक सहकारी बँक लि.

काँग्रेस नगर रोड, रेल्वे पुलाजवळ, अमरावती – फोन नं.०७२१-२६७४६८४, फॅक्स : ०७२१-२६७१०४३
Email:amtzpteacherbank@gmail.com | Website - www.zpshikshakbankamt.com

- सर्व शाखा संगणकीकृत, सी.बी.एस. द्वारा सेवा उपलब्ध
- मोबाईल बँकिंग, फोन पे, गुगल पे, ए.टी.एम., आर.टी.जी.एस. / एन.ई.एफ.टी., आय.एम.पी.एस., एन.ए.सी.एच., बी.बी.पी.एस., सी.टी.एस. क्लिअरिंगची सेवा उपलब्ध
- बँकेचे कामकाज नियमित पूर्ण वेळ
- विनम्र व तत्पर सेवा (आठवडी सुटी बुधवार तसेच दुसरा व चौथा शनिवार बँक बंद राहील.)
- KYC Norms पूर्ण करून कोणासही खाते उघडण्याची सोय
- ठेवीवर सर्वाधिक व्याज,
- सातत्याने ऑडिट वर्ग-अ
- सेफ डिपॉझिट लॉकर्सची सेवा, ५ लाखापर्यंत ठेवींना विमा संरक्षण
- सर्वांकरिता आकर्षक व्याज दरात आवर्ती ठेव योजना (आर.डी)
- मुदत ठेवीवर जेष्ठ नागरिकांना ०.५०% जादा व्याजाची सवलत

बँकेची आर्थिक स्थिती

३१ मार्च २०२५ अखेर		आकडे लाखांत
भाग भांडवल	:	५३९१.५७
एकूण व्यवसाय	:	९६४९७.८१
एकूण ठेवी	:	५७८९०.१६
सी.आर.ए.आर.	:	२१.२१
निव्वळ नफा	:	८४८.८१
नेट एन.पी.ए.	:	०.१२%
एकूण कर्ज	:	३८६०७.६६
ऑडीट वर्ग	:	अ

मा.श्री.गोकुलदास श्री. राऊत – अध्यक्ष
मा.श्री.मो.नाजीम अ. गफ्फार – उपाध्यक्ष
मा.श्री.राजेश प्र. देशमुख – सरव्यवस्थापक

मा. संचालक सर्वश्री. तुळशिदास मु. धांडे, प्रफुल्ल वि. शेंडे, सुरेंद्र वि. मेटे, कैलास मा कडू, उमेश उर्फ उत्तम रा. चुनकीकर, अजयानंद स. पवार, रामदासजी शे. कडू, राजेंद्र ना. गावंडे, मनिष र. काळे, विजय प्र. कोठाळे, संभाजी श्री. रेवाळे, राजेश वि. गाडे, सौ. सरिता दि. काठोळे, सौ.संगीता शा. तडस, ॲड.श्री. राजपाल काशिराम वानखडे (तज्ञ संचालक), ॲड.मो. शकील अहमद मो. गयास (तज्ञ संचालक)

बँकेच्या सर्व सभासदांना व खातेदारांना दिपावलीच्या व नववर्षाच्या हार्दिक शुभेच्छा

स्नेहाचा सुगंध दरवळला..
आनंदाचा सण आला..
विनंती आमची परमेश्वराला,
सौख्य, समृद्धी लाभो तुम्हाला

समस्त जनतेला दिवाळीच्या हार्दिक शुभेच्छा...

श्री. चंद्रशेखर बावनकुळे
महसूल मंत्री महाराष्ट्र राज्य तथा
पालकमंत्री नागपूर व अमरावती जिल्हा

cottonking
AntiStain
100% COTTON SHIRTS & TROUSERS

- Sanika Collection, Opp. Sahakar Bhavan, Near Jaistambh, AMRAVATI.
- Sanika Collection, Manish Nagar, NAGPUR
- Sanika Apparels, Hanuman Aakhada Chouk, YAVATMAL
- Sanika Apparels, Near Aazad Garden CHANDRAPUR

8806376564, 8408992244

जिंदगी रूकती नहीं बस चलते जाएं, खुशियां मनाएं-डॉ.जयस्वाल

विदर्भ स्वाभिमान,15 अक्तूबर

अमरावती- जीवन में कुछ लोग अपने लिए नहीं तो समाज के लिए अमूल्य होते हैं, ऐसे ही लोगों में हैं सुख्यात चिकित्सक तथा रविनगर क्षेत्र निवासी डॉ. राजकुमार जयस्वाल., वे जहां मानवता की सेवा के प्रति समर्पित हैं, वहीं दूसरी ओर जयस्वाल समाज के मान्यवरों में से एक हैं. दीपावली पर उन्होंने सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिंदगी चलने का नाम है, ऐसे में इसमें सुख-दुख आते रहते हैं. लेकिन हम जिस भाव से इसे स्वीकार करते

हैं, उसी भाव से यह हमें खुशी और गम देती है. दीपावली के साथ ही भारत के जितने भी त्यौहार हैं, वह सभी सदा हमें खुशियां देते हैं. यह त्यौहार जहां त्याग का प्रतीक होता है, वहीं दूसरी ओर यह त्यौहार हमें केवल अपने लिए ही जीने का मतलब नहीं रहता है. जब हम दूसरों की खुशी की चिंता करते हैं तो निश्चित तौर पर परमात्मा हमारी खुशियों की चिंता करते हैं. दीपावली के पावन पर्व पर अगर हमसे कोई कमजोर है तो निश्चित तौर पर उनकी मदद का प्रयास करना चाहिए.

जीवन में भला शब्द का उल्टा लाभ होता है और दया का उल्टा याद होता है. जब हम निःस्वार्थ भाव से किसी मजबूर, पीड़ित का भला करते हैं तो इतना तय है कि इसका लाभ हमें निश्चित ही होना है. जीवन में जो आया है, उसका जाना अटल है. लेकिन केवल हमारे अच्छे कार्य ही हमें सदा याद करवाते हैं. उनके मुताबिक जीवन में माता-पिता और परिवार किसी भी व्यक्ति के जीवन की खुशी का सबसे बड़ा माध्यम होता है. दीपावली पर त्याग के संकल्प के साथ ही सदा जितना अच्छा हो सके करने का प्रयास रखें. निश्चित तौर पर विधाता हर मुसीबत से हमें उबार लेता है. उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी.

तीन साल में महाराष्ट्र में 537 तेंदुओं की मौत

नई दिल्ली-महाराष्ट्र में बाघ और तेंदुओं को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं. 2022 से सितंबर 2025 के बीच राज्य में 142 बाघ कम हो गए हैं और 537 तेंदुओं की भी मौत हो चुकी है. वहीं, ज्यादातर बाघों और तेंदुओं की मौत की वजह अवैध शिकार, दुर्घटना और बिजली के झटके लगने के कारण हुई है.नागपुर के वन सरंक्षक अधिकारी ने एक आरटीआई के जवाब में यह आंकड़े पेश किए हैं. रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र में इस साल सितंबर तक 35 बाघ और 115 तेंदुओं की जान गई है. इससे पहले 2024 में 26, 2023 में 52 और 2022 में 29 बाघों की मृत्यु हुई थी.इनमें 21 बाघों की मौत की वजह प्राकृतिक कारण हैं. वहीं, दुर्घटना से 5, बिजली के झटके लगने और अवैध शिकार से 5 बाघ मारे गए. हालांकि, 4 बाघों की मरने की वजह साफ नहीं है.कई शिकारी बाघों और तेंदुओं को खाल या पंजों के लिए निशाना बनाते हैं.

रुख्मीणी वल्लभ

झुणका भाकर केंद्र

शुभेच्छुक

रितेश शिरभाते, अमित शिरभाते तथा परिवार

समाजसेवी तथा सफल व्यवसायी,अमरावती.

दीपपर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं.

-शुभेच्छुक-

हेमंतकुमार पटेरिया, सौ.अनुराधा पटेरिया तथा परिवार

न्यू गणेश कॉलोनी,अमरावती.

दीपपर्व पर सभी जिलावासियों तथा देशवासियों को हमारी हार्दिक शुभकामनाएँ

-शुभेच्छुक-

दिलीपभाई पोपट, रघुवीर ग्रुप प्रमुख तथा समाजसेवी,अमरावती.

दीपपर्व पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं.

-शुभेच्छुक-

डॉ.राजकुमार जयस्वाल परिवार

सुख्यात चिकित्सक, समाजसेवी,पूर्व अध्यक्ष जयस्वाल युवा संगठन, रविनगर,अमरावती.

संयुक्त परिवार: खुशियों का मूल आधार

प्रा.डॉ. अजय बोंडे का परिवार,रहती है जहां खुशियों की बहार

ापक डॉक्टर अजय बोंडे का परिवार आदर्श परिवार के रूप में जाना जाता है. अजय और संजय जहां साथ रहते हैं वहाँ घर में सदा खुशी का वातावरण रहता है. उनका मानना है कि जिस घर में दादा-दादी चाचा चाचा और सभी भाई एक साथ रहते हैं वह परिवार न केवल प्रगति करता है बल्कि सभी में निश्चिंतता रहती है. इससे आर्थिक प्रगति के साथ बच्चों को आदर्श संस्कार मिलता है और परिवार की एकता उसकी सबसे बड़ी ताकत बनती है. बिखरे परिवारों का जिक्र करते हुए वह कहते हैं कि वर्तमान में साधन और सुविधाएं आराम के साधन तो इंसान ने भरपूर जुटा लिए हैं, लेकिन इस आपाधापी में उसकी वास्तविक खुशी कहीं गायब हो गई है और गरीब हो अथवा अमीर मानसिक तनाव ने सभी को परेशान किया है. लेकिन संयुक्त परिवार और सभी सदस्यों के बीच का प्रेम इस तनाव की रामबाण दवा है. यहां खुशी के साथ ही मुसीबत भी इस तरह बंट जाती है, पता भी नहीं चलता है.

संयुक्त परिवार भारतीय संस्कृति की सबसे सुंदर परंपराओं में से एक है. इसमें दादा-दादी, माता-पिता, बच्चे और अन्य परिजन एक साथ रहते हैं. ऐसे परिवार में प्रेम, सहयोग और अपनापन भरा होता है.हर सदस्य एक-दूसरे की जिम्मेदारियों में साथ देता है.बच्चों को बड़ों से संस्कार और जीवन-मूल्य सीखने का अवसर मिलता है, जबकि बुजुर्गों को सम्मान और स्नेह मिलता है.

संयुक्त परिवार में त्योहारों, जन्मदिनों और छोटी-छोटी खुशियों का आनंद मिलकर मनाया जाता है, जिससे घर हमेशा हंसी-खुशी से भरा रहता है. यही कारण है कि संयुक्त परिवार को वास्तव में खुशियों का पिटारा कहा जाता है, जहाँ प्यार, सहयोग और एकता की मिठास कभी खत्म नहीं होती. संयुक्त परिवार से तरक्की, खुशियां तथा सभी प्रकार की सुविधा जहां मिलती है वहीं दूसरी ओर हर व्यक्ति निश्चिंत जीवन जीता है.अपना अनुभव बताते हुए वह कहते हैं कि मां की कुशल नेतृत्व में आज भी यह आदर्श परिवार है और सभी सदस्य एक दुसरे से निर्मल मन से प्रेम करते हैं. दीपावली पर उन्होंने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी. परिवार में प्रा.अजय बोंडे और छोटे भाई संजय के साथ दोनों ही धर्मपत्नी की समझदारी के कारण बोंडे परिवार में सदा खुशियों की बहार रहती है. माताश्री का आशिर्वाद और सभी का प्यार खुशियों की बहार है.

कर्मठ अधिकारी हैं मनपा उपायुक्त नरेन्द्र वानखडे

अमरावती-अधिकार की बजाय मानवता को अत्याधिक महत्व देकर काम करने वाले संवेदनशील तथा अनुशासन प्रिय अधिकारी के रूप में मनपा उपायुक्त नरेन्द्र वानखडे का उल्लेख किया जा सकता है. मानवता को ध्यान में रखते हुए काम करने का उनका तरीका, गरीबों, बुजुर्गों, महिलाओं की समस्याओं का निराकरण करने के लिए सदा तत्पर रहते हैं. पिछले दिनो बडनेरा में आधार निवारा केन्द्र के कार्यक्रम में उनसे मुलाकात का योग आया. इस दौरान बुजुर्गों के प्रति उनका भाव जहां दिखाई दिया, वहीं दुसरी ओर महानगर पालिका में पहुंचने वाले जरूरतमंद की मदद करने का भाव रखते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जनता के कल्याण की विभिन्नि योजनाओं को चलाया जा रहा है. उसे प्रभावी तरीके से लागू करने के अलावा सभी लोगों को इसका लाभ देने के लिए उनका प्रयास रहता है. नरेन्द्र वानखडे अधिकारी ही नहीं तो संवेदनशील अधिकारी रहने के कारण लोगों की शिकायतें सुनने के साथ ही इसका निराकरण करने का सदा भाव रहता है. यही कारण है कि लोग भी बेझिझक उनके पास शिकायतें लेकर जाते हैं. युवा अधिकारी के साथ ही संवेदनशील अधिकारी रहने के कारण लोगों का विश्वास और प्रेम अपनी ताकत मानते हैं. मनपा आयुक्त सौम्या शर्मा के मार्गदर्शन में सदा बेहतरीन करने का प्रयास करने की बात कहते हैं. उन्होंने दीपावली को त्याग का प्रतीक पर्व बताते हुए जितना संभव हो, उतना समाज तथा राष्ट्र के लिए अपना योगदान देने का आग्रह सभी से करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी.

शुभेच्छुक
प्रा.डॉ.अजय बोंडे,संजय बोंडे तथा समस्त बोंडे परिवार, महालक्ष्मी नगर,अमरावती.

ग्रामपंचायत कार्यालय येनस

पंचायत समिती नांदगाव खंडेश्वर, जिल्हा परिषद अमरावती

सरपंच सचिव ग्रामपंचायत येनस तालुका नांदगाव खंडेश्वर जिल्हा अमरावती कडून कोऱ्या निविदा देण्यात येईल ग्रामपंचायत येनस येनस तालुका नांदगाव खंडेश्वर जिल्हा अमरावती यांचे मार्फत पंधरा वित्त आयोग, अनुसूचित जाती व नवबौद्ध घटकांचा विकास व स्वच्छ भारत मिशन या योजनेकरिता खालील कामाचे मोहोर बंद निविदा बी–1 टक्केवारी प्रपत्रांमध्ये बांधकाम विभाग जिल्हा परिषद अमरावती यांच्या नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून मागविण्यात येत आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	अंदाजित किंमत	बयाणा रक्कम	कोऱ्या निविदेची किंमत	अनामत रक्कम डी.डी.	लेखा शीर्षक	पंजीबंध कंत्राट दाराचे वर्गीकरण	कामाचा कालावधी	निविदा विक्री व दाखल करण्याचा दिनांक व वेळ	निविदा उघडण्याची दिर्नाक व वेळ
१	पाणी पुरवठा योजना विशेष देखभाल /दुरुस्ती	२०००००/–	1% प्रती काम	१०००/– रुपय प्रती काम	२०००/–	१५ वित्त आयोग	वर्ग ५ व त्या वरील	६ महिने	१५/१०/२०२५ ते २४/१०/२०२५ कार्यालयीन वेळेत	२७/१०/२०२५ सकाळी १०.०० वाजता
२	पाणी टाकीदुरुस्ती	१७००००/–			१७००/–	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
३	बंदिस्त गटारे बांधकाम	३२००००/–			३२००/–	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
४	बंदिस्त गटारे बांधकाम	२०००००/–			२०००/–	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
५	कॉंक्रिट रस्ता बांधकाम	१७००००/–			१७००/–	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
६	कॉंक्रिट रस्ता बांधकाम	१०००००/–			१०००/–	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
७	शाळा वर्ग खोली दुरूस्ती	८००००/–			८००/–	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
८	अंगणवाडी दुरूस्ती	७००००/–			७००/–	१५ वित्त आयोग		६ महिने		
९	कॉंक्रिट रोड व नाली रस्ता	३०००००/–			३०००/–	अ.जा.न.बा. वस्तीचा विकास सन २०२४/२५		६ महिने		
१०	कॉंक्रिट रोड व नाली रस्ता	४०००००/–			४०००/–	अ.जा.न.बा. वस्तीचा विकास सन २०२४/२५		६ महिने		
११	सार्वजनिक शौचालय बांधकाम	३०००००/–			३०००/–	स्वच्छ भारत मिशन		६ महिने		

टीप:–

1. निविदेच्या अटी व शर्ती ग्रामपंचायत कार्यालय येनस येथे कार्यालयीन वेळेत पहावयास मिळतील, कोणत्याही whatsapp ग्रुप वर टाकण्यात येणार नाही.
2. अनामत रक्कम डी.डी स्वरुपात सरपंच / सचिव ग्रामपंचायत येनस खाते क. 046006600000463 दि. अमरावती जिल्हा मध्यवर्ती सहकारी बँक लि., अमरावती. यांच्या नावाने काढण्यात यावा.
3. निविदा ही पंजीबंध तांत्रिक व निविदा लिफाफा मध्ये असावेत, तांत्रिक लिफाफा उघडल्यानंतर सर्व कागद पत्रे असणे आवश्यक आहे, नंतर वेळ दिल्या जाणार नाही.
4. निविदा लिफाफा स्वीकारण्याचे तसेच काही कारणात्सव निविदा रद्द करण्याचे अधिकार ग्रा.प. ने राखीव ठेवले आहे.
5. सुट्टीच्या दिवशी कार्यालइन वेळेत निविदा स्वीकारण्यात येईल.

सचिव
ग्रामपंचायत कार्यालय
येनस

संयुक्त परिवार है आज की सबसे बड़ी जरूरत

सभी के जिम्मेदारी सही तरीके से निभाने से होगा सुधार-हेमंतकुमार पटेरिया

दीपावली त्याग के साथ ही लोगों को खुशियां देने का त्यौहार है. बिना परिवार के खुशी संभव नहीं होती है. संयुक्त परिवार तो खुशियों का आधार होता है. यही कारण है कि यहां पर संयुक्त परिवार के अभाव में खुशियां गायब हुई हैं. जो लोग अपनों के नहीं होते हैं, वह किसी के नहीं हो सकते हैं. इसलिए अपने लोगों की भावनाओं को सदा समझने का प्रयास करना चाहिए. जो स्वयं जलकर भी औरों को उजाला देता है. जीवन में खुशियां केवल धनदौलत से नहीं आती है, वह आती हैं अपनों के प्रेम, अपनों के अपनेपन और एक दूसरे से सम्मान से किए जाने वाले व्यवहार है. आज के दौर में कई बार एकाकी वाली स्थिति आती है. लोगों को उंगली दिखाना आसान रहता है लेकिन स्वयं आदर्श रहना कठिन रहता है.

इन्सान केवल अपने लिए नहीं होना चाहिए. वह परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए भी समर्पित होना चाहिए. परिवार में अच्छा रहने वाला व्यक्ति समाज और राष्ट्र के लिए अच्छा रहना ही है. आज खुशियां कहीं न कहीं सिमट रही है, लोग अपने आप को ही सही मानने की भावना बढ़ रही है. ऐसे में यह जरूरी है कि जितना संभव हो सके हम स्वयं के साथ ही समाज और राष्ट्र के लिए भी समर्पित रहने का प्रयास करें. दीपावली भी हमें परमार्थ की ही सीख देती है. अपने लिए तो जानवर भी जी लेते हैं. लेकिन जो व्यक्ति केवल अपने लिए नहीं बल्कि मानवता की सेवा, जरूरतमंदों की यथासंभव मदद के लिए जीता है, असली जिंदगी में वह भी किसी हीरो से कम नहीं होता है. मानवता की सेवा भी सबसे बड़ी सेवा होती है. ऐसे में हर व्यक्ति को इस सेवा को करने का प्रयास करना चाहिए. अमरावती शहर में परशुराम अन्नदान सेवा समिति ने सेवा के दो साल पूरा कर लिया है. यह गौरव के साथ ही गर्व की भी बात है. युवाओं का इसी तरह का प्रयास भावी पीढ़ी के लिए आदर्श बनता है. समाजसेवी, मानवसेवी सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता हेमंतकुमार पटेरिया जीवन में स्वयं बेहतरीन रहने के साथ ही हर नेक काम में सहयोग की भावना रखते हैं. दीपावली के पावन पर्व पर उन्होंने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी है.

संयुक्त परिवार होती है सबसे बड़ी ताकत

अमरावती- जीवन में एकता का बड़ा महत्व होता है. इसकी शुरूवात घर से होती है. जहां एकता है, वहीं शक्ति है. संयुक्त परिवार सबसे बड़ी ताकत होती है. इसके बाद समाज और राष्ट्र की एकता ही विकास का मार्ग तय करती है. इसलिए एकता के सूत्र में सदा बंधा रहना चाहिए. इस आशय का मत युवा व्यवसायी अविनाश सोनटक्के ने किया. उनके मुताबिक राष्ट्र से बड़ा कुछ नहीं हो सकता है. न धर्म न कास्ट, सबसे पहले राष्ट्र को वे महत्वपूर्ण बताते हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में राष्ट्रप्रेम को ही सर्वोपरि मानते हुए देश को विकास के मार्ग पर अग्रसर किया है, वे युवाओं के जहां आदर्श हैं, वहीं आज देश सभी मोर्चों पर तरक्की कर रहा है. जो पड़ोसी देश सदैव खुराफात करते थे, उनके यहां खाने के लाले पड़ गए हैं, इस तरह की बेहतरीन भूमिका के साथ ही राम मंदिर का निर्माण हो, देश में राष्ट्रीय महामार्गों का जाल हो अथवा अंतरिक्ष में भारत का परचम फहराने का काम भाजपा सरकार ने किया है. यह कहना है कि भाजपा के अंबापेठ मंडल के महासचिव, सुख्यात युवा व्यवसायी, अर्चना मेडिकल्स, कृष्णा फार्मासी के संचालक अविनाश सोनटक्के का. उनके मुताबिक राष्ट्र अगर सुरक्षित रहेगा तो ही कोई भी तरक्की कर सकेगा, सुख का जीवन बिता सकेगा. इसलिए सर्वप्रथम राष्ट्र और इसके बाद ही अन्य बात हो सकती है.

देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत रहने वाले अविनाश सोनटक्के जितने सफल व्यवसायी हैं, उससे भी अच्छे इन्सान हैं. सामाजिक कामों में अग्रणी रहने के साथ ही धर्म, कर्म के साथ ही शहर के विकास के बारे में भी सदैव तत्पर रहते हैं. यारों के दिलदार यार के रूप में अविनाश सोनटक्के न केवल शहर गरीब, जरूरतमंद मरीजों को समुचित मार्गदर्शन देने के साथ ही यथासंभव मदद करने वाले व्यवसायी हैं. उनका स्पष्ट मानना है कि युवाओं में असीमित क्षमता होती है. जरूरत इसे गति देने की रहती है. भारत युवाओं का देश है, अगर इसका सही उपयोग हो सके तो निश्चित तौर पर हमारा देश विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति बन सकता है. नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह बात लगातार साबित हो रही है. इसके लिए सभी से समुचित ध्यान देने का आग्रह कर दीपावली की शुभकामनाएं दी.

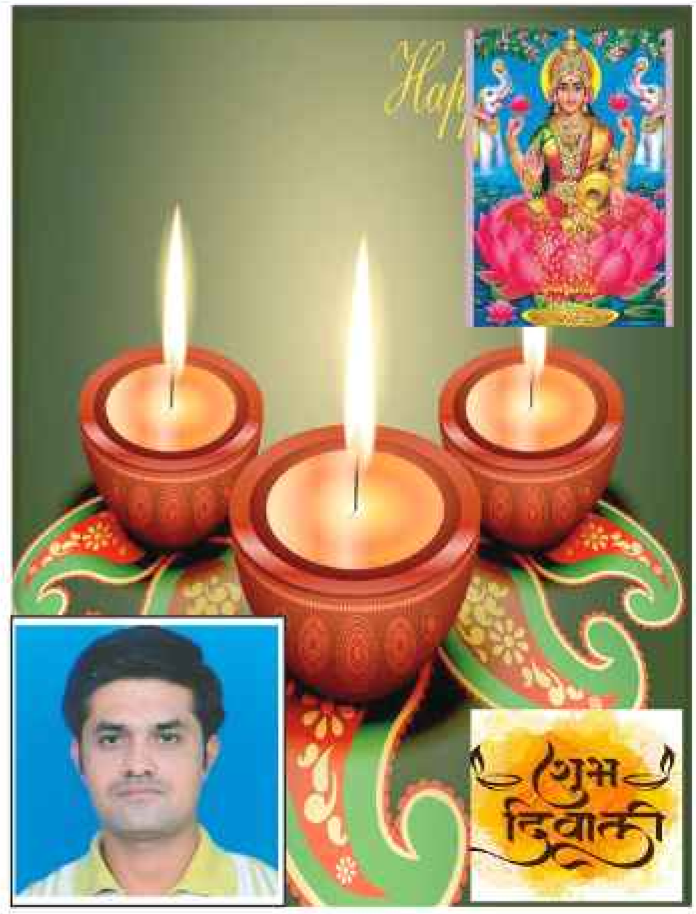

- शुभेच्छुक -

अविनाश सोनटक्के (युवा व्यवसायी और समाजसेवी) तथा परिवार, अमरावती.

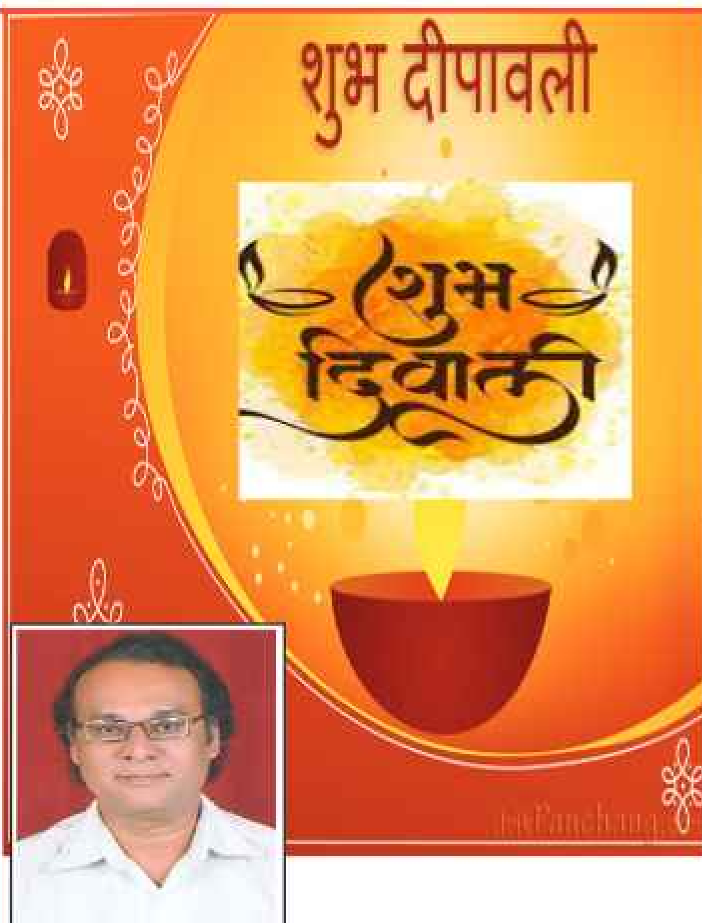

दीपावली तथा नववर्ष की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं,सभी का जीवन खुशियों से आबाद रहे, यही कामना.

- शुभेच्छुक -

डॉ.राजेन्द्र नवाथे, सौ. नवाथे परिवार

संचालक-राजलक्ष्मी मेडिकल्स, नवाथे प्लॉट, कृष्णार्पण कॉलोनी, अमरावती.

शुभेच्छुक

एड.नरेन्द्र बैजनाथजी दुबे सुख्यात अधिवक्ता एवं समाजसेवी, सौ. दुबे तथा दुबे परिवार,अमरावती.

अपने कार्यों से लोगों के दिलों में रहते हैं कुछ अधिकारी

देवरणनगर केन्द्र के लिए सदा बेस्ट रहे हैं सुधीरकुमार वानखडे, धुमाले, गुर्जर जैसे सहायक अभियंता,सेवा को देते हैं सदा महत्व

विदर्भ स्वाभिमान,15 अक्तूबर

अमरावती- किसी भी विभाग का कर्मठ और संवेदनशील अधिकारी लोगों के दिलों में रहता है. अमरावती में कई ऐसे अधिकारी हुए हैं, जो आज भी सम्मान से याद किए जाते हैं. इसी तरह देवरणनगर बिजली केन्द्र के समर्पित,कर्मठ अधिकारी के रूप में सुधीर कुमार वानखडे, रवि धुमाले तथा वर्तमान अधिकारी गुर्जर के साथ ही एमआईडीसी केन्द्र के बिपिन श्रीराव की संवेदनशीलता भी निश्चित तौर पर सराहनीय है. तीनों ही अधिकारियों में सेवा का भाव रहने के कारण कभी भी यह ग्राहकों के दिलों में अपनी जगह बनाएं हैं. कुछ साल पहले तक जहां इस केन्द्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में बिजली की आंखमिचौली से लोग त्रस्त थे, लेकिन वानखडे के पश्चात धुमाळे की कर्मठता के कारण आज क्षेत्र में बिजली की समस्या से राहत मिली है. आदर्श बिजली बोर्ड अधिकारी समाज के विकास का अदृश्य नायक होता है. उसकी मेहनत से घरों में उजाला, उद्योगों में प्रगति और गांवों में रोशनी रहती है. उसका कार्य केवल बिजली पहुंचाना नहीं, बल्कि ऊर्जा के माध्यम से जीवन में प्रकाश फैलाना है. महावितरण की जिम्मेदारी भी सबसे महत्वपूर्ण होती है. उक्त तीनों ही अधिकारियों ने अपने कार्य से इस तरह का स्थान बनाया था कि आज भी लोग उनके कार्यों को लेकर गर्व का अनुभव करते हैं. महावितरण के एमआईडीसी केन्द्र के उपअभियंता बिपिन श्रीराव भी ऐसे ही अधिकारी हैं, ग्राहकों की शिकायतों को न केवल गंभीरता से लेते हैं, बल्कि उसका निराकरण करने के लिए दिल से प्रयास करते हैं, यही कारण है कि यह अधिकारी ग्राहकों के दिलों में बैठते हैं.

महावितरण में जहां ऐसे अधिकारियों के कारण कंपनी की साख बनती है, वहीं काम तो सभी को करना होता है लेकिन अपने काम के तरीके की छाप कुछ ही लोग डाल पाते हैं.

बिजली बोर्ड का अधिकारी वह व्यक्ति होता है, जो जनता तक सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी निभाता है. एक आदर्श अधिकारी वह होता है जो केवल अपने पद का दायित्व नहीं निभाता, बल्कि जनता की सुविधा, पारदर्शिता और सेवा भावना को सर्वोपरि मानता है. उक्त तीनों ही अधिकारी अपने कार्य में पूरी जिम्मेदारी दिखाते है, समय पर निर्णय लेने है और आपूर्ति बाधित होने पर तुरंत कार्रवाई करते हुए ग्राहकों को तत्काल राहत दिलाते हैं. तीनों का यद्यपि यहां से तबादला हुआ है लेकिन आज भी उनके कार्यों की प्रशंसा करने वालों की कमी नहीं है. वह यहीं नहीं जहां भी जाते हैं, अपनी अमिट छाप कार्य के बलबूते छोड़ आते हैं. रवि धुमाले फिलहाल अकोला तथा सुधीर कुमार वानखडे का भी प्रमोशन होकर वे भी जहां सेवारत हैं, वहां के लोगों का दिल जीतने में सफल हो रहे हैं. ऐसे ही अधिकारी हैं कार्यकारी अभियंता प्रदीप अंधारे. अमरावती में डफरीन में सेवा के दौरान उनकी कर्मठता देखने का मौका मिला. ग्राहकों की शिकायतों को सदा गंभीरता से लेने और उसका निराकरण करने में अग्रणी रहते थे.जनता की शिकायतों को सहानुभूति और तत्परता से सुनना सभी का प्रमुख गुण होता है. वह हर उपभोक्ता को सम्मानपूर्वक व्यवहार देने के साथ उनकी शिकायतों का निराकरण करने तत्पर रहते हैं. बिजली व्यवस्था, ट्रांसफार्मर, मीटरिंग, बिलिंग और वितरण की तकनीकी जानकारी होती है, जिससे समस्याओं का समाधान शीघ्र हो सके.

भ्रष्टाचार और पक्षपात से दूर रहकर वह निष्पक्ष निर्णय लेता है. कार्य में पारदर्शिता और सत्यनिष्ठा उसकी पहचान होती है. कार्यकारी अभियंता प्रदीप अंधारे के मुताबिक हमें जो जिम्मेदारी दी जाए, उसे समर्पित और सही तरीके से निभाने का प्रयास किया जाता है. जिस तरह समर्पित मन से किया गया कार्य कभी विफल नहीं होता है, उसी तरह दिल से किया गया कोई काम कभी फेल नहीं हो सकता है. बिपिन श्रीराव स्वभाव के जहां बेहतरीन अधिकारी हैं, वहीं ग्राहकों की समस्या का निराकरण करने में उनकी तत्परता सराहनीय है. बारिश, तूफान या अन्य आपदाओं के समय वह टीम का नेतृत्व करते हुए अपने कर्मचारियों के साथ सहयोगपूर्ण वातावरण बनाकर कार्य करवाने में माहिर हैं. काम सभी करते हैं लेकिन दिल से कार्य करने वाले सदा याद किए जाते हैं. ऐसे अधिकारियों को विदर्भ स्वाभिमान सैल्यूट करता है.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

- शुभेच्छुक -

प्रदीपभाऊ सोनटक्के, सौ. सोनटक्के तथा परिवार, शंकर नगर रोड, अमरावती

वैद्यकीय सेवा को डाक्टर शर्मा दम्पति ने किया गौरवान्वित

मरीजों की बेहतरीन सेवा के साथ देते हैं सही राय,हजारों की हासिल की है दुवाएं,जीता है विश्वास,समूचे विदर्भ से आते हैं मरीज

अमरावती - कहते हैं कि जीवन में सैकड़ों लोग आते हैं लेकिन कुछ ही लोग दिल में अपना प्रेम पैदा कर पाते हैं. ऐसे ही लोगों में हैं शर्मा चिल्ड्रेन्स हास्पीटल के संचालक डॉ.राजेश शर्मा और डॉ.प्रांजलताई शर्मा. पिछले 25 साल से अधिक समय से दोनों के अपनेपन और आत्मीयता का अनुभव निश्चित तौर पर जीवन की बड़ी पुंजी से कम नहीं है. सम्पन्नता में भी कोई किस तरह विनम्रता के साथ संबंधों को निभाता है, इसके यह दोनों ही परिचायक हैं. गोविंदा के भक्त रहने के साथ ही काम के प्रति उतने ही संवेदनशील और समर्पित. आज दोनों ने अपने क्षेत्र में आसमानी बुलंदी हासिल करते हुए सदा वैद्यकीय सेवा के क्षेत्र को गौरवान्वित किया है. गरीब से गरीब मरीज को हिम्मत बंधाने का कार्य दोनों करते हैं. वे कहते हैं कि दिल से और नेक भाव से किया गया कोई काम बेकार नहीं जाता है.

जीवन में की गई अच्छाई कभी बेकार नहीं जाती है. वैसे ही बुरा कर्म कभी इन्सान का साथ नहीं छोड़ता है. वैद्यकीय व्यवसाय के मामले में आज लोगों की भावना बदलने लगी है. इसके बाद भी आज भी कई डाक्टर ऐसे हैं, जिनको लोग किसी देवदुत से कम नहीं मानते हैं. ऐसे ही डाक्टर दम्पति के रूप में बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश शर्मा और महिला रोग व प्रसुति तज्ञ के रूप में डॉ. प्रांजल शर्मा का उल्लेख किया जा सकता है. दोनों जितने काबिल डाक्टर हैं, उससे भी बेहतरीन संवेदनशील और दुसरों की भावनाओं का ख्याल करने के साथ ही सदैव सहयोग करने वाले आदर्श दम्पति हैं. ऐसे अनगिनत उदाहरण हैं, जब डॉ. शर्मा दम्पति को लोग देवदुत से कम नहीं मानते हैं. इस बारे में दोनों का कहना है कि प्रभु ने उन पर जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे निभाने का प्रयास वे करते हैं. बेटे डॉ.अथर्व को शादी में उमड़े लोग इस बात के सबसे बड़े उदाहरण थे कि यह दम्पति संबंधों को भी कितना महत्व देता है.

वैद्यकीय क्षेत्र में विश्वासनीयता इतनी है कि अस्पताल में सदैव मरीजों की भीड़ रहती है. महिलाओं को समुचित मार्गदर्शन करने के साथ ही कम खर्च में बेहतरीन इलाज के कारण ही दोनों को अभी तक कई पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं. उल्लेखनीय मरीज सेवा के लिए डॉ. प्रांजल शर्मा को राज्यपाल के हाथों पुरस्कार प्राप्त हो चुका है. वैद्यकीय क्षेत्र को व्यवसायकी बजाय सेवा का माध्यम मानने वाली डॉ.प्रांजल शर्मा फिलहाल जिला महिला प्रसुति संगठन की अध्यक्ष के रूप में भी कई बेहतरीन उपक्रम उन्होंने शुरू किए. ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं अपार विश्वास के साथ आती हैं. गरीब मरीजों की यथासंभव मदद के लिए भी सदैव तत्पर रहती हैं. सामाजिक दायित्व की भावना से कई स्वास्थ्य जांच शिविरों में योगदान, कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ जनजागरण के साथ ही बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर भी सदैव काम किया है. बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश शर्मा और महिला रोग व प्रसुति तज्ञ के रूप में डॉ. प्रांजल शर्मा सेवाभावी डाक्टर हैं, जो मरीज सेवा को ही ईश्वर सेवा मानते हैं. दोनों ने दीपावली को त्याग का पर्व बताते हुए सभी से अपनी खुशियों में इससे वंचित लोगो को भी शामिल करने और खुशियां बांटने का संदेश देते हुए शुभकामनाएं दी हैं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

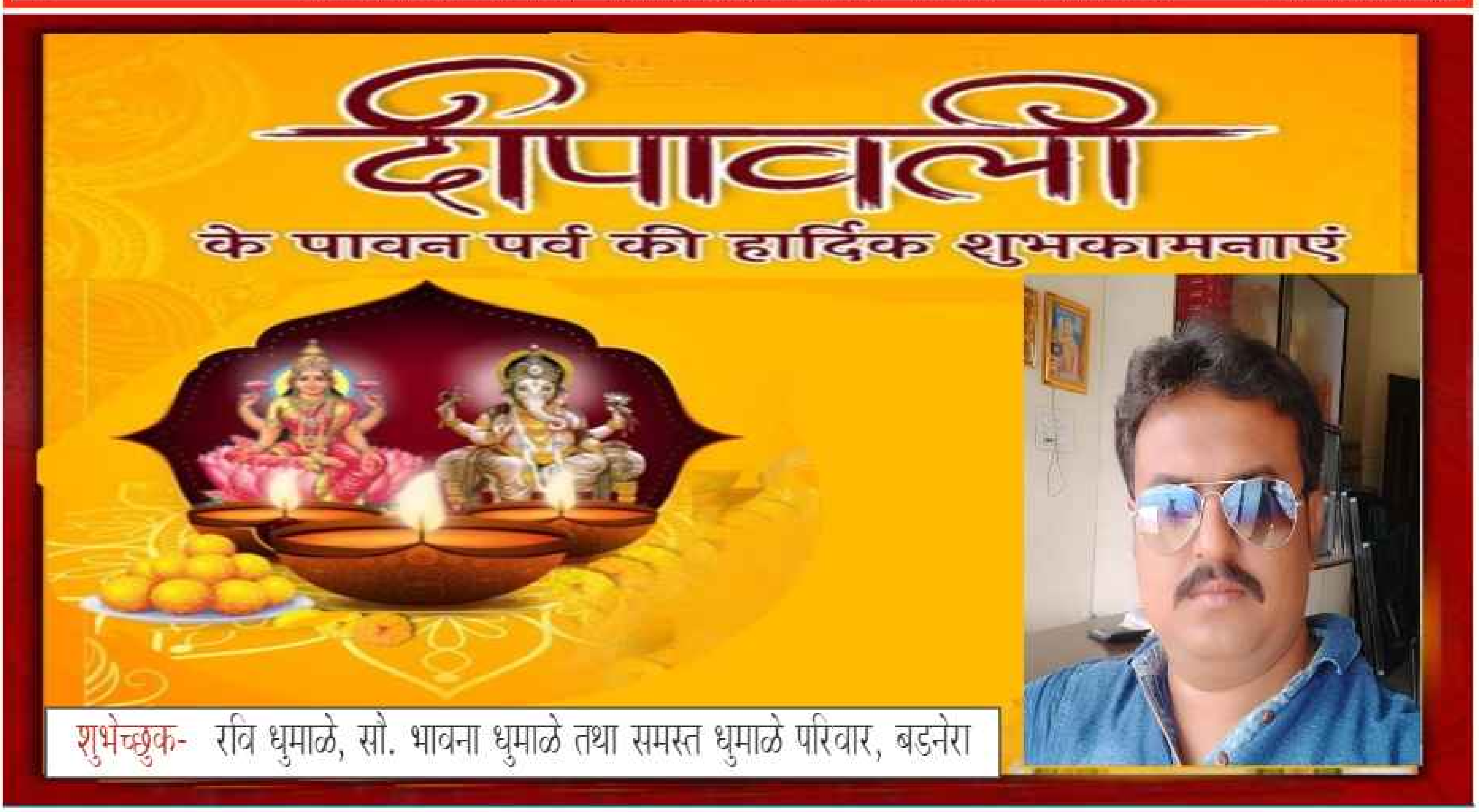

ख़ुशियां बांटते रहें, बढ़ कर लौटेंगी, अपार संतोष मिलेगा

उपाध्याय ड्रायफ्रूट एवं उपाध्याय मिठाईयों के संचालक रामेश्वर उपाध्याय ने कहा,ग्राहकों का विश्वास सबसे बड़ी कमाई

अमरावती- दीपावली का पर्व त्याग के साथ ही खुशियों का पर्व रहता है. लेकिन इस दौरान मानवता की मिसाल भी दिखाई देती है. शहर में विभिन्न संगठनों द्वारा गरीबों, मजबूरों, आदिवासियों, दिव्यांगों की मदद का सिलसिला चलता है. दीपावली खुशहाली का माध्यम बनना चाहिए. इस आशय का मत सुख्यात समाजसेवी और व्यवसायी उपाध्याय व्यावसायिक ग्रुप के प्रमुख रामेश्वर उपाध्याय ने किए. उनके मुताबिक हर व्यक्ति को अपनी क्षमता के मुताबिक अपने से कमजोर समाजबंधु अथवा व्यक्ति की मदद करने का प्रयास करना चाहिए. उनके मुताबिक जो लोग दूसरों को खुशियां बांटते हैं, परमात्मा की सदा उन पर कृपा रहती है, इसकी सीख निश्चित तौर पर दीपक देता है, जो स्वयं जलकर भी अन्यों को उजाला देता है. वे कहते हैं कि हमारी सम्पन्नता हमारी मेहनत तो है लेकिन परमात्मा की कृपा और नेकियों का आशिर्वाद भी होता है. वर्ना दुनिया में हमसे भी बेहतरीन सोच रखने वाले जिंदगी भर परेशान रहते हैं. वहीं हमारी थोड़ी सी मेहनत भी हमें कामयाब बनाती है.

किसी भी क्षेत्र में कामयाबी स्पर्धा के दौर में आसान नहीं है. लेकिन इसके साथ ही काम के प्रति समर्पण हो, मेहनत तथा लगन की तैयारी हो तो कोई भी बात असंभव भी नहीं है. इस आशय का प्रतिपादन शहर ही नहीं तो विदर्भ स्तर के सुख्यात समाजसेवी एवं उपाध्याय ड्रायफ्रूटस जवाहर गेट के भीतर के संचालक एवं समाजसेवी रामेश्वर उपाध्याय ने किया है. उनके मुताबिक दीपावली खुशियों का त्यौहार है, ऐसे में सभी को अपने स्तर पर अपने से कमजोर वर्गों को मदद करने का काम करना चाहिए.इससे निश्चित ही आत्मिक प्रसन्नता के साथ ही मानवता की ज्योति जलाने में मदद मिलती है. दीपावली वैसे भी त्याग का ही तो संदेश देता है.

ग्राहकों का प्यार,विश्वास है असली दौलत

उपाध्याय प्रतिष्ठान के संचालक, भक्तिभाव से परिपूर्ण रहने वाले रामेश्वर उपाध्याय के मुताबिक ग्राहकों का विश्वास ही उपाध्याय मिठाईयों और उपाध्याय की ड्रायफ्रूट्स की कामयाबी का कारण है. तत्पर, विश्वासनीय और जल्द सेवा देने का प्रयास सदा करते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान के साथ दीपावली के उपलक्ष्य में बातचीत करते हुए उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में जवाहर गेट के भीतर उपाध्याय ड्रायफ्रूट की स्थापना की. ग्राहकों के प्यार और विश्वास के बलबूते अल्प समय में ही इस प्रतिष्ठान ने नाम कमाया और आज सुबह से लेकर रात तक ग्राहकों की भीड़ रहती है. यहां पर ड्रायफ्रूट की पूरी रेंज उपलब्ध रहती है. इसमें काजु, बादाम, पिस्ता, अंजीर, अखरोट, किसमिस, जरद आलु, चिलगोजा, खजूर, खारिक, काली मनुक्का अबनोस के साथ अन्य जरूरी साहित्य वाजिब कीमत पर बेहतरीन गुणवत्ता में उपलब्ध रहता है. अपनी अथक मेहनत, लगन, परिवार के साथ के कारण आज कामयाबी की बुलंदी हासिल करने वाले रामेश्वर उपाध्याय इतनी ऊंचाई पर रहने के बाद भी उनकी शालीनता, सादगी तथा विनम्रता किसी को भी प्रभावित किए बगैर नहीं रहती है. यही कारण है कि हजारों मित्र परिवार तैयार हुए हैं. दोनों ही प्रतिष्ठानों में ग्राहकों की भीड़ जहां उनकी लोकप्रियता का सबूत है, वहीं हर ग्राहक के साथ आत्मीयता से बातचीत करने वाली उनकी अदा के कारण एक बार आने वाला ग्राहक हमेशा का हो जाता है.

आज के दौर में जहां परिवार संस्कृति प्रभावित हो रही है, हम दो,हमारे दो का चल रहा है लेकिन शहर में आज भी कई ऐसे संयुक्त परिवार हैं, जो ताकत,एकता, आपसी प्रेम तथा विश्वास के पुरोधा बने हैं. ऐसे ही परिवार में शामिल है रामेश्वर उपाध्याय. बड़े रहने के बाद भी बच्चों पर विश्वास के साथ बच्चों ने भी जिस तरह से व्यवसाय को संभाल लिया है. कामयाबी की आसमानी बुलंदी पर पहुंचने के बाद भी उनमें गर्व या अहंकार बिल्कुल ही नहीं है. दीपावली पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दीं. साथ ही सभी के जीवन में अपार खुशी और प्रेम का विश्वास व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि सभी का जीवन खुशियों से लबरेज रहे.

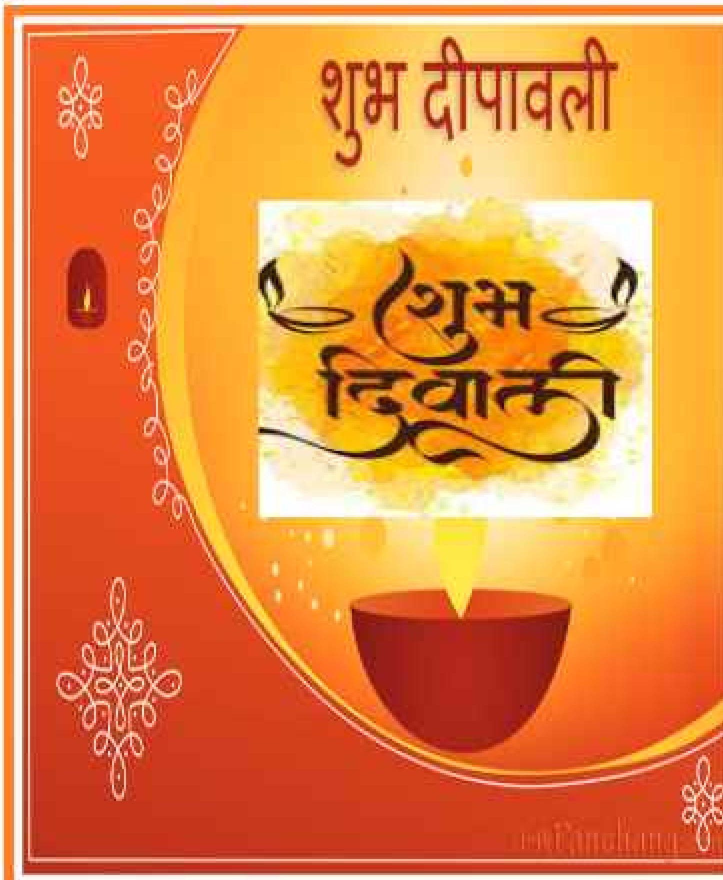

दीपावली तथा नववर्ष की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं,सभी का जीवन खुशियों से आबाद रहे, यही कामना.

- शुभेच्छुक -

प्रवीण गुप्ता तथा परिवार

संचालक-गुप्ता सीमेंट डेपो, यशोदा नगर चौक, अमरावती.

गुरूकृपा से सब कुछ संभव है-रितेश शिरभाते

अमरावती- जीवन में प्रभु ने हमे जीवन दिया है लेकिन माता-पिता और गुरूदेव ने इसे संभाला है. गुरूकृपा से कुछ भी असंभव नहीं है. आज जिंदगी बहुत छोटी हो गई है, हर व्यक्ति को जितना संभव हो नेक काम करने और मानवता का दीपक जलाने का प्रयास करना चाहिए. इस आशय का प्रतिपादन श्री रूक्मिणी वल्लभ झुणका भाकर केन्द्र के संचालक और आचार्य रामराजेश्वराचार्य माऊली सरकार के अनन्य भक्त रितेश शिरभाते ने किया. गुरूदेव के चरणों में अपार संतोष मिलने तथा कई अनुभवों को बताते हुए रितेश शिरभाते भावुक हो जाते हैं. उनके मुताबिक वे भाग्यशाली हैं, जिन्हें गुरूजी का सानिध्य मिला है.विदर्भ के रूक्मिणीपीठ के साथ ही गुरूजी के साथ रहने पर अपार उर्जा प्राप्त होने की बात कहते हैं. वे कहते हैं कि जीवन में गुरूजी ने जिस तरह से संभाल लिया है, निश्चिंत किया है, वह उनके जीवन की सबसे बड़ी कमाई है.उनके मुताबिक भक्तिभाव से जीवन संवरता है और खुशियां ही खुशियां मिलती हैं. उन्होंने सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सुख,समृद्धि तथा स्वास्थ्य की कामना की. विदर्भ स्वाभिमान को दिए गए साक्षात्कार में रितेश शिरभाते ने कहा कि बढ़ती आत्महत्याओं , युवाओं में गुस्सा होने के साथ ही अन्य कई परेशानियां व्यक्ति का स्वास्थ्य बिगाड़ती हैं. इसके लिए सद्गुरू का सानिध्य और आशिर्वाद के साथ ही आदर्श संस्कार मिलना जरूरी होता है. युवाओं को व्यसन से दूर रहने और अपने माता-पिता का सहारा बनने की सीख देते हुए रितेश शिरभाते कहते हैं कि माता-पिता के अरमानों के साथ ही आदर्श विचार आपको आगे बढ़ाते हैं. उनके मुताबिक मेहनत, लगन, जिद और सदैव प्रयास करते रहने वाला इन्सान जीवन में कभी विफल नहीं होता है. ऐसे में सदैव इन विशेषताओं को स्वयं में प्राप्त करें. जीवन तो प्रभु का प्रसाद है, यह खुश होकर और सभी को खुश रखते हुए जीने का प्रयास करना चाहिए.

शुभ दीपावली

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

संयुक्त परिवार | मानव सेवा | पर्यावरण संतुलन

दीपावली विशेषांक

विकासदृष्टि रखने वाले आदर्श सेवाभावी विधायक हैं प्रतापदादा अडसड़

अर्चनाताई भी जनसेवा में रहती हैं कंधे से कंधा मिलाकर सक्रिय

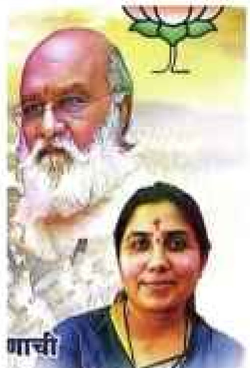

धामणगांव रेलवे सहित तीन तहसीलों के विकास की जिम्मेदारी बेहतरीन तरीके से निभाने वाले प्रतापदादा अडसड़ को राजनीति की सीख पिता और वरिष्ठ भाजपा नेता अरूणभाऊ अडसड़ से मिली है. बहन अर्चनाताई और क्षेत्र में अक्का के नाम से सुख्यात अर्चनाताई के साथ के कारण आज क्षेत्र में करोड़ों का विकास काम हो रहा है. विकास में धामणगांव को सबसे आगे रखने की दिशा में अडसड़ परिवार का प्रयास है. यही कारण है कि लोगों में अपार लोकप्रियता प्राप्त हुई है.

वह ऐसे आदर्श विधायक हैं जो जनप्रतिनिधि ही नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, अपेक्षाओं और सपनों का संवाहक भी होता है. आदर्श सेवाभावी विधायक के रूप में उन्हें जाना जाता है.वे राजनीति को सेवा का माध्यम मानता है, न कि सत्ता का साधन. विधायक का व्यक्तित्व समर्पण, संवेदनशीलता और जनसेवा के भाव से ओतप्रोत है. वह जनता के सुख-दुख में सदैव साथ खड़े रहते हैं.उसके लिए कोई भी व्यक्ति छोटा या बड़ा नहीं होता; हर नागरिक समान महत्व रखता है.क्षेत्र के हर मतदाता की मदद के साथ ही उसकी समस्या का निराकरण करने के लिए अर्चनाताई उर्फ अक्का सदा प्रयासरत रहती हैं. आदर्श विधायक की पहचान उसके सादगीपूर्ण आचरण, निष्कलंक चरित्र और निष्ठावान कार्यशैली से होती है. अडसड़ परिवार क्षेत्र में संस्कारी परिवार के रूप में पहचाना जाता है. वे जनता की समस्याओं को न केवल सुनता है बल्कि उनके समाधान के लिए तत्पर रहता है. शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, जल, पर्यावरण आदि क्षेत्रों में विकास कार्यों को आगे बढ़ाने में उसकी रुचि रहती है.विधायक प्रतापदादा अडसड पारदर्शी प्रशासन, स्वच्छ राजनीति और ईमानदार शासन का पक्षधर होता है. जनहित को सर्वोपरि रखते हुए वह दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम करता है. अपने क्षेत्र के युवाओं में ऊर्जा और दिशा का संचार करता है, महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए योजनाएं बनवाते हैं. क्षेत्र के युवाओं को रोजगार दिलाने से लेकर सड़क,मार्ग विकास सहित खेल के विकासार्थ और क्षेत्र के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हैं. किसानों की समस्या के निराकरण के लिए भी दादा मुख्यमंत्री के माध्यम से लगातार प्रयास करते हैं. किसानों की समस्याओं को समझ कर ठोस पहल करता है.आदर्श सेवा भावी विधायक का व्यक्तित्व विनम्रता, धैर्य, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का संगम होता है. उसके नेतृत्व में जनता को सुरक्षा, विकास और आत्मविश्वास का अनुभव होता है.दीपावली के पावन पर्व पर सभी देशवासियों को मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं देने के अलावा सभी के जीवन में सुख,समृद्धि और प्रगति की कामना की. साथ ही विश्वास दिलाया कि जनता ने जो विश्वास उन्हें विधायक के रूप में जताया है, उस विश्वास को लगातार बढ़ाने में अपनी पूरी ताकत लगा देंगे. उन्होंने सभी के स्वस्थ जीवन की कामना की.

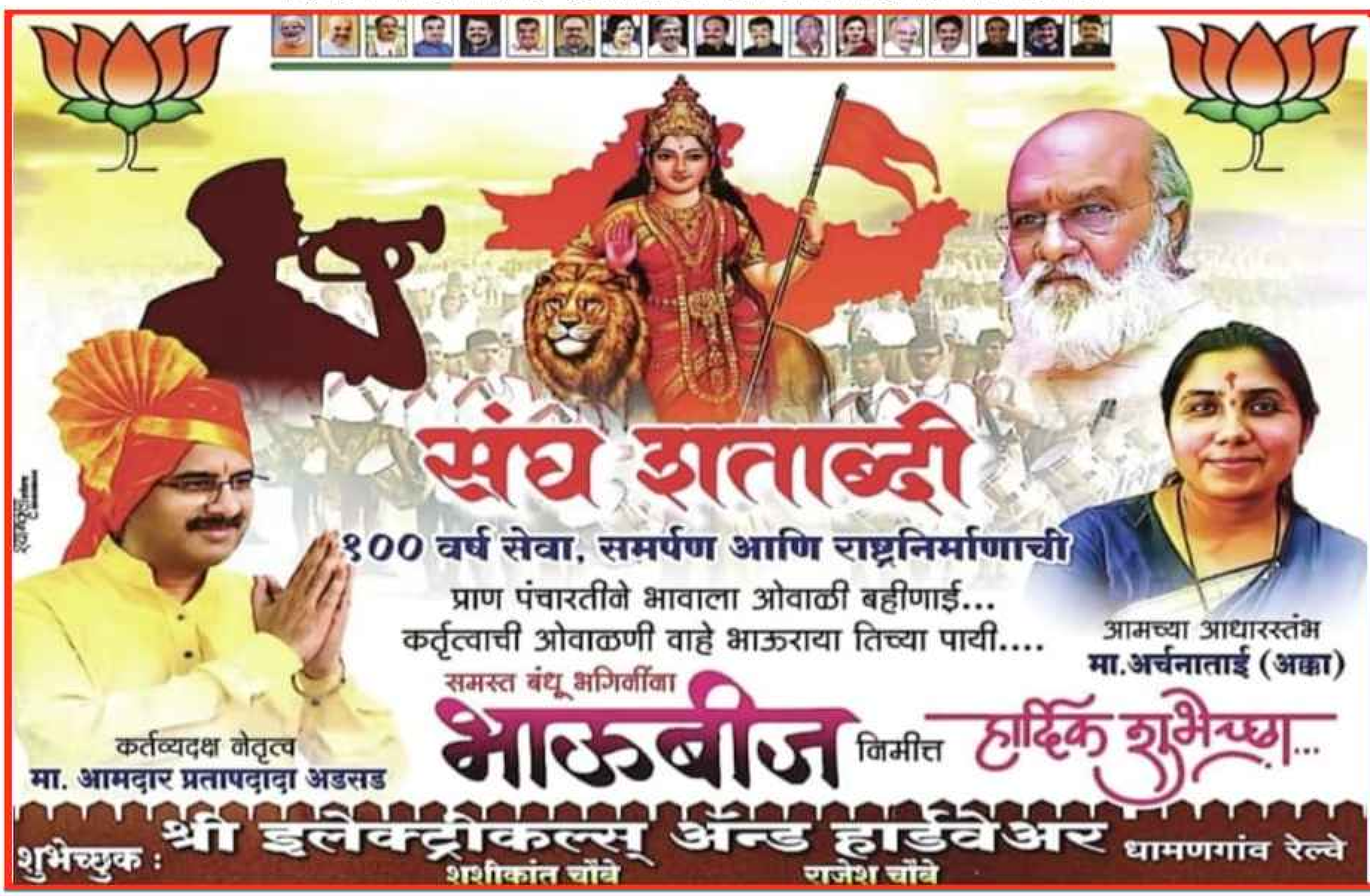

आदर्श है राजेन्द्रकुमार मिश्रा का परिवार

हर सदस्यों में प्रेम,आत्मीयता को जीतेन्द्रकुमार मानते हैं परिवार की ताकत

अमरावती- आदर्श स्वस्थ औषधी केन्द्र के संचालक जीतेन्द्रकुमार मिश्रा जहां बड़े भाई राजेन्द्रकुमार मिश्रा के नेतृत्व वाले अपने परिवार को आदर्श परिवार मानते हैं, वहीं उनका कहना है कि संयुक्त परिवार खुशियों का जहां बड़ा आधार होता है, वहीं दूसरी ओर एकता से मजबूती और आत्मीयता से स्वास्थ्य संबंधी मुसीबतों के समय बड़ा आधार होता है. आज हम-दो हमारे दो के दौर में जहां तनाव तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दुसरी ओर संयुक्त परिवार की प्रगति और खुशी दोनों ही सराहनीय होती है. परिवार में दोनों भाईयों के साथ ही महिलाओं और तीसरे पीढ़ी के बच्चों में अपार प्रेम को वे सबसे बड़ी दौलत मानते हैं. भुतेश्वर चौक क्षेत्र निवासी मिश्रा परिवार सफलतम व्यवसायी, संस्कारित परिवार के साथ ही सेवाभाव तथा भक्तिभाव में भी सदा आगे रहता है. राजेन्द्रकुमार के मुताबिक परिवार मानव जीवन की पहली पाठशाला होता है. यहीं से व्यक्ति जीवन जीने की कला, संस्कार, प्रेम, अनुशासन और जिम्मेदारी का पाठ सीखता है. परिवार केवल कुछ लोगों का समूह नहीं, बल्कि भावनाओं, त्याग, स्नेह और सहयोग का संगम होता है.आदर्श परिवार वह होता है, जहां सभी सदस्य एक-दुसरे के सुख-दुःख में सहभागी बनते हैं. जहां बुजर्गों का सम्मान किया जाता है, बच्चों को प्रेम और शिक्षा दी जाती है तथा सभी के बीच आपसी सहयोग और विश्वास की भावना होती है. ऐसा परिवार समाज के लिए एक उदाहरण बन जाता है.

संस्कार और एकता का आधार-संस्कार आदर्श परिवार को जड़ होते हैं. जब परिवार के सदस्य एक-दुसरे का आदर करते हैं, गलतियों को माफ करते हैं और हर स्थिति में साथ खड़े रहते हैं, तो वह परिवार सच्चे अर्थों में आदर्श कहलाता है. एकता ही परिवार की सबसे बड़ी ताकत होती है. जीतेन्द्रकुमार जहां व्यवसाय के साथ भक्तिभाव से ओतप्रोत हैं, वहीं भाभी के साथ ही पूरे परिवार में अपार प्रेम ही उनकी सबसे बड़ी ताकत मानते हैं.

—शुभेच्छुक—

राजेन्द्रकुमार मिश्रा, सौ. मिश्रा, जीतेन्द्रकुमार मिश्रा तथा समस्त मिश्रा परिवार,अमरावती.

संचालक-आदर्श स्वस्त औषधि भंडार, भूतेश्वर चौक के करीब, अमरावती.

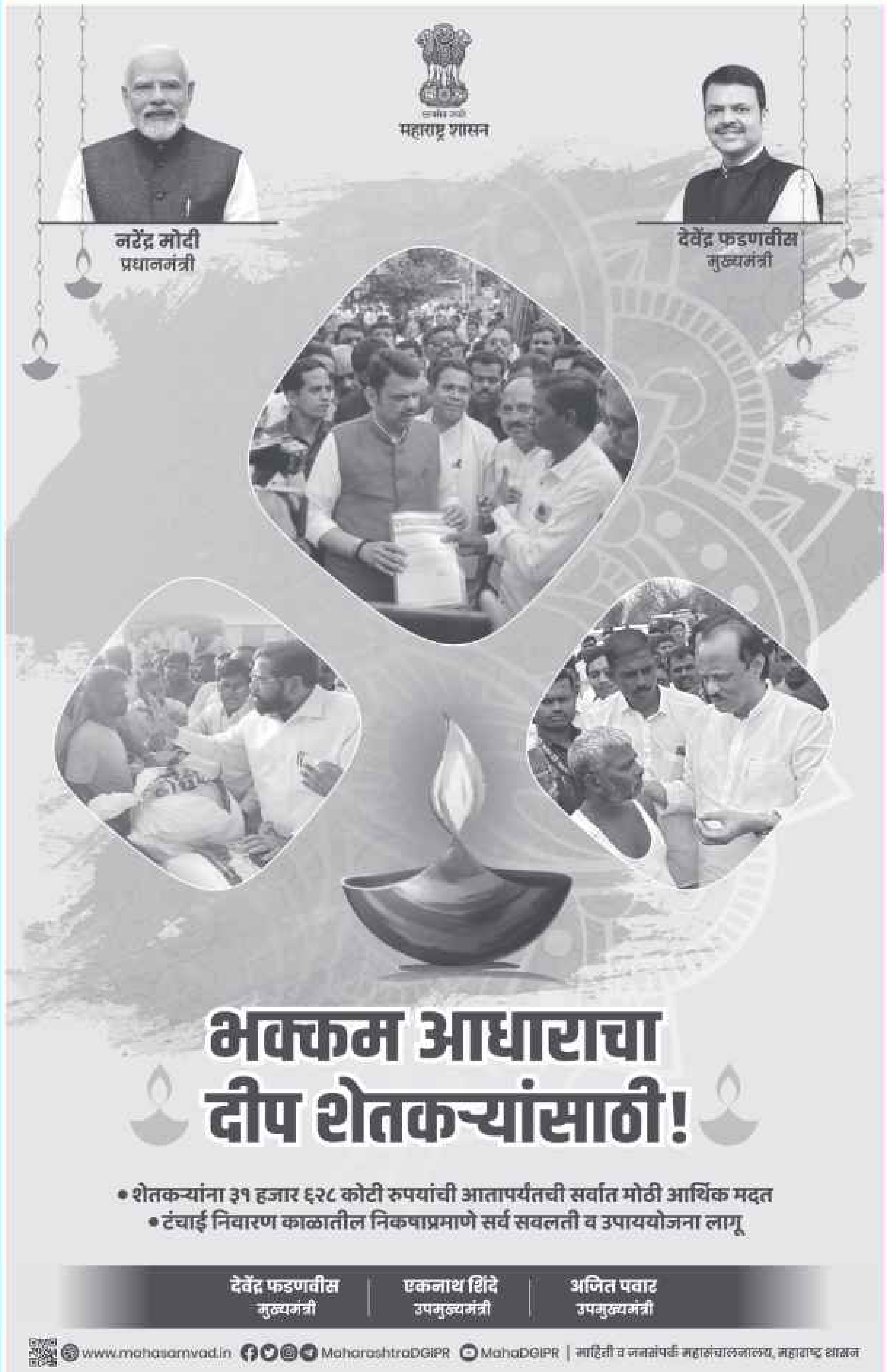

सेवा-भक्ति-व्यवसाय में कामयाबी के त्रिवेणी संगम हैं

दिलदार मित्र उद्यमी चंदूलाल अग्रवाल

जीवन में कुछ लोग अपने कार्यों के साथ ही भक्तिभाव से पूरी तरह से ओतप्रोत रहते हैं, ऐसे ही लोगों में शामिल हैं सुख्यात उद्यमी श्रीराम दाल मिल के संचालक, श्रीराम मंदिर, श्री श्याम मंदिर, श्री गजानन महाराज मंदिर तथा बालाजी हनुमान मंदिर यवतमाल रोड बडनेरा के अध्यक्ष चंदूलाल सिंघानिया. वे भोलेनाथ के साथ ही जहां आदर्श व्यवसायी हैं, वहीं प्रभु की भक्ति के साथ ही अन्नकुट तथा अन्य धार्मिक कार्यक्रमों में सदैव योगदान देते हैं. मित्रों के लिए दिलदार मित्र के साथ ही सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं. आदर्श माता-पिता के संस्कार को जीवन की कामयाबी का सुत्र जहां मानते हैं, वहीं दुसरी ओर पुरा अग्रवाल परिवार ही भक्तिभाव में समर्पित है. पिता के आदर्श संस्कारों को जीवन का सबसे बड़ा मार्गदर्शन मानते हैं. वहीं मानवता की सेवा के लिए सदा प्रयासरत रहते हैं.

बडनेरा निवासी तथा कई संगठनों के पदाधिकारी चंदूलाल अग्रवाल जितने सम्पन्न हैं, उतने ही विनम्र हैं, यही कारण है कि हजारों की संख्य में मित्र परिवार तैयार किया है.

भक्तीभाव से परिपूर्ण परिवार के साथ ही सेवा समर्पित बेटा, पत्नी तथा पुरा परिवार ही ताकत मानते हैं. भक्ति भाव से ओतप्रोत परिवार वह होता है, जहां हर कार्य में ईश्वर की उपस्थिति का अनुभव किया जाता है. ऐसा परिवार न केवल पूजा-पाठ तक सीमित रहता है, बल्कि अपने आचरण, व्यवहार और जीवनशैली में भी भक्ति को जीता है.संस्कारों से युक्त परिवार में बच्चों को बचपन से ही सत्य, करुणा, सेवा, संयम और कर्तव्यनिष्ठा के मूल्य सिखाए जाते हैं. वहां सुबह प्रार्थना से दिन की शुरुआत होती है, बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया जाता है और भोजन से पहले ईश्वर का स्मरण किया जाता है. यह वातावरण पूरे घर में सकारात्मक ऊर्जा भर देता है. अग्रवाल परिवार में भक्तिभाव की गंगा पीढ़ियों से बह रही है, उसे न केवल बरकरार रखा है, बल्कि उसे बढ़ाने का काम किया है.

भक्ति भाव परिवार को एक सूत्र में बांधता है. जब सब मिलकर भजन-कीर्तन करते हैं, त्यौहारों को श्रद्धा से मनाते हैं और दीन-दुखियों की सेवा करते हैं, तब परिवार के भीतर आत्मिक एकता और प्रेम का भाव गहराता है.संस्कार और भक्ति का संगम ही आदर्श परिवार की पहचान है. जहां मन में भगवान के प्रति श्रद्धा और व्यवहार में मानवता हो, वही परिवार सच्चे अर्थों में संस्कारित कहलाता है. ऐसे परिवार न केवल स्वयं सुखी रहते हैं, बल्कि समाज को भी प्रेम, शांति और सदाचार का संदेश अग्रवाल परिवार ने दिया है.

श्रीराम मंदिर झिरी में सालभर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम जारीरहता है. इतना ही नहीं तो अन्नकूट तथा महाप्रसाद के साथ ही ताली कीर्तन में सैकड़ों भक्त उत्साह के साथ सहभागी होते हैं. उनका कहना है कि जीवन प्रभु का दिया उपहार है, ऐसे में प्रभु भक्ति के साथ ही जितना संभव हो मानवता तथा धर्म सेवा में विश्वास रखते हैं. भगवान भोलेनाथ की भक्ति के साथ ही वे सदा भक्ति में लीन रहते हैं. उनका कहना है कि जीवन में प्रभु की कृपा होने पर सभी की कृपा होती है. इसलिए सदा संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, पर्यावरण संतुलन के साथ ही मानव सेवा को महत्व देते हुए हर व्यक्ति को इसमें अपना योगदान देना चाहिए.दीपावली पर उन्होंने विदर्भ स्वाभिमान को शुभकामनाएं देते हुए मंगलमय कामना की.

दीपपर्व पर सभी जिलावासियों तथा देशवासियों को हमारी हार्दिक शुभकामनाएँ,सभी पर प्रभु श्रीराम, श्याम की कृपा बनी रहे, यही कामना.

-शुभेच्छुक-

चंदूलाल सिंघानिया अग्रवाल तथा समस्त परिवार,बडनेरा,अध्यक्ष श्रीराम मंदिर झिरी, संचालक,श्रीराम दाल मिल तथा जाने-माने समाजसेवी,बडनेरा

गौमाता भक्त, सेवाभावी भागवत आचार्य हैं शिव गुरु शर्मा

धार्मिकता के क्षेत्र में सक्रिय रहने वाले और गोलोकधाम गौशाला के प्रमुख उन्हेल निवासी पुज्य शिव गुरु शर्मा महाराज जहां आदर्श कथाकार हैं गो माता के भक्त हैं. उनकी गौशाला में 650 सौ से अधिक रास्ते पर दुर्घटनाओं में घायल गौ माता का जहां उपचार किया जाता है, वहीं दुसरी ओर अपनी कथाओं के माध्यम से सामाजिक, मानवीय, राष्ट्र की महिमा और सनातन धर्म को प्रचारित करने का कार्य कर रहे हैं. विदर्भ स्वाभिमान परिवार सेवाभावी गुरु जी के चरणों में नमन करने के साथ यह कामना करता है कि वह स्वस्थ रहें और भोलेनाथ की कृपा बनी रहे और उनका गौ माता सेवा, धर्म सेवा का कार्य लगातार चलता रहे और राष्ट्र के विकास में उनका सदा योगदान रहे. गौ माता और शिव पुराण कथाकार दोनों ही समाज में धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना के संवाहक माने जाते हैं. इसी तरह के संत शिव गुरु शर्मा महाराज हैं.

धार्मिकता के क्षेत्र में सक्रिय रहने वाले और गोलोकधाम गौशाला के प्रमुख उन्हेल निवासी पूज्य शिव गुरु शर्मा महाराज जहां आदर्श कथाकार हैं गौ माता के भक्त हैं.वहीं धार्मिकता के साथ ही बुजुर्ग,दिव्यांगों के सेवा का संदेश देने के साथ ही पर्यावरण संतुलन की सीख देने वाले संत हैं. विदर्भ स्वाभिमान का नमन

कथाकार का ह्रदय गौ माता के प्रति अनन्य भक्ति और शिव तत्व के प्रति अखंड श्रद्धा से भरा होता है.वही उसकी वाणी में दिव्यता और प्रभाव लाता है. गुरुजी की सादगी और

शिव पुराण, वेद, उपनिषद, स्मृतियों तथा गौ महिमा संबंधी ग्रंथों का गहन अध्ययन उसे कथाओं को प्रमाणिकता और गंभीरता प्रदान करता है.

कथाकार केवल शब्द नहीं बोलता, बल्कि भावों को जीकर प्रस्तुत करता है। उसकी कथा में भक्ति, ज्ञान और प्रेरणा का संगम झलकता है.वह केवल कथा कहने वाला नहीं, बल्कि समाज में सद्भाव, सेवा और गौ संरक्षण का संदेश देने वाला जागरूक प्रवक्ता होता है.उनकी वाणी में मधुरता और करुणा रहने के कारण वह भक्तों पर असर करती है.उनकी वाणी में ऐसी मधुरता होती है जो श्रोताओं के ह्रदय को स्पर्श करती है और श्रद्धा जागृत करती है.

शिव का करुणामय स्वरूप और गौ माता की मातृ शक्ति इन दोनों के आदर्शों को जोड़कर वह जीवन में पवित्रता, दया, संयम और सेवा का संदेश देता है.कथाकार का जीवन स्वयं अनुशासित, सात्विक और साधना से युक्त होता है तभी उनकी कथा प्रभावशाली और प्रेरणादायी बनती है. जहां भी उनकी कथा होती है बड़ी संख्या में भक्ति इसका लाभ लेते हैं.शिव गुरु शर्मा महाराज केवल कथा कहकर नहीं रुकता, बल्कि श्रोताओं को कर्मपथ पर प्रेरित करता है गौ सेवा, शिव भक्ति और राष्ट्रधर्म की भावना जगाता है.गौ माता भक्त शिव पुराण कथाकार केवल वक्ता नहीं, बल्कि युग प्रेरक हैं,जो भक्ति को व्यवहार में और धर्म को जीवन में उतारने का संदेश देते हैं. दीपावली पर दीपक जैसा त्याग करने की भावना से स्वयं भी खुश रहने के साथ ही अन्यों को भी खुशियां बांटने का संदेश देते हुए समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख,समृद्धि और स्वस्थ जीवन की कामयाबी का आशिर्वाद प्रदान किया.

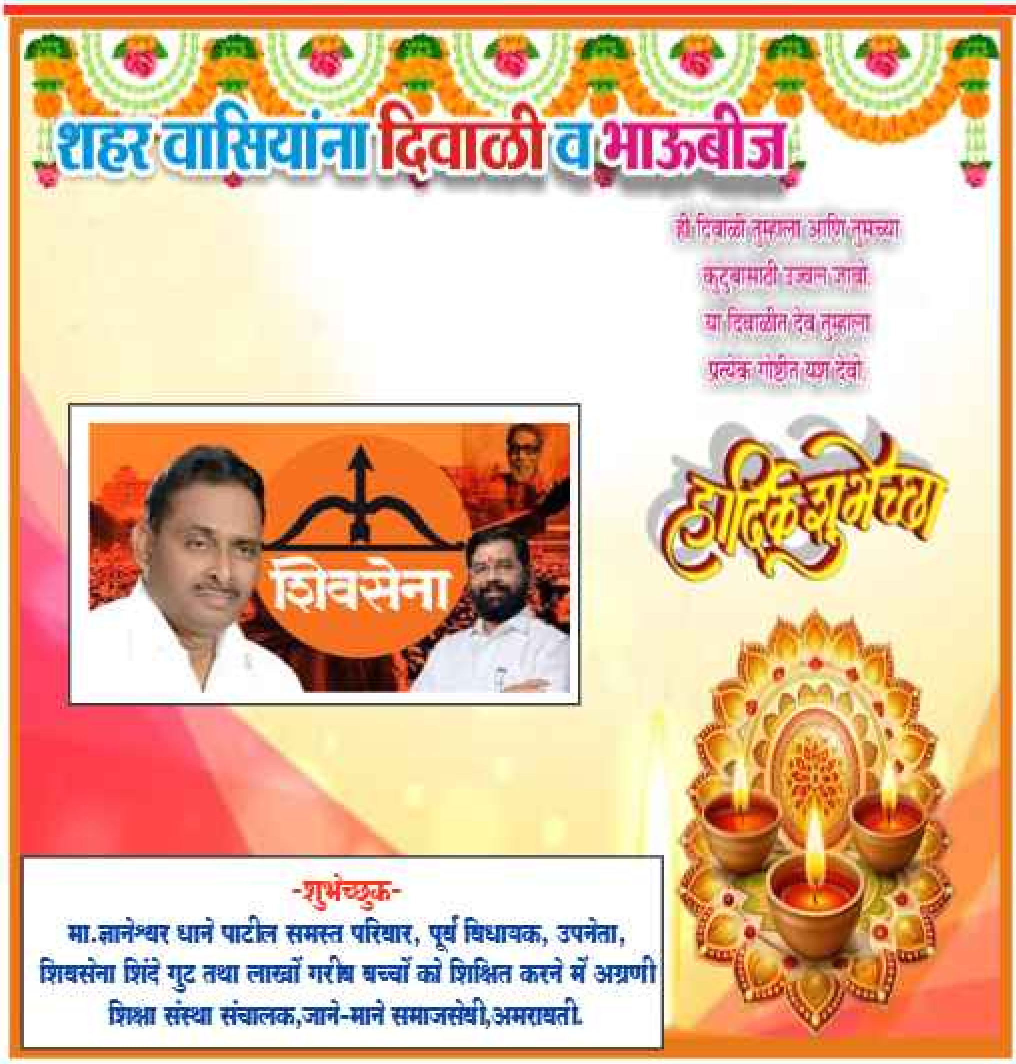

दिलदार,संवेदनशील आकाश शिरभाते

विदर्भ स्वाभिमान

शहर में सेवाभाव के साथ ही सेवा का भाव लिए सदा समाज के लिए कार्य करने वाले सागर प्लास्टिक के संचालक आकाश शिरभाते जितने सफल व्यवसायी हैं, उतने ही अच्छे मित्र हैं, यही कारण है कि इतनी कम उम्र में व्यावसायिक कामयाबी हासिल करने के साथ ही अभी तक 700 से अधिक लावारिश लाशों का अंतिम संस्कार करने का पुण्य उन्हें प्राप्त है और यह सेवा का सिलसिला आज भी चल रहा है. सेवा करने के बाद भी प्रचार से कोसों जहां वह दूर रहते हैं, वहीं वे कहते हैं कि सेवा करने का फल प्रभु देते हैं, इस पर उन्हें अटूट विश्वास है. मानवता की सेवा को प्रभु सेवा मानने वाले आकाश गरीबों, जरूरतमंदों की यथासंभव मदद करते हैं. उनके व्यवसाय में सैकड़ों युवाओं को रोजगार देने के साथ ही धार्मिकता के साथ ही जरूरतमंदों की मदद में सदा अग्रणी रहते हैं. राष्ट्र धर्म को सबसे बड़ा धर्म मानने वाले आकाश शिरभाते दिलदार मित्र हैं. आदर्श बेटे, आदर्श पति के साथ ही सभी रिश्तों को गहराई से निभाते हैं. वे बताते हैं कि समाज में कई लोगों के नसीब में अपनों के हाथ से अंतिम संस्कार नहीं होता है, ऐसे में उन्होंने अभी तक सैकड़ों लावरिश लाशों का अंतिम संस्कार अपने खर्च से किया है. समाजसेवी और सेवाभावना में अग्रणी आकाश शिरभाते जितने बेहतरीन व्यवसायी हैं, उससे भी बेहतरीन सामाजिक कार्यकर्ता हैं. निस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले उनके मुताबिक शहरवासियों ने अपार प्रेम दिया है. इसके चलते वे समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया के विचारों पर चलते हुए नेक कामों में भी सदैव आगे रहते हैं. दीपावली खुशियों के साथ ही त्याग और खुशियां बांटने का त्यौहार है. इस दौरान हर सम्पन्न व्यक्ति को अपने से कमजोर व्यक्ति के लिए कुछ करने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने से निश्चित ही धरती स्वर्ग बन जाएगी. यह कहना है कि सुख्यात उद्यमी आकाश शिरभाते का. माता-पिता का आशिर्वाद, पत्नी का साथ और हजारों मित्र उन्होंने तैयार किए हैं. दर्जनों संगठनों के पदाधिकारी आकाश शिरभाते यारों के दिलदार यार हैं. उसके साथ ही वे सामाजिक,धार्मिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं- वे कहते हैं कि जीवन प्रभु ने बड़े भाग्य से दिया है. ऐसे में इसका जितना उपयोग हो सकता है, परमार्थ के लिए भी करना का प्रयास हर व्यक्ति को करना चाहिए. इससे मिलने वाली खुशी शब्दों से काफी हट कर होगी. सेवाभावना में भी शिरभाते परिवार सदैव अग्रणी है. उन्होंने सभी को दीपावली की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं दी. साथ ही कामना की कि सभी का जीवन सुख,समृद्धि के साथ ही स्वस्थ रहे और सभी खुश रहकर खुशियां बांटे.

समस्त देशवासियों को
दिवाली की
हार्दिक
शुभकामनाएं

-शुभेच्छुक-
मा.आकाश शिरभाते तथा समस्त शिरभाते परिवार, संचालक-सागर प्लास्टिक, सुख्यात व्यवसायी, समाजसेवी,अम.

शहर वासियांना दिवाळी व भाऊबीज
ही दिवाळी तुम्हाला आणि तुमच्या
कुटुंबासाठी उज्वल जावो.
या दिवाळीत देव तुम्हाला
प्रत्येक गोष्टीत यश देवो.
हार्दिक शुभेच्छा

-शुभेच्छुक-
मा.बालकिसन पाण्डेय समस्त परिवार, सुख्यात व्यवसायी, संचालक दुग्धपूर्णा ग्रुप, कान्यकुब्ज ब्राम्हण मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारी, जाने-माने समाजसेवी,अमरावती.

शहर वासियांना दिवाळी व भाऊबीज
ही दिवाळी तुम्हाला आणि तुमच्या
कुटुंबासाठी उज्वल जावो.
या दिवाळीत देव तुम्हाला
प्रत्येक गोष्टीत यश देवो.
हार्दिक शुभेच्छा

-शुभेच्छुक-
मा.रामेश्वरजी उपाध्याय, भरत उपाध्याय, विनय उपाध्याय तथा समस्त परिवार, सुख्यात व्यवसायी, समाजसेवी,अम.

एड.प्रशांत देशपांडे हैं शहर की शान

सफलतम अधिवक्ता,धार्मिक,सामाजिक,न्यायिक,शिक्षा क्षेत्र में अहम योगदान

विदर्भ स्वाभिमान, 23 अक्तूबर

अमरावती-शहर में ही नहीं तो न्याय क्षेत्र में समूचे विदर्भ,राज्यस्तर पर सफलतम वकील के रूप में सुख्यात एड. प्रशांत देशपांडे को शहर की शान कहना गलत नहीं होगा. वे जितने कानून में माहिर हैं, उतने ही खेल, समाजसेवा,धर्मसेवा और राजनीति में भी सक्रिय हैं. हव्याप्रमंडल के कार्यकारी अध्यक्ष के साथ ही संयुक्त परिवार, पर्यावरण संतुलन तथा मानवता की सेवा मेम समर्पित व्यक्ति हैं.

अधिवक्ता केवल कानून के ज्ञाता नहीं होते, वे समाज के प्रहरी, न्याय के साधक और जनभावनाओं के प्रतिनिधि भी हैं. उनका व्यक्तित्व अनेक गुणों से युक्त है. वे ज्ञान, तर्क, विवेक, सहनशीलता, निष्ठा और समाजसेवा की भावना उनमें समाहित रहती है. आदर्श संस्कार जहां उन्हें मां तथा कई संस्थाओं की पदाधिकारी,अंबादेवी संस्थान की अध्यक्ष तथा महापौर रहीं अपनी मां से मिला है, वहीं पिता भी अमरावती ही नहीं राज्यस्तर की हस्ती थे. एक बहुगुणी अधिवक्ता अपने पेशे तक सीमित नहीं रहते बल्कि कई खेल संगटनों के पदाधीकारी हैं. राष्ट्धर्म को प्रथम धर्म मानने वाले एड. देशपांडे सबसे कामयाब वकीलों में से एक हैं. लेकिन इसका गर्व नहीं है. बल्कि उनके साथ रहने वाले को यह पता भी नहीं चल पाता है कि वह कितनी उंचाई रखने वाले व्यक्ति हैं. वह समाज के हर वर्ग के लिए न्याय की आवाज़ बनते हैं.कानुन की गहराई को समझते हुए वह सत्य के पक्ष में दृढ़ता से खड़े रहते हैं.उनकी वाणी में प्रभाव, विचारों में स्पष्टता और व्यवहार में विनम्रता झलकती है. यही कारण है कि किसी विधायक के जैसे उनके निवास और कार्यालय पर लोगों की भीड़ रहती है. वह समाज में मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं. वे केवल मुकदमों में दलीलें नहीं देते, बल्कि जन-जागृति, विधिक सहायता शिविरों और सामाजिक मुद्दों पर भी सक्रिय रहते है. उनमें नेतृत्व, सेवा, न्यायप्रियता और जनहित के लिए समर्पण जैसे गुण देखने को मिलते हैं. यारों के दिलदार यार के साथ ही हर क्षेत्र में अपान योगदान देने में पीछे नहीं हटते हैं. उनके स्वभाव के कारण शहर ही नहीं तो जिले में हजारों मित्र बनाएं हैं, जो उनके लिए कुछ भी करने की मानसिकता रखते हैं. विनम्रता के कारण वे किसी का भी दिल जल्दी से जीत लेते हैं. कानूनी ज्ञान व तर्कशक्ति अद् भुत है. कानून की गहराई और न्याय की भावना का संतलन बनाने में सफल रहते हैं. सत्यनिष्ठा और नैतिकता हर परिस्थिति में ईमानदारी का पालन करने में विश्वास रखते हैं. संवेदनशीलता के कारण किसी गरीब,दलित,पीड़ि त पर अन्याय होने पर चिढ़ जाते हैं. वाकपटुता इतनी है कि कठिन से कठिन समस्या में फंसे व्यक्ति को भी निकाल लेते हैं. विचारों को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत करने की कला.समाज के वंचित वर्गों के लिए न्याय की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही भाजपा की प्रगति के साथ ही राष्ट्र की मजबूती में सदैव योगदान देने का प्रयास करते हैं. कुल मिलकर अष्टपैलु व्यक्तित्व के साथ ही नेतृत्व का गुण उनमें रहने से अपार चाहत है. उनका अधिवक्ता के रूप में व्यक्तित्व केवल अदालत तक सीमित नहीं होता, बल्कि वह समाज के नैतिक और संवैधानिक ताने-बाने को सुदृढ़ करने वाले स्तंभ के रूप में शहरवासियों को परिचित हैं.वे अधिवक्ता के रूप में न केवल न्याय दिलाते हैं, बल्कि समाज को न्यायप्रियता का मार्ग भी दिखाते हैं.

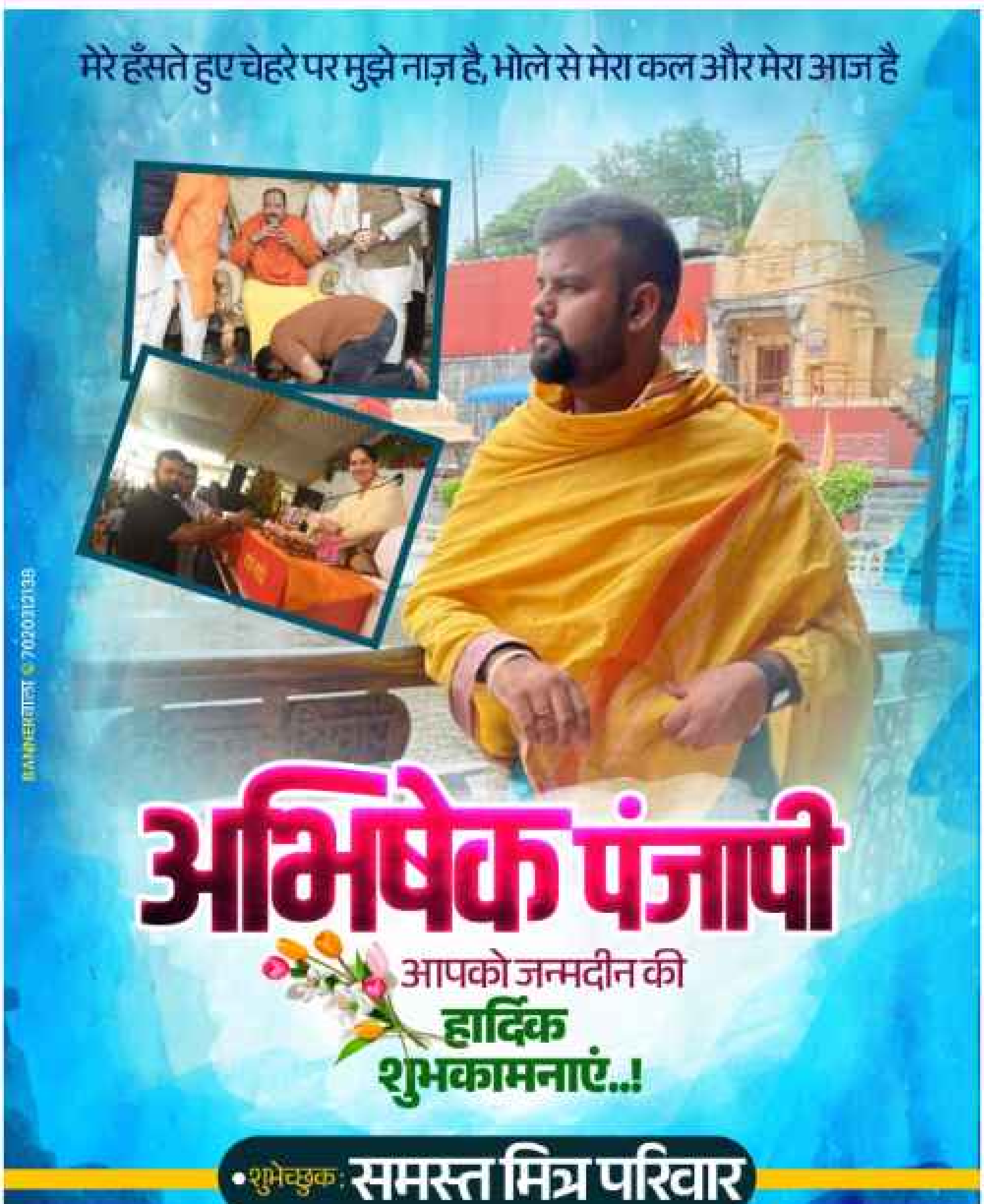

एज़्यूकेशन वर्ल्ड द्वारा डीपीएस को पुनः विदर्भ क्षेत्र का उत्कृष्टता पुरस्कार

विदर्भ स्वाभिमान,23 अक्तूबर

अमरावती- जीवन में बड़ा लक्ष्य हासिल करना चाहते है तो अपनी योग्यता को निखारना चाहिए , योग्यता से ही मुश्किल काम आसानी से पुरे हो सकते है। और साथ ही हमें हर काम में धैर्य रखना चाहिए। किसी भी काम का फल तुरंत नहीं मिलता है। इसी उक्ति को चरितार्थ करते हुए क्षेत्र की अग्रणी शिक्षण संस्था दिल्ली पब्लिक स्कूल, अमरावती ने अपने क्षेत्र का नाम सर्वथा रोशन किया है। अत्यंत हर्ष का विषय है की देश की प्रतिष्ठित संस्था ' एजुकेशन वर्ल्ड ' ने दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में डीपीएस अमरावती को पुनः विदर्भा क्षेत्र में शिक्षा की उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर विभिन्न तकनिकी , शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक संस्थाओं के विशेषज्ञों द्वारा सम्बोधित करके अपने विचार व्यक्त किये जाते है। इन्ही पधारें अतिथिगणों के हाथों द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री डोलेंद्र पाटिल जी को यह अवार्ड प्रदान किया गया, जो की राणा एजुकेशन सोसाइटी एवं पदाधिकारियों के वृहद दुरगामी

दृष्टिकोण तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के ध्येय को पूर्ण करता है. डीपीएस सोसाइटी जो की भारत का सबसे अग्रणी एवं प्रतिष्ठित एजुकेशन ब्रंड है जिसने विश्व स्तर पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है , के मार्गदर्शन में विश्व स्तरीय सुविधाओं से पूर्ण डीपीएस अमरावती ने बच्चो की मेहनत , अभिभावकों के विश्वास , शिक्षकों के प्रयासों , अन्य स्टाफ के सहयोग एवं डीपीएस स्कूल के मैनेजमेंट के विज़न में अनेकों उपलब्धियां प्राप्त की है तथा ये यात्रा अभी भी जारी है। समारोह के दौरान आयोजकों ने बताया की किस तरह स्कूलों का चयन अनेकों फीडबैक , दिल्ली पब्लिक स्कूल में विद्यमान सर्वत्र सुविधाओं , शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्पर्धाओं , बच्चों का सर्वांगीण विकास , अनुशासन , शिक्षा जगत की संस्थाओं की प्रतिक्रियाओं , बोर्ड परीक्षाओं के शत-प्रतिशत परिणाम आदि-? का ध्यान रखकर किया जाता है। डीपीएस अमरावती का ध्येय है की अनेकों बाधाओं एवं रुकावटों के पश्चात भी स्कूल अपने ब्रंड की सर्वोच्चता एवं शैक्षणिक अनुशासन को बनाकर रखेगा।

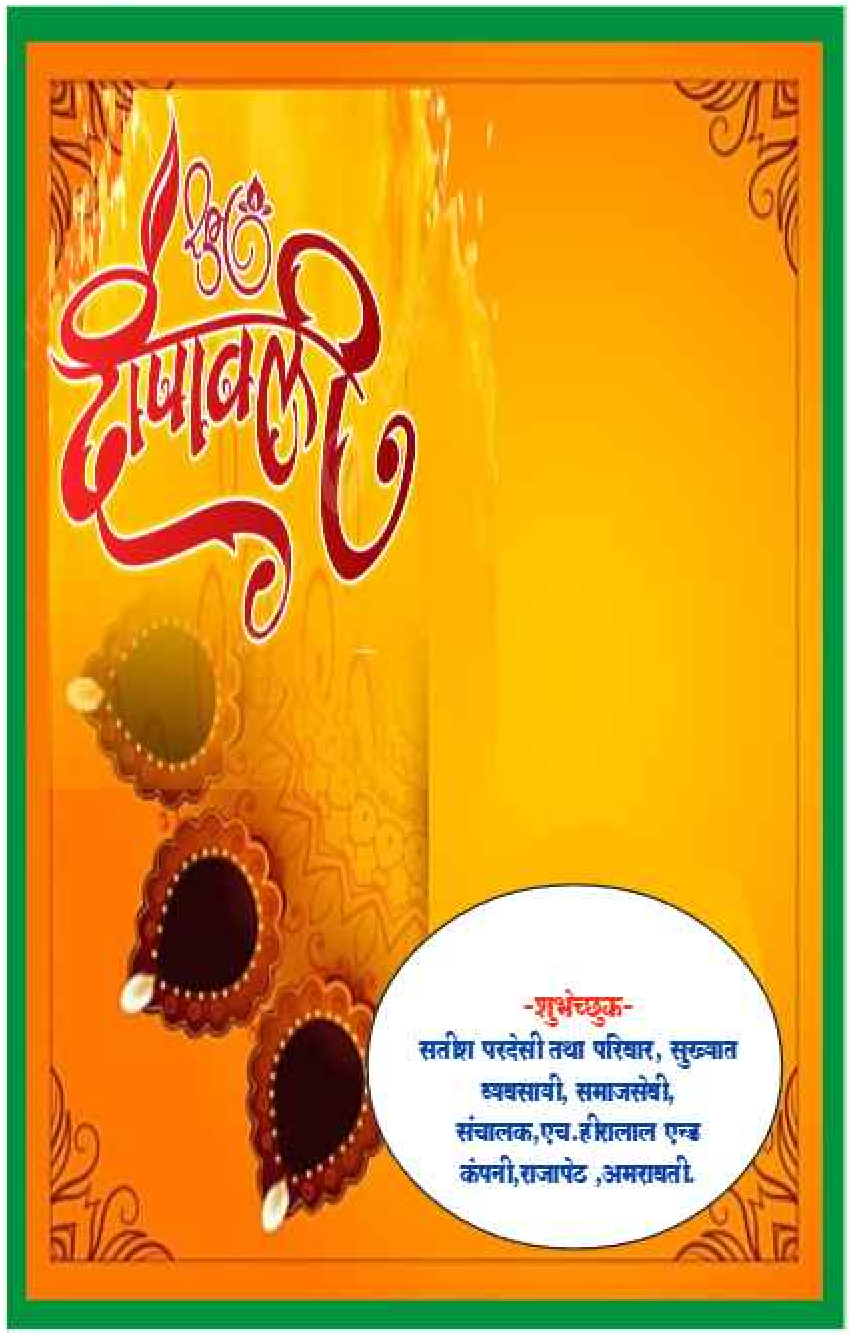

भक्तिधाम मंदिर है मानव सेवा का महान केन्द्र

दिलीपभाई पोपट के नेतृत्व में जलाराम सत्संग मंडल ने अन्नदान तथा मानव सेवा का रचा इतिहास, तीन दशकों से चल रही है मानवसेवा

अमरावती- गुजराती समाज सेवा के साथ धार्मिक और मानवता की सेवा को महत्व देना वाला समाज है. इसकी ख्याति न केवल देश बल्कि समूचे विश्व में इसी रूप में है. अमरावती के जलाराम सत्संग मंडल का उदाहरण सेवा के लिए दिया जाता है. इसके सभी पदाधिकारी जहां सम्पन्न व्यवसायी हैं, अपने क्षेत्र में दिग्गज हैं लेकिन अन्नदान के लिए जिस तरह से दिल से सेवा देते हैं और भक्तिधाम मंदिर जिस तरह से मानवता का बेहतरीन केन्द्र बना हुआ है, वह अपने आप में निश्चित तौर पर अमरावतीवासियों के लिए किसी गौरव से कम नहीं है. सेवा का यह सिलसिला तीन दशक से अधिक समय से चल रहा है. इसमें कई परिवारों की तीन पीढ़िया भाग लेती हैं.

जीवन में सफलता मिलने के बाद आदमी अहंकारी हो जाता है. लेकिन शहर के चोटी के व्यवसायी तथा रघुवीर ग्रुप के संचालक दिलीपभाई पोपट इससे जुदा है. व्यवसाय के क्षेत्र में जहां उन्होंने सफलता के परचम गाड़े हैं, वहीं पिता स्व.मंगलजीभाई पोपट के आदर्श विचारों पर चलते हुए मानवता का अलख जगाने का कार्य कर रहे हैं. मानवता की सेवा को ही ईश्वर सेवा मानने वाले तथा संत जलाराम बाप्पा के अनन्य भक्त, जलाराम सत्संग मंडल के अध्यक्ष के रूप में भक्तिधाम मंदिर में मंडल द्वारा शुरू किए गए विभिन्न उपक्रमों तथा इसका लाभ लेते सैकड़ों जरूरतमंदों को देखकर निश्चित ही खुशी होती है. तमाम व्यस्तता के बाद भी दिलीपभाई सहपरिवार जिस तरह से इसमें योगदान देते हैं, उसका दर्शन गुरूवार तथा अन्नदान के दिन हो सकता है. कहते हैं कि मानव सेवा से बड़ी सेवा कोई नहीं होती है. हर इन्सान को जब नारायण के रूप में देखा जाता है तो निश्चित ही अलग आनंद मिलता है. बडनेरा रोड स्थिति भक्तिधाम मंदिर में हर गुरूवार को सैकड़ों जरूरतमंदों के भोजनदान का कार्यक्रम सचमुच अनोखा रहता है. तमाम व्यस्तता के बाद भी सहपरिवार दिलीपभाई पोपट तथा मंडल के सभी पदाधिकारी तथा सदस्यों द्वारा दी जा रही सेवा अनुकरणीय है. साथ ही इसी तरह का रवैया अगर देश के सभी मंदिर प्रबंधनों द्वारा अदा किया जाए तो निश्चित तौर पर देश में कोई भी गरीब भूखे पेट नहीं सोए.

गुरूवार को दोपहर 1 बजे के बाद से शुरू हुआ महाप्रसाद का यह सिलसिला तीन बजे तक चलता है. सभी इसमें समर्पित भाव से लगे र हते हैं. इस दौरान समर्पित भाव से जहां जलाराम सत्संग मंडल के पदाधिकारियों, सदस्यों का साथ रहता है, वहीं अन्य भी मानव सेवा में योगदान देने के लिए प्रेरित होते हैं. भक्तिधाम मंदिर के साथ ही जलाराम सत्संग मंडल के सभी पदाधिकारियों की सराहना की जानी चाहिए. धार्मिकता को भी किस तरह मानव सेवा का रूप दिया जा सकता है, इसका यह प्रयास निश्चित ही सराहनीय है. विदर्भ स्वाभिमान आप सभी को नतमस्तक करता है.

सौ. वीणा सुभाषचंद्र दुबे,अम.

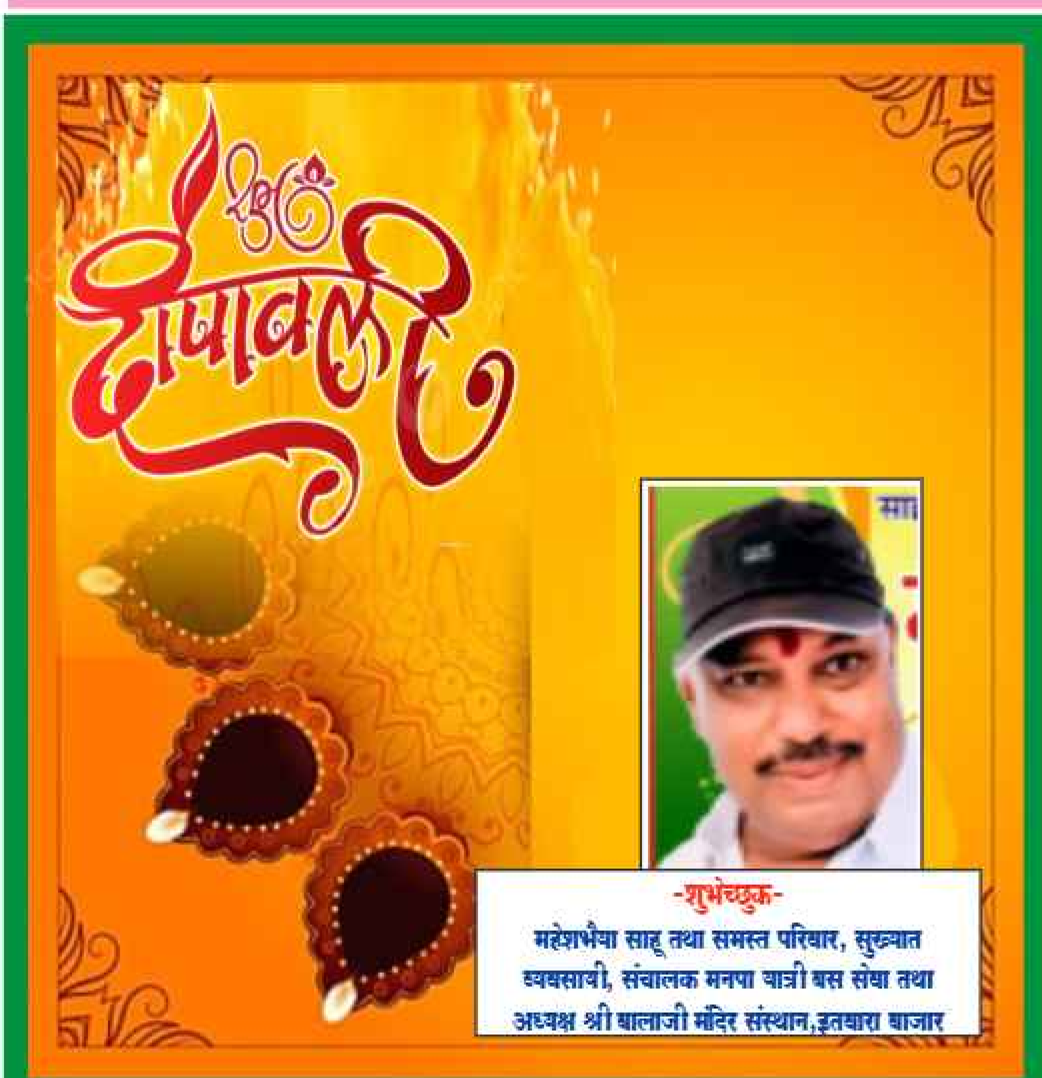

मानवता का दीपक जलाएं,खुशियां बांटते रहें,बढ़ती रहेंगी-महेश साहू

दीपावली खुशियों के साथ ही त्याग और खुशियां बांटने का त्यौहार है. इस दौरान हर सम्पन्न व्यक्ति को अपने से कमजोर व्यक्ति के लिए कुछ करने का प्रयास करना चाहिए. ऐसा करने से निश्चित ही धरती स्वर्ग बन जाएगी. यह कहना है कि सुख्यात उद्यमी, मनपा सिटी बस सेवा के संचालक महेश साहू का. श्री बालाजी मंदिर इतवारा के साथ ही दर्जनों संगठनों के पदाधिकारी महेश साहू यारों के दिलदार यार हैं. उसके साथ ही वे सामाजिक,धार्मिक कामों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं.

वे कहते हैं कि जीवन प्रभु ने बड़े भाग्य से दिया है. ऐसे में इसका जितना उपयोग हो सकता है, परमार्थ के लिए भी करना का प्रयास हर व्यक्ति को करना चाहिए. इससे मिलने वाली खुशी शब्दों से काफी हटकर होगी. मेरे लिए किसने क्या किया है, यह सोचने की बजाय जीवन में यहां तक मुझे पहुंचाने में किन लोगों का सहयोग मिला है, माता-पिता का आशिर्वाद और अच्छे लोगों के साथ को भगवान भोलेनाथ का प्रसाद मानते हुए अपनी ओर से सदैव अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए. नेकी कभी बेकार नहीं जाती है. जितना संभव हो कर्म के साथ धर्म और संस्कारों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए. इसकी आज जरूरत है. इस आशय का मत शून्य से संसार खड़ा करने वाले साहू टूर्स एन्ड ट्रैवल्स के संचालक तथा सुख्यात समाजसेवी, यारों के दिलदार यार महेश साहू ने किया. विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में हर व्यक्ति की कुछ न कुछ खासियत रहती है. जब मेहनत की तैयारी के साथ वह खासियत हम स्वयं में पाते हैं तो हमारी तरक्की स्वयं ही होती है. दीपावली की उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दी.